A Daily News Magazine
भोपाल
शुक्रवार, 28 मार्च, 2025

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 197, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

क्या सच में क्रिकेट की हिंदी कमेंट्री को सुधार की जरूरत है?

प्रियंका

क्रिकेट हो या कोई भी दूसरा खेल, कमेंट्री उसका अहम हिस्सा है। कमेंटेटर का मुख्य काम है कि मैदान में जो कुछ हो रहा है, उसकी अपने शब्दों से ऐसी मंज़रकशी हो कि ऑडियंस आंखें मूंदकर भी खुद को खेल वाली जगह पर महसूस कर ले। हालांकि, पिछले कुछ समय से भारतीय क्रिकेट प्रेमी हिंदी में हो रही कमेंट्री से नाखुश दिख रहे हैं।

क्रिकेट के इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल की शुरुआत में ही अब कुछ दर्शकों ने ये नाखुशी खुलकर सामने रखी है और इसकी वजहें भी बताई हैं। ताज़ा बहस एक यूज़र के उस वीडियो के सामने आने के बाद शुरू हुई है, जिसमें वह क्रिकेट प्रबंधकों से हिंदी कमेंट्री का स्तर सुधारने की बात कर रहे हैं।

ये वीडियो इतना वायरल हुआ कि आईपीएल में कमेंट्री करने वाले पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने भी इसका संज्ञान लिया। इसमें एक शख्स ये कह रहे हैं कि हिंदी कमेंट्री के साथ मैच देखना दिन-ब-दिन मुश्किल होता जा रहा है। पहले जब हम बचपन में हिंदी कमेंट्री देखते थे, मनिंदर सिंह, अरुण लाल और सुशील दोशी कमेंट्री करते थे...तब गेम के बारे में सीखने को बहुत कुछ मिलता था। तकनीकी पहलुओं पर बहुत बात होती थी। अब गेम के बारे सीखने को कुछ नहीं मिलता है। अब हिंदी कमेंट्री में या तो शेर ओ शायरी होती है या फिर पुराने क़िस्से सुनाए जाते हैं।

हालांकि, इस यूज़र ने ये भी स्पष्ट किया है कि वह किसी भी कमेंटेटर को टारगेट नहीं कर रहे हैं, क्योंकि ये सब लीजेंड हैं, जिन्होंने भारत के लिए बहुत अच्छा खेला है। यूज़र ने कहा, 'मैं इन सबसे विनती कर रहा हूं कि आप लोगों को हमसे ज़्यादा अच्छी क्रिकेट आती है। अगर आप हमें क्रिकेट नहीं सिखाएंगे तो कौन सिखाएगा। मेरा निवेदन है कि कुछ ऐसी बातें भी कीजिए जिससे हम गेम के टैक्नीकल पहलू सीख पाएं।'

इस वीडियो के वायरल होने के बाद पूर्व क्रिकेटर और राज्यसभा सांसद के साथ ही कमेंट्री कर रहे हरभजन सिंह ने लिखा, 'आपके इस इनपुट के लिए शुक्रिया। हम इस पर काम करेंगे।' लेकिन ऐसे भी कुछ लोग हैं, जिनका मानना है कि चूंकि दर्शक ऐसी भाषा पसंद करते हैं, इसलिए कमेंट्री इस तरह की जा रही है। हरभजन सिंह के एक्स पोस्ट पर एक यूज़र ने लिखा, 'हम रील्स और शॉर्ट्स के ज़माने में जी रहे हैं, जहां क्रिंज कंटेंट को बढ़ावा दिया जाता है क्योंकि उस पर अधिक व्यूज़ आते हैं। अगर लोग इसे देखेंगे नहीं तो कमेंटेटर बोलेंगे नहीं। मौजूदा पीढ़ी शायद खेलों के तकनीकी पहलुओं को सुनने में ज़्यादा रुचि नहीं लेती। बल्कि उन्हें ऐसी ही हंसाने वाली कमेंट्री सुनना पसंद है, और इसमें कुछ गलत भी नहीं है।'

भारत में क्रिकेट से दर्शकों की ऐसी भावनाएं जुड़ी हैं कि इसकी तुलना कई बार धर्म से की जाती है।

लेकिन जब ये खेल भारत में आया तब इसे देखने के लिए लोगों के पास टेलीविज़न या फ़ोन नहीं थे। बल्कि रेडियो एकमात्र ऐसा साधन था, जिस पर बॉल बाय बॉल किसी मुक़ाबले की मंज़रकशी होती थी। उस दौर में से सबसे बड़े नामों में थे सुशील दोशी। इनका ज़िक्र वायरल वीडियो वाले शख्स ने भी किया है। सुशील दोशी को हिंदी कमेंट्री में उनके योगदान के लिए साल 2016 में भारत के पद्मश्री पुरस्कार से नवाज़ा गया था।

इस बारे में सुशील दोशी का मानना है कि 'हिंदी बेल्ट के कमेंटेटर और ख़ासकर के क्रिकेटरों से शिकायत इसलिए है, क्योंकि वो जब कमेंट्री करते हैं, तो क्रिकेट से जुड़ी जानकारी में काफ़ी बढ़ोतरी कर सकते हैं। क्योंकि उनको मालूम रहता है कि ड्रेसिंग रूम में क्या हो रहा है, कप्तान क्या सोच रहा होगा, कोई फ़ील्डर अगर कवर में खड़ा किया गया है तो क्यों किया गया होगा। अगर कोई फ़ील्डर स्क्वेयर लेग पर डीप में बाउंड्री के पास खड़ा किया है तो क्यों ये सब वो बता सकते हैं, लेकिन वो ऐसा बता नहीं रहे हैं।' सुशील दोशी कहते हैं, 'पुराने क़िस्से-कहानियां जो आज के खेल से जुड़ते हों उनकी तो बात करिए, लेकिन जिसका आज के खेल से कोई संदर्भ नहीं है, उनकी बातें कर कर के.. कोई फ़ायदा नहीं है। लोगों की दिलचस्पी इसमें है कि आप खेल का किस तरह से बखान करते हैं। इन कमेंटेटर्स में काबिलियत है, लेकिन इनकी भाषा में वो बात नहीं है। वो कहते हैं 'क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने क्रिकेट के अधिकार बेचे हैं, लेकिन देश की सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा को ख़राब करने का अधिकार नहीं सौंपा है। खासतौर पर जब बड़े क्रिकेटर कमेंट्री करते हैं तो उनकी ज़िम्मेदारी हम लोगों से भी ज़्यादा बड़ी हो जाती है। क्योंकि आज मेरा बेटा भी कमेंट्री सुन रहा है, तो उसको भी लगेगा कि इतना बड़ा आदमी है, वो गलत थोड़े ही बोलेगा।'

आईपीएल का मौजूदा सीज़न 22 मार्च से शुरू हुआ है। साथ ही हिंदी कमेंट्री पर पिछले काफ़ी समय से चली आ रही बहस भी तेज़ हुई। एक यूज़र ने इस बारे में लिखा, 'आईपीएल की हिंदी कमेंट्री अब केवल शोर भर है। कोई असल विश्लेषण नहीं, सिर्फ़ हाइलाइट्स, बेतुकी शायरी और ग़ैर ज़रूरी शब्दों का इस्तेमाल। किसी एक टीम के प्रति फ़ेवरेटिज्म तो इतना ज़्यादा है कि ये ब्रॉडकास्ट कम और फ़ैन क्लब अधिक लगता है। पहले कम से कम कुछ असल क्रिकेट से जुड़ी बातें होती थीं।'

उन्होंने इसके बाद एक और पोस्ट में लिखा कि सुशील दोशी, रवि चतुर्वेदी, अतुल वासन और यहां तक कि जतिन सपरू भी एक समय पर रोमांच और विश्लेषण का संतुलन बनाए रखते थे। उन्होंने प्रसारक को टैग करते हुए इसका संज्ञान लेने की बात कही।

बहुत से यूज़र्स ऐसे भी हैं जिन्होंने नवजोत सिंह सिद्धू, आकाश चोपड़ा और हरभजन सिंह को खराब हिंदी कमेंट्री के लिए ज़िम्मेदार ठहराया। मगर वो कौन सा तरीका है जिससे हिंदी कमेंट्री से उखड़ते जा रहे दर्शकों की शिकायत थोड़ी कम हो सकती है।

सुशील दोशी कहते हैं, 'इसको वर्कशॉप आयोजित करके दूर किया जा सकता है। उस वर्कशॉप में ऐसे लोग बुलाए जाएं जो हिंदी भी जानते हों और क्रिकेट भी। जब स्वाभाविक रूप से हिंदी में कमेंट्री करेंगे तो ये हो जाएगा..। अगर अंग्रेज़ी में सोचकर हिंदी में बोलेंगे तो नहीं होगा। अंग्रेज़ी और हिंदी की बराबरी नहीं हो सकती। जो भाषा आपको जीवनयापन का सहारा दे रही है, जो आपको इतना धन दे रही है...लोगों के साथ जुड़ने की आज़ादी प्रदान कर रही है उस भाषा का सम्मान करना चाहिए।'

(बीबीसी हिन्दी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

बॉम्बे हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

जीवनसाथी का आत्महत्या की कोशिश करना या धमकी देना क्रूरता है, यह तलाक का वैध आधार

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान व्यवस्था दी कि जीवनसाथी की ओर से आत्महत्या की धमकी देना या प्रयास करना 'क्रूरता' के समान है और यह तलाक का वैध आधार है। हाईकोर्ट की औरंगाबाद बेंच के जस्टिस आर एम जोशी ने पिछले महीने अपने आदेश में एक दंपती के विवाह को भंग करने संबंधी पारिवारिक अदालत के आदेश को बरकरार रखा। महिला ने पारिवारिक अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

यह है मामला?

मामले के अनुसार, दंपती की शादी अप्रैल 2009 में हुई थी और उनकी एक बेटी भी है। व्यक्ति ने दावा किया कि उसके ससुराल वाले अक्सर उसके घर आते थे और उसके वैवाहिक जीवन में हस्तक्षेप करते थे। पति के मुताबिक 2010 में पत्नी उसका घर छोड़कर अपने मायके चली गई और वापस आने से इनकार कर दिया। व्यक्ति ने यह भी दावा किया कि उसकी पत्नी ने आत्महत्या की धमकी दी थी और एक बार तो उसने अपनी जान लेने का प्रयास भी किया था।

पति के साथ क्रूरता से इनकार– उसने आरोप लगाया कि पत्नी ने ससुराल पक्ष के खिलाफ झूठी शिकायत दर्ज कराकर उन्हें जेल भिजवाने की भी धमकी दी थी। महिला ने अपनी याचिका में आरोप लगाया कि पति और ससुर उससे दुर्व्यवहार करते थे जिसकी वजह से वह ससुराल छोड़कर मायके चली गई। उसने पति के साथ क्रूरता से इनकार किया।

पति ने कहा?

दरअसल पति ने पारिवारिक अदालत में तलाक की अर्जी देते हुए आरोप लगाया था कि पत्नी ने उसे और उसके परिवार को आत्महत्या करके जेल भेजने की धमकी दी थी। उसने पारिवारिक न्यायालय में तलाक देने का अनुरोध करते हुए कहा कि यह हिंदू विवाह अधिनियम के प्रावधानों के तहत क्रूरता है। हाईकोर्ट की बेंच ने अपने आदेश में कहा कि पति और अन्य गवाहों की ओर से पारिवारिक न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत साक्ष्य पर्याप्त रूप से यह प्रदर्शित करते हैं कि पति द्वारा क्रूरता का किया गया दावा सही है।

कोर्ट ने कहा

अदालत ने कहा कि व्यक्ति ने न केवल यह आरोप लगाया है कि पत्नी उसे और उसके परिवार को आत्महत्या करके जेल भेजने की धमकी देती थी, बल्कि वास्तव में एक बार उसने अपनी जान लेने का प्रयास भी किया था। हाईकोर्ट ने कहा कि पति या पत्नी की ओर से ऐसा कृत्य क्रूरता होगा और यह तलाक के लिये पर्याप्त होगा। पीठ ने तलाक देने के पारिवारिक न्यायालय के आदेश को रद्द करने से इनकार कर दिया और कहा कि इसमें कोई त्रुटि नहीं है, इसलिए फैसले में हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।

सुप्रभात

ये जिंदगी किसकी है
ये जिंदगी मेरी है
ये जिंदगी सबकी है
सबके होने से ही मेरा होना है
यह भरोसा किसका है
तूफान ने किसके दरवाजे खटखटाए
खेतों की बालियां किसे पहचानतीं है
पहाड़ों पर कौन चढ़ा
नदियां किसने पार कीं
कौन डूबा मझधार में
सब रह सकें सुकून से
सबके सुकून की तलाश में कौन झुलसा
सत्ता के चूल्हे में ईंधन कौन बना
इन सबके बीच अपना सपना किसने नहीं देखा
इन सबके बीच सबका सपना किसने देखा
जो तराश रहा है साझा वर्तमान
जो तराश रहा है कल की संभावनाएं
उनका आज कौन लिखेगा
उसकी कहानी कौन कहेगा
उसकी कहानी कौन कहेगा।

– सचिन कुमार जैन

लोकसभा में इमिग्रेशन और फॉरेनर्स बिल पास

भारत धर्मशाला नहीं है, रोहिंग्या-बांग्लादेशियों से सख्ती से निपटेंगे : अमित शाह

ममता फेंसिंग के लिए जमीन नहीं दे रहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण जारी है। इसी बीच आज (27 मार्च) लोकसभा से इमीग्रेशन बिल पास हो गया। घुसपैठ और अवैध अप्रवास रोकने के मकसद से लाए गए इस बिल का नाम इमिग्रेशन एंड फॉरेन बिल 2025 (अप्रवासन और विदेशी विधेयक) है। ममता फेंसिग के लिए जमीन नहीं दे रही।

सीमा में कौन दाखिल हो रहा, जानना जरूरी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा,आव्रजन कोई अलग मुद्दा नहीं है। देश के कई मुद्दे इससे जुड़े हुए हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से यह जानना बहुत जरूरी है कि देश की सीमा में कौन घुसता है। हम उन लोगों पर भी कड़ी नजर रखेंगे जो देश की सुरक्षा को खतरे में डालेंगे।

देश के विकास करने वालों का भारत में स्वागत

इस विधेयक के महत्व का जिक्र करते हुए लोकसभा में गृह मंत्री ने कहा कि जो प्रवासी भारत के विकास के लिए आ रहे हैं, हम उनका स्वागत करते हैं। जो लोग देश में शिक्षा के लिए, व्यापार के लिए, रिसर्च के लिए आते हैं हम उनका स्वागत करते हैं। पीएम मोदी का लक्ष्य है कि साल 2047 तक हमारा देश एक विकसित राष्ट्र बने। इसी वजह से हम कई पुराने कानूनों को खत्म किया।

सीएम यादव ने

आलीराजपुर में नवविवाहित जोड़ों को दिया आशीर्वाद

कहा– अपनी बेटी दे रहा हूं, गड़बड़ हुई, तो जवाबदारी तुम्हारी होगी

आलीराजपुर (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को झाबुआ और आलीराजपुर में सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल हुए। सबसे पहले वे झाबुआ पहुंचे। यहां उन्होंने 1935 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। इसके बाद वे आलीराजपुर रवाना हो गए। जहां पर उन्होंने 1369 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। इस दौरान उन्होंने कहा- आलीराजपुर में हीरा उद्योग को बढ़ावा देंगे, जबकि झाबुआ में मेडिकल कॉलेज बनाने का वादा किया। कन्या पूजन भी किया।

झाबुआ में सीएम ने पहले वर-वधू को नए जीवन की शुरुआत करने की बधाई दी। सीएम ने कहा कि बेटो- मैं अपनी बेटी दे रहा हूं, कोई गड़बड़ मत करना। सारी जवाबदारी तुम्हारी होगी।

उन्होंने कहा कि गृहस्थ जीवन सबसे बड़ा होता है। सात फेरे सात जन्मों का बंधन होता है। विवाह एक-दूसरे पर विश्वास है। सनातन में विवाह एग्रीमेंट नहीं है। यह परस्पर एक-दूसरे का विश्वास है। सीएम डॉ. यादव मंच पर आदिवासी वेशभूषा में हाथ में तीर-धनुष लिए हुए। सीएम यादव ने कहा- 11 करोड़ रुपए सरकार की ओर से दिया जाएगा। 50 हजार प्रति जोड़ा दिया जाएगा। इसके अलावा, क्षेत्र के विकास के लिए जो बन पड़ेगा, सरकार करेगी।

सीएम ने आलीराजपुर में युवाओं को रोजगार देने का किया वादा– सीएम डॉ. यादव ने कहा- आलीराजपुर के विकास के लिए विशेष योजना बनाई गई है। यहां हीरा उद्योग को बढ़ावा दिया जाएगा। स्थानीय युवाओं को रोजगार देने के लिए नए उद्योग स्थापित किए जाएंगे। झाबुआ में एक नया मेडिकल कॉलेज बनाया जाएगा। सरकार का प्रयास है कि क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के लिए गुजरात न जाना पड़े।

वराहमिहिर को पिता से मिला था कालगणना का ज्ञान

विक्रमोत्सव

डॉ. जफर महमूद
उज्जैन से

महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा विक्रमोत्सव के अंतर्गत विक्रम नाट्य समारोह के छठी शाम मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय, भोपाल द्वारा लोकेन्द्र त्रिवेदी द्वारा निर्देशित नाटक वराहमिहिर का मंचन हुआ। सतीश दवे लिखित नाटक को पं. ओम प्रकाश शर्मा ने मालवी लोक संगीत से सजाया। नाटक मालवा की लोक शैली माच पर आधारित था, जिसे मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किया। मालवा के लोकनाट्य माच का पूर्वरंग देवताओं की जय से आरंभ होता है। उसके बाद नाटक के पात्रों का परिचय होता है। बेढब भिस्ती और फर्रासन आकर सांगीतिक छिड़काव और जाजम बिछाते हैं। इसके बाद बेढब और बसंती वराहमिहिर के आने की सूचना देते हैं। प्रस्तुति में यह दिखाया गया है कि सम्राट विक्रमादित्य के नवरत्नों में से एक वराहमिहिर को अपने पिता से कालगणना का ज्ञान प्राप्त हुआ था।

प्रस्तुति में प्रसंग है कि कायथा गाँव के निवासी अपने गाँव में हो रही खुदाई से चिंतित हैं। तभी पुरातत्वविद विष्णु श्रीधर वाकणकर आते हैं। वे प्राचीन कापित्थक नगर और वहाँ के आचार्य वराहमिहिर के बारे में बताते हैं। वराहमिहिर आकाश के तारों को लेकर माँ से अनेक प्रश्न पूछते हैं। पुरातत्वविद वाकणकर गुरूकुल में सारे विश्व से आने वाले विद्यार्थियों के बारे में बताते हैं। वराहमिहिर, पिता आदित्यदास से वृक्षों और अंतरिक्ष के बारे में प्रश्न पूछते हैं। पिता विश्व के सिद्धांतों की जानकारी देते हैं। गुरुकुल की शिष्याएँ इत्र व्यापारी से शरारत करती हैं। पिता आदित्यदास वराहमिहिर को प्रकाश से कालगणना करना बताते हैं। ग्रहण की बात विशेषताओं के बारे में पूछते हैं। वराहमिहिर के सहपाठी द्वारा लिखे जा रहे ग्रंथ पंचसिद्धांतिका के बारे में जानकारी लेते हैं। इरावती वराहमिहिर से सेना के बारे में पूछती है। शिष्य आकर शकों के आक्रमण के बारे में सूचना देता है। आचार्य ग्रामसेना के बारे में बताते हैं। सम्राट विक्रमादित्य आकर ग्राम सेना योजना की प्रशंसा करते हैं। आचार्य सभी को प्रेरित करते हैं। सम्राट विक्रमादित्य रोमन यात्री प्लायनी से चर्चा कर रहे होते हैं। आचार्य वराहमिहिर मालव पंचांग लेकर आते हैं। सम्राट विक्रमादित्य शकों से विजय के उपलक्ष्य में नवसंवत्सर आरंभ होने की घोषणा करते हैं।उत्सव मनाया जाता हैं। शिष्य आचार्य वराहमिहिर के यंत्रों के बारे में बात करते हैं। आचार्य शंकु अपने शंकु यंत्र के बारे में बताते हैं। कायथा के ग्रामवासी अपने गाँव के गौरवशाली इतिहास को जानकर प्रसन्न होते हैं। वाकणकर इसके बारे में जागृति लाने की बात करते हैं।

सम्राट विक्रमादित्य इन्द्रप्रस्थ में लौह स्तम्भ के स्थापना की बात करते हैं। उसके बाद वे श्रीमहाकालेश्वर में समयमापक जलघट यंत्र की स्थापना करते हैं। आचार्य अपने पुत्र पृथुयशस और पुत्रवधु खना को ईरान भेजते हैं। पूरा नाटक में विक्रमादित्य के नौ रत्नों में से एक वराहमिहिर की कहानी को रोचकता से पैश किया गया।

मंचन से पूर्व महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी, विक्रमोत्सव आयोजन समिति के सदस्य राजेश सिंह कुशवाह एवं वरिष्ठ पुराविद डॉ. रमण सोलंकी ने कलाकारों का स्वागत किया।

सिंगरौली में भूकंप के झटके महसूस किए

तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.5 रही

सिंगरौली (नप्र)। सिंगरौली में गुरुवार दोपहर भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.5 मापी गई। भूकंप का झटका दोपहर 3:07 बजे आया। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के झटके सिंगरौली के साथ आसपास के जिलों में भी महसूस किए गए। इनमें सिद्धि, उत्तर प्रदेश के सोनभद्र, मिर्जापुर और छत्तीसगढ़ के कुछ जिले शामिल हैं। कई लोगों ने भूकंप की वजह से घरों से बाहर निकलकर सुरक्षित स्थानों पर शरण ली। हालांकि, कुछ लोगों को धरती की कंपन का अहसास नहीं हुआ।

किसी तरह जान-माल का नुकसान नहीं– जिला प्रशासन के अनुसार भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। विशेषज्ञों के मुताबिक रिक्टर स्केल पर 3-7 तीव्रता वाले भूकंप को हल्के दर्जे का माना जाता है। इस तीव्रता में नुकसान की संभावना बहुत कम होती है।

इससे पहले 17 फरवरी को आया था भूकंप

इससे पहले 17 फरवरी को सुबह 8:02 बजे भी सिंगरौली में भूकंप आया था। उस समय भूकंप की तीव्रता 4.0 थी और केंद्र 261 किलोमीटर की गहराई में था। डेढ़ महीने में दूसरी बार भूकंप आने से क्षेत्र के लोगों में दहशत का माहौल है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 22 °c | न्यूनतम 16°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 28 मार्च 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

शिवपाल बोले- गुंडई बर्दाश्त नहीं करेंगे

● पल्लवी पटेल सड़क पर उतरीं, यूपी में सांसद के घर हमले के विरोध में सपा का प्रदर्शन

आगरा/ लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के नेता शिवपाल यादव और राम गोपाल यादव गुरुवार को आगरा में सांसद रामजीलाल सुमन के आवास पहुंचे। शिवपाल ने कहा, जो यहां गुंडई शासन-प्रशासन के इशारे पर हुई है। हम लोग झुकेंगे नहीं और हम इनकी गुंडई को बर्दाश्त भी नहीं करेंगे। सांसद सुमन एक दलित और बड़े नेता हैं। उनके आवास पर हमला करने वाले भाजपा कार्यकर्ता थे, जो तोड़फोड़ करने के बाद चले गए। लेकिन, प्रशासन खड़ा देखता रहा। सभी को गिरफ्तार कर कार्रवाई करना चाहिए था, लेकिन छोड़ दिया गया।

लखनऊ में अपना दल कमेरावादी की प्रमुख पल्लवी पटेल भी सपा सांसद के समर्थन में उतर गईं। उन्होंने प्रदर्शन रोकने पहुंची एसीपी नेहा त्रिपाठी को धक्का दे दिया और आगे बढ़ गईं।

आश्रय केंद्र के 4 बच्चों की मौत

● पेट में 6 इंच के कीड़े, दिमाग में जाने का डर, डिप्टी सीएम बोले- दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में निर्वाण आश्रय केंद्र में 4 बच्चों की मौत हो गई। इनमें 2 बच्चियां हैं। यहां के 35 बच्चों को उल्टी-दस्त होने पर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। 20 बच्चों की हालत अभी भी गंभीर है। बच्चों के बीमार होने की शुरुआती वजह फूड पॉइजनिंग बताई जा रही है। उनको उल्टियां हो रही हैं, जिसमें 6 इंच तक के कीड़े भी निकले। इन कीड़ों के दिमाग तक पहुंचने का डर है। लोकबंधु अस्पताल के सीएमएस डॉ. राजीव दीक्षित ने बताया- बच्चों में पानी की कमी थी। सभी में डायरिया के लक्षण मिले हैं।

इस घटना का पता चलते ही बुधवार रात 8 बजे डीएम विशाख जी लोकबंधु अस्पताल पहुंचे। उन्होंने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। वहीं, गुरुवार सुबह 9 बजे कमिश्नर रोशन जैकब, प्रमुख सचिव लीना जौहरी और एक बार फिर डीएम लोकबंधु हॉस्पिटल पहुंचे। बच्चों से बातचीत की। कहा, आश्रय केंद्र के पानी की जांच कराई जाएगी।

बेंगलुरु गोल्ड स्मगलिंग केस

रान्या की जमानत याचिका खारिज

बेंगलुरु (एजेंसी)। गोल्ड स्मगलिंग केस में गिरफ्तार कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव की जमानत याचिका गुरुवार को बेंगलुरु की सेशन कोर्ट ने खारिज कर दी। यह तीसरी बार है, जब कोर्ट ने रान्या को जमानत देने से इनकार किया है। इससे पहले 12 और 14 मार्च को दो बार कोर्ट ने रान्या को जमानत नहीं दी थी।

रूसी विदेश मंत्री बोले-

'अब हमारी बारी'

पुतिन जल्द ही भारत आएंगे

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यह पहली बार

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस साल भारत आएंगे। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि राष्ट्रपति के विजिट के लिए तैयारियां की जा रही हैं। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि यह यात्रा किस महीने या तारीख को हो सकती है। लावरोव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री

चुने जाने के बाद रूस की अपनी पहली विदेश यात्रा की है। अब हमारी बारी है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारतीय सरकार का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है।

रूसी विदेश मंत्री ने यह बयान 'रूस और भारतः एक नए द्विपक्षीय एजेंडे की ओर' समिट के दौरान दिया है। इस बैठक का आयोजन रूसी अंतरराष्ट्रीय मामलों की परिषद (आरआईएसी) ने किया।

सलमान खान बोले-

भगवान-अल्लाह ने जितनी उम्र लिखी, उतना जिएंगे

मुंबई (एजेंसी)। सलमान खान ने बुधवार को फिल्म सिकंदर के लिए मुंबई में प्रेस मीट रखी थी। फिल्म 30 मार्च को रिलीज होगी।

सलमान खान के घर लॉरेंस गैंग के हमले के करीब एक साल बाद एक्टर ने चुप्पी तोड़ी है। सलमान ने कहा कि भगवान-अल्लाह ने जितनी उम्र लिखी होगी, उतनी जरूर जिएंगे। सिक्योरिटी बढ़ाई जाने पर सलमान ने कहा, 'कभी-कभी इतने लोगों को साथ लेकर चलने से दिक्कत हो जाती है।'

अप्रैल में बैंक 16 दिन बंद रहेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अप्रैल महीना शुरू होने में अब कुछ ही दिन बचे हैं। इस महीने में अलग-अलग राज्यों व शहरों में कुल 16 दिन बैंक बंद रहेंगे। 4 रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के

अलावा 10 दिन अलग-अलग जगहों पर बैंकों में कामकाज नहीं होगा। अगले महीने 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती और 18 अप्रैल को गुड फ्राइडे है।

92 हजार श्रमिकों को 100 करोड़ की राशि की हस्तांतरित

● सीएम भजनलाल बोले-पूर्व सीएम ट्वीट में विश्वास रखते, हम काम में

भरतपुर (एजेंसी)। सीएम भजनलाल शर्मा गुरुवार को भरतपुर पहुंचे। कॉलेज ग्राउंड में हुए अंत्योदय कल्याण समारोह में उन्होंने कई योजनाओं का शुभारंभ किया। सीएम ने 92 हजार 192 निर्माण श्रमिकों को 100 करोड़ रुपए राशि हस्तांतरित की। इसके अलावा प्रदेशभर के सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संवाद किया। सीएम भजनलाल बोले- पूर्व सीएम ट्वीट में विश्वास रखते, हम काम में।

इस दौरान उन्होंने कहा- स्वामित्व योजना के तहत आज हमने 20 हजार

पट्टों का वितरण किया है। 311 लोगों को डेयरी बूथ अलॉट किए गए हैं। निःशुल्क चश्मे दिलाने के लिए योजना के दिशा निर्देश जारी किए हैं। मुफ्त बिजली यूनिट 100 से बढ़ाकर 150 कर दी है।भरतपुर से ऐतिहासिक कार्यक्रम शुरू हुआ है। अंत्योदय की कल्पना पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ भीम राव अंबेडकर की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनके विचारों को पूरा कर रहे हैं। यह हमारी प्राथमिकता है। आज कई योजनाओं का शुभारंभ भरतपुर से हुआ है। भरतपुर ब्रज भूमि है अगर यहां से विचार निकलेगा तो पूरे देश में जाएगा।

तीसरे विश्व युद्ध की आहट

● रूसी मिसाइल हमले के बाद 45 करोड़ आबादी टेंशन में, 27 देशों में अलर्ट

ब्रसेल्स (एजेंसी)। यूरोप में तीसरे विश्व युद्ध की आशंका से हाहाकार मचा हुआ है। यूरोपीय यूनियन और नाटो ने सदस्य देशों को अलर्ट रहने को कहा है।

इतना ही नहीं, कई देशों ने तो अपने नागरिकों से जरूरी सामानों को स्टोर करने और युद्ध के लिए तैयार रहने का अल्टीमेटम दिया है। फ्रांस और जर्मनी जैसे देश युद्ध के लिए तैयार हो रहे हैं।

72 घंटों के लिए भोजन, पानी और अन्य आवश्यक वस्तुएं कर ले इकट्ठा- यूरोपीय संघ ने कथित तौर पर अपने सदस्य देशों की 45 करोड़ लोगों को विश्व युद्ध जैसी स्थिति के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, यूरोपीय संघ ने पूरे महाद्वीप के नागरिकों को कम से कम 72 घंटों के लिए भोजन, पानी और अन्य आवश्यक वस्तुओं को स्टोर करने का आग्रह किया है। नाटो के महासचिव मार्क रूट ने चेतावनी दी कि रूस 2030 तक यूरोप में एक और हमला करने में सक्षम हो सकता है। उनकी चेतावनी के बाद यूरोपीय देशों में हड़कंप मचा हुआ है।

नाटो महासचिव की रूस को चेतावनी

नाटो के महासचिव मार्क रूट ने वारसॉ में कहा, अगर कोई गलत अनुमान लगाता है और सोचता है कि वे पोलैंड या किसी अन्य सहयोगी पर हमला करके बच सकते हैं, तो उन्हें इस भयंकर गठबंधन की पूरी ताकत से सामना करना पड़ेगा। हमारी प्रतिक्रिया विनाशकारी होगी। उनका यह बयान यूक्रेन के शहर सुमी पर रूसी मिसाइल हमले के कुछ घंटों बाद आया जिसमें दर्जनों लोग मारे गए। उन्होंने कहा, यह व्लादिमीर व्लादिमीरोविच पुतिन और किसी भी अन्य व्यक्ति को बहुत स्पष्ट होना चाहिए जो हम पर हमला करना चाहते हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि यूरोपीय संघ की चेतावनी सीधे रूसी हमले से संबंधित थी या नहीं।

रूस को बताया नाटो के लिए सबसे बड़ा खतरा

इस बीच, तैयारी और संकट प्रबंधन आयुक्त हादजा लाहबीब ने कहा कि 'यूरोप के सामने आने वाले खतरे पहले से कहीं अधिक जटिल हैं'। यूरोपीय संघ के प्रमुख रूट ने चेतावनी दी कि रूस यूरोपीय धरती पर एक और बड़ा हमला करने में सक्षम है। उन्होंने कहा, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि रूस हमारे गठबंधन के लिए सबसे बड़ा और सबसे बड़ा खतरा है और रहेगा। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि रूस युद्धकालीन अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, और इसका उनके सशस्त्र बलों के निर्माण की क्षमता और योग्यता पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ेगा।

घाटी में महसूस किए गए भूकंप के तेज झटके, लोगों में फैली दहशत

श्रीनगर (एजेंसी)। घाटी में वीरवार दोपहर भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। इस घटना में कोई जानी या माली नुकसान नहीं हुआ। लेकिन लोगों में दहशत फैल गई। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीवृता 5.2 मापी गई। भूकंप को ये झटके गुरुवार दोपहर 1:58 मिनट पर महसूस किए गए। झटके महसूस करते ही अधिकांश लोग भयभीत होकर अपने घरों व कार्यस्थलों से बाहर निकलकर सुरक्षित स्थानों की तरफ दौड़ते भागते नजर आए। जैसे ही डोलती जमीन शांत हुई, लोगों ने राहत की सांस ली। इसके बाद लोग वापस अपने घर और काम पर लौटे।

संसद में ओम बिरला ने पप्पू यादव की लगाई क्लास, कहा नियमों का पालन करें

नईदिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को निर्दलीय नेता सांसद पप्पू यादव के व्यवहार पर चिंता जाहिर की। कार्यवाही के दौरान केंद्रीय मंत्री के कंधे पर हाथ रखने को लेकर पप्पू यादव को चेतावनी दी। दरअसल, पप्पू यादव ने सदन में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू के बगल में बैठे थे। वो मंत्री के साथ हंसी मजाक कर रहे थे बातचीत के दौरान उन्होंने नायडू के कंधों पर हाथ रखा था। सूत्रों ने बताया कि पप्पू यादव अपने संसदीय क्षेत्र में एक हवाई अड्डे के बारे में चर्चा कर रहे थे।

ओडिशा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस की झड़प

● लाठियां बरसाईं, वाटर कैनन छोड़े, पार्टी के सभी विधायकों के निलंबन पर प्रदर्शन

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में कांग्रेस ने अपने सभी 14 विधायकों के निलंबन के विरोध में गुरुवार को प्रदर्शन किया। विधानसभा घेरने के लिए कार्यकर्ता विधानसभा की ओर बढ़ रहे थे। इस दौरान पुलिस से उनकी झड़प हो गई।

दरअसल 25 मार्च को कांग्रेस के 12 विधायक निलंबित कर दिए गए थे। इसके बावजूद विधायक प्रदर्शन करते रहे और पूरी रात सदन में बिताई।

विधानसभा के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदर्शन करते रहे। अगले दिन यानी 26 मार्च को कांग्रेस कार्यकर्ता और निलंबित विधायक विधानसभा के

बाहर प्रदर्शन करते रहे। वे विधानसभा की बढ़े तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इसके बाद जमकर धक्का-मुक्की हुई। सदन के भीतर कांग्रेस के बचे हुए दो विधायकों तारा प्रसाद बाहिनीपति और रमेश जेना ने इस मुद्दे पर प्रदर्शन किया। दोनों सदन की वेल में आकर प्रदर्शन कर रहे थे इसलिए उन्हें भी निलंबित कर दिया गया था।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ दिल्ली पहुंचे इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकील

प्रयागराज (एजेंसी)। कैश कांड मामले में फंसे दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा का इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर किए जाने पर वकील विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकील तीसरे दिन गुरुवार को भी प्रदर्शन किया। वकीलों ने दिल्ली में कानून मंत्री कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से मुलाकात की। उनसे जस्टिस वर्मा का ट्रांसफर रोकने की मांग की।

राजस्थान की गर्म हवाओं से म.प्र.का पारा 40 डिग्री पार

● हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी होगी; हरियाणा समेत 10 राज्यों में तूफान की आशंका

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान समेत पश्चिम राज्यों से आ रही गर्म हवाओं ने मध्य प्रदेश का पारा बढ़ा दिया है। बुधवार को प्रदेश के कई हिस्सों में गर्मी का असर देखने को मिला। 6 जिलों में पारा 40 डिग्री पार पहुंच गया। राजधानी भोपाल में इस सीजन में पहली बार तापमान 38.8 डिग्री पर पहुंचा, जो सामान्य से 3.3 डिग्री अधिक है।

इधर राजस्थान में अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया। हालांकि, एक्टिव पश्चिमी विक्षोभ के चलते सीमावर्ती जिलों में तेज आंधी के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। जिससे

तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट देखने को मिल सकती है।

● **देश के हीटवेव प्रोन स्टेट में 13 राज्य शामिल-** आमतौर पर देश के 13 प्रदेशों को हीटवेव प्रोन स्टेट माना जाता है। इस लिस्ट में राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पश्चिम मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र में विदर्भ, गंगा के तटवर्ती पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्से, तटीय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना शामिल हैं।

यूपी के शाहजहांपुर में चार बच्चों का कत्ल कर पिता ने दी जान

शाहजहांपुर (एजेंसी)। यूपी के शाहजहांपुर से रूह कंपाने वाली वारदात सामने आई है। रोजा थाना क्षेत्र में एक युवक ने अपने चार बच्चों की हत्या कर आत्महत्या कर ली। इस वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। गुरुवार की सुबह घटना की जानकारी हुई। सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची। मरने वाले बच्चों में 13, नौ और सात साल की लड़की, जबकि पांच साल का लड़का है।

प्रदेश में पहली बार 7 शहरों में पारा 40 डिग्री पार

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर-उज्जैन में भी गर्मी बढ़ी; अगले 2 दिन रहेगी थोड़ी राहत

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में गर्मी के इस सीजन में पहली बार 7 शहरों में दिन का तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया है। नर्मदापुरम, रतलाम, बड़वानी, नौगांव, शिवपुरी, गुना-दमोह में पारे में यह बढ़ोतरी देखने को मिली, जबकि भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और उज्जैन भी गर्म रहे। मौसम विभाग ने अगले 2 दिन यानी, 28-29 मार्च को गर्मी से थोड़ी राहत मिलने की संभावना जताई है।

मौसम विभाग के मुताबिक, नर्मदापुरम में 40.9 डिग्री, रतलाम में 40.2 डिग्री, तालुन (बड़वानी) में 40.2 डिग्री, नौगांव (छतरपुर), शिवपुरी, गुना-दमोह में अधिकतम तापमान 40 डिग्री दर्ज किया गया।

वहीं, 13 शहर- ग्वालियर, उज्जैन, खजुराहो, धार, टीकमगढ़, मंडला, सागर, सतना, शाजापुर, उमरिया, सिवनी, खरगोन और बैतूल में तापमान 39 डिग्री या इससे अधिक रहा। बड़े शहरों की बात करें तो ग्वालियर में 39.9 डिग्री, उज्जैन में 39 डिग्री, भोपाल में 38.8 डिग्री, इंदौर में 38.2 डिग्री और जबलपुर में पारा 38 डिग्री दर्ज किया गया।

सामान्य से 4.5 डिग्री से अधिक पहुंचा पारा- पिछले 2 दिन से प्रदेश में गर्मी का असर बढ़ा है। दिन में तीखी धूप खिल रही है। इस कारण लोग बचने के तरीके ढूंढते हैं। दूसरी ओर, कई शहरों में पारा सामान्य से 1 डिग्री से 4.5 डिग्री तक अधिक है। नौगांव में बुधवार को दिन का तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया। यहां सामान्य से 4.5 डिग्री ज्यादा है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत अन्य शहरों में भी दिन का तापमान बढ़ गया है। रात के तापमान में भी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। कई शहर में पारा 22 डिग्री तक चल रहा है।

30-31 मार्च को चल सकती है लू- मार्च के आखिरी दो दिन प्रदेश में लू का असर रह सकता है। मालवा-निमाड़ यानी, इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में लू का असर रहने की संभावना है।

पत्नी मायके से नहीं लौटी, पति ने कर लिया सुसाइड

भोपाल (नप्र)। भोपाल में मकर संक्रांति पर मायके गई महिला ने पति के साथ ससुराल लौटने से इनकार कर दिया। ढाई महीने तक पति और ससुराल वाले पत्नी को घर वापस लाने की कोशिश करते रहे। लेकिन वह लौटने को तैयार नहीं हुई। बुधवार को पति आखिरी बार पत्नी को लाने उसके मायके गया। लेकिन इस बार भी पत्नी वापस नहीं लौटी। इससे दुखी होकर उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। बुधवार रात पति को अस्पताल में भर्ती कराया गया। गुरुवार की सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

प्रेम साहू (30) पुत्र गुलाब साहू निवासी शिव नगर फेस-3 छोला लोडिंग ऑटो चलाता था। उनके भाई हरीश साहू ने बताया कि 14 जनवरी को मकर संक्रांति पर भाभी मायके गई थीं। इसके बाद वह नहीं लौटी। मां और भैया कई बार उन्हें मनाने गए। लेकिन वह नहीं लौटीं। बुधवार को भैया भाभी को लाने का बोलकर घर से निकले।

रात को अकेले ही लोडिंग ऑटो चलाते हुए घर लौट आए, कुछ देर बाद उन्हें उल्टियां होने लगी। पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि जहरीला पदार्थ खा लिया है। रंजना लौटने को तैयार नहीं है। तत्काल भैया को लेकर डीआईजी हॉस्पिटल पहुंचे, वहां से हमीदिया रेफर कर दिया गया। सुबह इलाज के दौरान भैया की मौत हो गई। अस्पताल की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू की है।

शादी के 6 साल बाद भी कोई संतान नहीं थी- प्रेम और रंजना की 6 साल पहले अरेंज मैरिज हुई थी। दोनों की कोई संतान नहीं थी। इस बात को लेकर भी प्रेम परेशान रहते थे। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की सभी एंगल पर जांच की जा रही है। मृतक के परिजनों के डिटेल बयान अभी दर्ज नहीं किए जा सके हैं।

स्कूलों में नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में इस वर्ष शालाओं में शैक्षणिक सत्र एक अप्रैल 2025 से प्रारंभ किया जा रहा है। शैक्षणिक सत्र शुरू होते ही 'स्कूल चलें हम अभियान' की शुरूआत होगी। पाठ्यपुस्तक निगम ने इस वर्ष सत्र शुरू होते ही शासकीय स्कूलों में विद्यार्थियों को निशुल्क पाठ्यपुस्तकों की वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। यह जानकारी स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह की अध्यक्षता में मंत्रालय में बुधवार को हुई पाठ्यपुस्तक निगम की बैठक में दी गई। बैठक में सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल, आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता एवं विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

संभाग स्तर के 8 डिपो के माध्यम से किताबों की व्यवस्था- बैठक में बताया गया कि निगम का प्रयास है कि सरकारी स्कूलों के बच्चों को शिक्षण सत्र शुरू होते ही अप्रैल माह में नि:शुल्क पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध हो जायें। कक्षा एक से कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिये करीब 5 करोड़ 60 लाख पुस्तकें, एक करोड़ 2 लाख फाउंडेशनल लिटरेसी एण्ड न्यूमरेसी (एफएलएन) अभ्यास पुस्तिकाएं और करीब 26 लाख ब्रिज कोर्स की पुस्तकें निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। बैठक में बताया गया कि स्कूल शिक्षा विभाग के मैदानी अमले को बच्चों के बीच में पाठ्य पुस्तकों के वितरण की व्यवस्था समय पर सुनिश्चित करने के लिये कहा गया है। बैठक में निगम के आय-व्यय पत्रक और आगामी वर्ष 2025-26 के प्रस्ताव पर चर्चा कर अनुमोदन दिया गया।

भोपाल में मेट्रो प्रोजेक्ट के ट्रैफिक बाउंसर को पीटा

भोपाल (नप्र)। भोपाल के पीपल चौराहा, करौंद में पांच बदमाशों ने मेट्रो प्रोजेक्ट के ट्रैफिक बाउंसर को जमकर पीटा। आरोपियों ने फरियादी को अकेला देखकर अपशब्द कहे। विरोध करने पर बोले, हम यहां के बदमाश हैं, बदमाशी में नाम चलता है हमारा। जहां दिखें, सलाम किया करो, सम्मान दिया करो और शराब पीने के लिए पैसे दिया करो।

इसके बाद आरोपियों ने फरियादी दीपक पाल से शराब पिलाने के लिए जबरदस्ती की। जब उसने बात नहीं मानी, तो उसे बेरहमी से पीट दिया। बचाव करने आए उसके साथी के साथ भी मारपीट की गई। इसके बाद आरोपियों ने एक बाइक में तोड़फोड़ की और मौके से फरार हो गए। पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। यह घटना 25 मार्च की है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर ली और गुरुवार सुबह तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

अड़ीबाजी की रकम नहीं देने पर पीटा था- टीआई रूपेश दुबे के मुताबिक, फरियादी दीपक पाल (32) पुत्र उदयराम पाल फिजा कॉलोनी, करौंद का निवासी है और मेट्रो प्रोजेक्ट में ट्रैफिक बाउंसर के रूप में काम करता है।मंगलवार देर रात वह पीपल चौराहा के पास ड्यूटी कर रहा था, तभी इलाके के लक्की कुशवाह, सौरभ सोनगरा, राज यादव, गौरव यादव और रामपाल वहां पहुंचे।

लक्की ने दीपक से कहा, हमें पहचान लो, जहां दिखें, सलाम किया करो। इसके बाद उसने अन्य धमकी भरी बातें कहीं और शराब के लिए 1,000 रुपए की मांग की। दीपक के इनकार करने पर आरोपियों ने उसे पीटना शुरू कर दिया।

साथियों ने किसी तरह बचाया- मारपीट होते देख दीपक का साइड सुपरवाइजर सुनील चौधरी मौके पर आया और बचाव करने की कोशिश की, लेकिन आरोपियों ने उसे भी थप्पड़ मार दिया।

प्रधानमंत्री का जल संरक्षण अभियान अब मध्यप्रदेश में बनेगा जन आंदोलन : मुख्यमंत्री

30 मार्च से प्रारंभ होकर 30 जून तक चलेगा 'जल गंगा संवर्धन अभियान'

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दूरदर्शी सोच के साथ मध्यप्रदेश में वर्षा जल की बूंद-बूंद बचाने का 'जल गंगा संवर्धन' महा अभियान गुड़ी पड़वा के दिन 30 मार्च से शुरू होने जा रहा

पानी दे, गुरुबाणी दे। जल बिन सब सूना है। जो सबको जीवन दे, वो है जल। जल ही जीवन है। इससे हम आज सुरक्षित है, इसी से हमारा कल भी सुरक्षित है। जल बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। जल संरक्षण के लिए सिर्फ सरकार ही नहीं, समाज को भी आगे आना होगा। इसी मंशा से मध्यप्रदेश सरकार जल गंगा जल संवर्धन महा अभियान प्रारंभ करने जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन स्थित क्षिप्रा तट पर वरुण (जल देवता) पूजन और जलाभिषेक के साथ जल गंगा संवर्धन अभियान का विधिवत शुभारंभ करेंगे। यह प्रदेशव्यापी अभियान ग्रीष्म ऋतु में 30 जून तक 90 दिन से अधिक समय तक लगातार चलेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव हर दिन एक छोटी-बड़ी जल संरचना को लोकार्पित करेंगे। उन्होंने कहा है कि जल संरक्षण के इस अभियान से प्रदेश में भूजल स्तर में सुधार आएगा। पानी की बूंद-बूंद बचाएं, तभी हमारी सांसें बचेंगी। मध्यप्रदेश सरकार जन, जल, जंगल, जमीन और वन्य प्राणियों के संरक्षण के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जल संरक्षण अभियान देशभर में एक व्यापक जन-आंदोलन बना है। राज्य सरकार भी खेत का पानी खेत में-गांव का पानी गांव में के सिद्धांत पर जल संरक्षण की दिशा में अभियान चला रही है।

हमारी धरा के कुल जल का केवल एक छोटा हिस्सा ही पीने योग्य स्वच्छ जल के रूप में उपलब्ध है। पृथ्वी के कुल जल का लगभग 97 प्रतिशत महासागरों में खारा जल है, जो पीने योग्य नहीं है। शेष 3 प्रतिशत मीठा जल है, लेकिन इसमें से भी अधिकांश हिमखंडों और बर्फ की चोटियों में जमा है। सिर्फ 0.5 प्रतिशत से भी कम पानी झीलों, नदियों और भूजल के रूप में उपलब्ध है, जिसे हम उपयोग कर सकते हैं। पृथ्वी पर स्वच्छ और पीने योग्य पानी की मात्रा बहुत ही सीमित है और इसे संरक्षित करना बेहद ज़रूरी है। इसीलिए मध्यप्रदेश सरकार ने जल बचाने के लिए कदम बढ़ाये हैं।

जल बचाने लिए मील का पत्थर सिद्ध होगा अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में जल संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों का पुनर्जीवन और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार का यह अभियान जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे जल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता देकर अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ें। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान, प्रदेश में जल संकट को खत्म करने और भावी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान में होंगे कई महत्वपूर्ण कार्य

- पंचायत स्तर पर तालाबों के निर्माण, वन्य जीवों के लिए वन क्षेत्र और प्राणी उद्यानों में जल संरचनाओं के पुनर्विकास के कार्य किये जायेंगे।
- अभियान के 90 दिनों में प्रदेश की 90 लघु एवं मध्यम सिंचाई परियोजनाओं का लोकार्पण होगा।
- नदियों में जलीय जीवों को पुनर्स्थापित करने की संभावनाएं तलाशेंगे।
- लघु एवं सीमांत किसानों के लिए 50 हजार नए खेत-तालाब बनाए जाएंगे।
- ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व के तालाबों, जल स्त्रोतों एवं देवालयों में कार्य किए जाएंगे।
- पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग 1000 नए तालाबों का निर्माण करेगा।
- प्रदेश की 50 से अधिक नदियों के वॉटर शेड क्षेत्र में जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य होंगे।
- नदियों की जल धाराओं को जीवित रखने के लिए गेबियन संरचना, ट्रेंच, पौध-रोपण, चेकडैम और तालाब निर्माण पर जोर दिया जायेगा।
- नर्मदा परिक्रमा पथ का चिन्हांकन कर जल संरक्षण एवं पौध-रोपण की कार्य योजना तैयार होगी।
- ग्रामीण क्षेत्रों में पानी चौपाल आयोजित होंगी। स्थानीय लोगों को जल संरचनाओं के रख-रखाव की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।
- प्रत्येक गांव से 2 से 3 महिला-पुरुष का चयन कर प्रदेश में 1 लाख जलदूत तैयार किए जाएंगे।
- सीवेज का गंदा पानी जल स्त्रोतों में न मिले, इसके लिए सोख पिट निर्माण को प्रोत्साहित किया जाएगा।
- नहरों के संरक्षण, जलाशयों से रिसाव रोकने, तालाबों की पिचिंग, बैराज मरम्मत कार्य होंगे।
- नगरीय विकास एवं आवास विभाग 54 जल संरचनाओं के संवर्धन का कार्य करेगा।

नागरिकों के सहयोग से जल संरक्षण अभियान बनेगा जन-आंदोलन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल संचय की विभिन्न गतिविधियां संचालित करने जैसे - पौध-रोपण, जल स्त्रोतों का पुनर्जीवन, ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम चलाने, स्कूलों में बच्चों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने, ग्रामीण क्षेत्रों में तालाब, नदियों पर छोटे बांध निर्माण एवं नदियों के संरक्षण के लिए जलधारा के आसपास फलदार पौधों के रोपण और जैविक खेती को प्रोत्साहित करने, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के प्रमुख चौराहों पर प्याऊ की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रदेश के सभी नागरिकों से भी अपील की है कि वे जल संरक्षण की दिशा में सक्रिय योगदान दें और प्रदेश में अभियान के दौरान इसे एक को जन-आंदोलन बनाएं।

मुख्यमंत्री ने विश्व रंगमंच दिवस पर दी बधाई

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व रंगमंच दिवस पर प्रदेश के रंगमंच कलाकारों, कर्मियों और प्रेमियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में राजधानी भोपाल सहित प्रदेश के इंदौर,उज्जैन, जबलपुर, सागर और ग्वालियर में रंगमंच के सक्रिय कलाकार और नाट्य विधा से जुड़े सहयोगी व्यक्ति सिर्फ कला प्रदर्शन ही नहीं सामाजिक दायित्व भी पूरा कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रंगमंच एक सामान्य कला नहीं अपितु समाज के जागरण का मंच भी है। प्रदेश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नाटकों के प्रदर्शन की समृद्ध परम्परा है। पौराणिक विषयों पर नाटकों के प्रदर्शन के साथ ही आधुनिक शैली में प्रकाश संयोजन, अभिनय, रूप सज्जा और मंच सज्जा के प्रयोग करते हुए नाटक कलाकार अपना दायित्व निभाते हैं। इसके साथ ही अनेक सामाजिक समस्याओं का समाधान भी रंगकर्म से जुड़े कलाकार अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रस्तुत करते हैं। अद्वितीय अभिनय और प्रतिभा प्रदर्शन से वे मनोरंजन के साथ उपयोगी संदेश समाज तक पहुंचाने का कार्य करते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आशा व्यक्त की कि नाटकों के माध्यम से विभिन्न संस्कृतियों का सार्वजनिक प्रदर्शन प्रस्तुत करने वाले रंगमंच के समस्त कलाकारों को रंगमंच दिवस श्रेष्ठ भूमिका निभाने की प्रेरणा देता रहेगा।

कुपोषण रोकने आदिवासियों को सरकार देगी दुधारू गाय

सीएम बोले- आमदनी का साधन भी मिलेगा; गांवों में भजन के लिए बनेंगे सामुदायिक भवन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुपोषित महिलाओं और बच्चों वाले परिवारों को दुधारू गाय देने का फैसला किया है। इसके साथ ही टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने, सामुदायिक भवन निर्माण और हर घर तक बिजली-पानी पहुंचाने जैसी योजनाएं के लिए भी फैसले किए है।

सीएम ने अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में सरकार ने उन आदिवासी परिवारों की पहचान करने का निर्णय लिया है, जहां महिला और बच्चा कुपोषित हैं। ऐसे परिवारों को दुधारू गाय दी जाएगी, जिससे उन्हें पोषण के साथ-साथ आमदनी का भी साधन मिल सके। इस योजना को पशुपालन विभाग की सब्सिडी योजनाओं से जोड़ा जाएगा, ताकि अधिक से अधिक परिवारों को इसका लाभ मिल सके।

सीएम ने कहा कि आदिवासी परिवारों का समग्र कल्याण सुनिश्चित करना आवश्यक है। इसके लिए उन परिवारों को चिह्नित किया जाए, जिनके घर का बच्चा कुपोषित है और माता भी कमजोर है। इससे उनकी आमदनी बढ़ेगी और स्वास्थ्य भी सुधरेगा। पशुपालन विभाग द्वारा सब्सिडी पर गाय, भैंस और बकरी पालन की सुविधा देने का प्रावधान किया गया है, और इसी के तहत यह योजना लागू की जाएगी।

बिजली कंपनी के ईई पर बिफरे भाजपा समर्थित जनपद अध्यक्ष

बोले- यादव होने का फायदा उठा रहे; सीएम से शिकायत करुंगा, भोपाल जिपं की मीटिंग में हंगामा

भोपाल (नप्र)। आप यादव होने का गलत फायदा उठाते हो। पहले 'यादव' बोलते हो, फिर पंकज कहते हो। चीफ मिनिस्टर यादव हैं तो क्या आप यादव हो गए। हमें जनता को जवाब देना है। किसी समाज या धर्म के हिसाब से काम नहीं करते हैं। सीएम डॉ. मोहन यादव से शिकायत करुंगा।

भोपाल में गुरुवार को हुई जिला पंचायत की मीटिंग में बीजेपी समर्थित फंदा जनपद अध्यक्ष प्रमोद सिंह राजपूत यह कहते हुए बिजली कंपनी के कार्यपालन यंत्री (ईई) पंकज यादव पर जमकर बिफरे। गांवों में बकाया राशि का हवाला देकर पूरे गांव की बिजली काटने से नाराज अध्यक्ष राजपूत ने कहा कि कई बार मीटिंग लेकर बोला है। बावजूद ईई यादव लोगों को परेशान कर रहे हैं। ऐसा नहीं चलेगा। जवाब में ईई यादव ने कहा कि नियम के अनुसार ही कनेक्शन काट रहे हैं। कोई गलत काम नहीं कर रहे।

जनपद अध्यक्ष राजपूत के अलावा जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट, सदस्य विनय मेहर ने भी बिजली कनेक्शन काटने और गांवों के अंधेरे में डूबे रहने का मुद्दा उठाया। इससे पहले बैठक में उपाध्यक्ष जाट भी गांवों में पेयजल के मुद्दे पर इंजीनियर संजय सक्सेना पर भड़क गए। उन्होंने कहा कि कई गांवों में पानी की समस्या है, लेकिन हैंडपंप नहीं सुधारे जा रहे। ऐसा ही रवैया रहा तो मैं भूख हड़ताल पर बैठ जाऊंगा। उपाध्यक्ष जाट और सदस्य मेहर ने 15 दिन के अंदर पेयजल समस्या दूर करने की बात कहीं।

ढाई घंटे चली मीटिंग, हंगामेदार रही- भोपाल में करीब 4 महीने बाद गुरुवार को हुई जिला पंचायत की मीटिंग हंगामेदार रही। बैठक की शुरुआत होते ही सीईओ इला तिवारी ने मीडिया को हॉल से बाहर जाने को कहा। इस पर अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों ने आपत्ति ली। कहा कि मीडिया को यही बैठने दिया जाना चाहिए। जनता को पता तो चले कि बैठक में क्या बात हुई है।

मीडिया के प्रति सीईओ के इस रवैये की शिकायत कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह से भी की गई है। इधर, उपाध्यक्ष जाट और सदस्य विनय मेहर ने उन अधिकारियों के बारे में जानकारी ली, जिनके जिला अधिकारी बैठक में नहीं पहुंचे थे। उन अधिकारियों को हॉल से बाहर जाने को कहा गया। बैठक में अध्यक्ष रामकुंवर गुर्जर, उपाध्यक्ष जाट, सदस्य मेहर, विक्रम भालेराव, रश्मि भार्गव, बिजिया राजोरिया, चंद्रेश राजपूत, गंगाबाई मालवीय, रामकुंवर हाड़ा, जनपद अध्यक्ष प्रमोद सिंह राजपूत, विधायक प्रतिनिधि दीपक गुर्जर, सीईओ तिवारी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह ने महर्षि पतंजलि संस्थान के कैलेण्डर का किया विमोचन

भोपाल (नप्र)। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने बुधवार को मंत्रालय में महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान मध्यप्रदेश द्वारा प्रकाशित वार्षिक कैलेण्डर का विमोचन किया। कैलेण्डर में इस वर्ष की थीम भारतीय कालगणना को रखा गया है। इसके अंतर्गत माहवार काल की अवधारणा, कालमायन की इकाइयाँ. हिन्दी तिथियों का वैज्ञानिक आधार, सप्ताह, माह और वर्ष की अवधारणा, देवताओं व असुरों के दिन-रात, युग, ब्रह्मा की आयु, संवत्सर, पञ्चाङ्ग तथा संकल्प मन्त्र को स्थान दिया गया है। यह जानकारी भारतीय कालगणना की समझ के लिये अत्यंत उपयोगी रहेगी। महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान के निदेशक श्री प्रभात राज तिवारी ने बताया कि अभी हमारे जितने केलेण्डर हैं, विक्रम संवत, ईसवी संवत, हिजरी संवत, कोई भी 2500 साल से पुराना नहीं है परंतु हमारा प्राचीन केलेण्डर भारतीय सभ्यता के अनुसार लाखों वर्ष पुराना है। उदाहरण के रूप में कलयुग के 5 हजार 125 वर्ष गुजर चुके हैं। इसके पूर्व सतयुग, द्वापर एवं त्रेता युग भी संपन्न हो चुके हैं। यह तथ्य दर्शाता है कि भारतीय सभ्यता अत्यंत प्राचीन है। तथा दुनिया में इसका कोई भी समरूप नहीं है। इस कैलेण्डर में राज्य शासन के द्वारा घोषित समस्त शासकीय अवकाश एवं ऐच्छिक अवकाश को भी दर्शाया गया है, जिससे यह केलेण्डर बहुत उपयोगी बन गया है।

बीजेपी नेता के घर पर हमला

शराब पीने से रोका तो कार फोड़ी, घर में घुसकर पत्थर बरसाए, 6 आरोपियों पर एफआईआर

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बागसेवनिया में शराब पीने से रोकने पर बदमाशों ने बीजेपी नेता के घर जमकर हंगामा मचाया। आरोपियों ने घर में घुसकर तोड़फोड़ की और पत्थर मारकर घर के कांच फोड़ दिए। इतना ही नहीं फरियादी परिवार की कार में भी आरोपियों ने तोड़फोड़ की है। आरोपी पीड़ित परिवार के घर के सामने आए दिन शराब पीते हैं। रोकने पर विवाद करते हैं। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। मामले की जांच की जा रही है। वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

फरियादी भाजपा खेल प्रकोष्ठ के जिला सह संयोजक दीपक नायर (31) हैं। दीपक बागसेवनिया के अमराई में रहते हैं और टेंट हाउस संचालन के साथ ही केटरिंग के ठेके लेते हैं। फरियादी ने पुलिस को बताया कि 24 और 25 मार्च की रात करीब साढ़े 12 बजे इलाके के 6 बदमाश डंडों से लैस होकर आए। पहले उन्होंने घर से दूर खड़ी उनकी कार को पूरी तरह से फोड़ दिया। फिर घर का चैनल गेट तोड़ कर अंदर घुस आए।बदमाशों ने भाजपा खेल प्रकोष्ठ के जिला सह संयोजक दीपक नायर की कार को नुकसान पहुंचाया।

हमले से दहशत में आया परिवार

बदमाशों ने घर के कांच भी फोड़ दिए। इस घटना के बाद से ही उनका पूरा परिवार दहशत में है। घटना के दौरान फरियादी के घर में उनकी मां, पत्नी और दो छोटी बेटियां थी। जब बदमाश घर में घुसे तो वो ऊपर वाले कमरे में सो रहे थे। बदमाशों के घर में घुसते ही उनकी नींद खुल गई और वो नीचे आए। हालांकि तब तक बदमाश मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मुख्य आरोपी शुभम सिंह समेत 6 अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

पुलिस का दावा, जल्द होगी आरोपियों की गिरफ्तारी

टीआई अमित सोनी के मुताबिक एफआईआर दर्ज कर ली गई है। आरोपियों से फरियादी का पुराना विवाद था, फिलहाल आरोपियों की तलाश की जा रही है, जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। सभी की पहचान कर ली गई है।

कूड़े के ढेर पर मिले नवजात की मौत

आंगनबाड़ी-अस्पतालों से जुटा रहे गर्भवतियों की जानकारी

भोपाल (नप्र)। कूड़े के ढेर में चार दिन पहले मिले नवजात ने गुरुवार को इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। निशातपुरा पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। बच्चे को फेंकने वाले का फिलहाल सुराग नहीं मिला है। पुलिस आंगनबाड़ियों से भी गर्भवती महिलाओं की जानकारी जुटा रही है। आसपास के अस्पतालों से भी हाल ही में जन्मे बच्चों की जानकारी मांगी गई है।

जांच अधिकारी आरपी भारती ने बताया-23 मार्च को एक नवजात बच्चा कचरे के ढेर पर बोरी में बंद मिला। वहां से गुजर रहा एक टैक्सी ड्राइवर बच्चे के रोने की आवाज सुनकर रुका। जब उसने बोरी खोलकर देखा तो उसमें बच्चा था।मामला करोंद क्षेत्र में पीले क्वार्टर इलाके में शनिवार देर रात का है। इसके बाद टैक्सी ड्राइवर मुश्ताक खान ने निशातपुरा पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाया। डिस्चार्ज होने के बाद उसे बाल कल्याण समिति को सौंपा जाएगा।

शरीर पर थे खरोंच के निशान

घटना स्थल के आसपास सीसीटीवी कैमरे नहीं हैं। इसलिए बच्चे को फेंकने वाले की पहचान करने में मुश्किल हो रही है। पुलिस अब घटना स्थल की ओर आने वाले सभी रास्तों के फुटेज खंगाल रही है। बच्चे के शरीर पर जंगली जानवरों द्वारा खरोंचने के निशान मिले थे।

कमला नेहरू अस्पताल में चल रहा था इलाज

बच्चे को कमला नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसकी हालत लगातार बिगड़ती गई। डिस्चार्ज होने के बाद उसे बाल कल्याण समिति को सौंपा जाएगा।

ऑक्सीजन सपोर्ट पर था बच्चा

बच्चा ऑक्सीजन सपोर्ट पर था। उसे राइस ट्यूब से खाना दिया जा रहा था। बच्चे को जब अस्पताल लाया गया, तब से अब तक उसकी हालत में सुधार हुआ है। पूरी तरह से स्थिर होने में बच्चे को दो से तीन दिन तक लग सकते हैं।

ईडी की रिपोर्ट-सौरभ का ही है जब्त सोना और कैश

अनुपातहीन संपत्ति के मामले में ऐक्शन, 100 करोड़ की संपत्ति जब्त

भोपाल (नप्र)। आरटीओ के पूर्व आरक्षक करोड़पति सौरभ शर्मा ने आयकर विभाग की जांच में भले ही यह स्वीकार नहीं किया है कि राजधानी के मेंडोरी में इनोवा कार में मिला 52 किलो सोना और 11 करोड़ रुपए कैश उसका नहीं है लेकिन ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) भोपाल की रिपोर्ट में कहा है कि यह सोना और कैश सौरभ का ही है। ईडी ने सौरभ शर्मा और उसके सहयोगियों चेतन सिंह गौर, शरद जायसवाल से पूछताछ के बाद 100.36 करोड़ की संपत्ति कुर्क कर ली है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भोपाल ने बुधवार को जारी सूचना में कहा है कि पूर्व आरटीओ आरक्षक सौरभ शर्मा द्वारा अपने और रिश्तेदारों, सहयोगियों के नाम पर करोड़ों रुपए की संपत्ति जुटाई है। इसकी पड़ताल के बाद ईडी ने इन सबके स्वामित्व वाली, कंट्रोल वाली फर्म, कंपनियां, सोसायटी के नाम पर अर्जित 92.07 करोड़ रुपए की चल और अचल संपत्तियों को अनंतिम रूप से कुर्क किया है। ईडी ने इसे आपराधिक आय (पीओसी) दर्शाते हुए यह कार्रवाई की है। इन संपत्तियों को उनकी आय के ज्ञात स्त्रोतों से अधिक अनुपातहीन संपत्ति अर्जित करने के मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के प्रावधानों के तहत ईडी ने कुर्क किया था।भोपाल में मेंडोरी के जंगल से आयकर विभाग की टीम ने 52 किलो सोना बरामद किया था। ईडी की रिपोर्ट के अनुसार इन सहयोगियों, संस्थाओं में शरद जायसवाल, चेतन सिंह गौर, मेसर्स अविरल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स अविरल एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स यू आर इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड आदि शामिल हैं। ईडी ने रिपोर्ट में कहा है कि आयकर विभाग ने चेतन सिंह गौर की इनोवा गाड़ी से नकदी और सोना जब्त किया था।

संपादकीय

सहकारी क्षेत्र के लिए नई उम्मीद

केन्द्रीय सहकारिता एवं गृह मंत्री अमित शाह ने देश में सहकारिता आंदोलन को बढ़ावा देने के लिए जिन नए उपायों की घोषणा की है, अगर उन पर ईमानदारी से अमल हो तो यह मान्यता साकार हो सकती है कि सहकारिता भावी 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में बड़ी भागीदार होगी। संसद की सहकारिता परामर्शदात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्री अमित शाह ने कहा कि अब किसान सहकारिता समितियां एयर टिकट बुकिंग कर सकेंगी, देश में सहकारी संस्थाओं के माध्यम से टैक्सी सेवा भी संचालित की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार की कोशिश है कि को आपरेटिव सेक्टर को भी कॉर्पोरेट सेक्टर के समान अवसर उपलब्ध कराए जाएं। गौरतलब है कि वर्ष 2025 दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। उद्देश्य यही है कि सरकारी, निजी और कारपोरेट क्षेत्र से इतर इस सहकारी क्षेत्र को भी पर्याप्त दिया जाए। 2019 में पहली बार मोदी सरकार ने केन्द्र में सहकारिता के लिए अलग से मंत्रालय स्थापित कर इसका जिम्मा अमित शाह को सौंपा था। इसके पहले को-ऑपरेटिव सेक्टर मुख्य रूप से राज्यों की सूची में ही था। वैसे यह भी आश्चर्यजनक ही है कि इतने बड़े सेक्टर को केवल राज्यों के भरोसे छोड़ दिया गया। केन्द्र में यह विभाग शुरू होने के बाद से सरकार ने को-ऑपरेटिव सेक्टर को बढ़ावा देने के व्यापक प्रयास किए हैं। इस साल केन्द्रीय बजट में सहकारिता के लिए 1186 करोड़ का प्रावधान किया गया है। अहमदाबाद में आयोजित एक कार्यक्रम में मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता का भविष्य उज्ज्वल है। इस मंत्रालय ने गठन के बाद से सहकारिता को प्रोत्साहित करने 60 से अधिक पहलें शुरू की गई हैं। हमने पांच वर्षों में दो लाख प्राथमिक सहकारी समितियों का पंजीकरण सुनिश्चित किया है। इसमें सेवा सहकारी समितियां और प्राथमिक दूध उत्पादक सहकारी समितियां शामिल हैं, जो सहकारी आंदोलन की नींव हैं। सहकारी समितियों के संविधान में अनेक आदर्श उपनियम बनाकर उन्हें अनेक नए कार्यों से जोड़ा गया है। शाह ने कहा कि ऐसी सहकारी समितियां सस्ती दवा की दुकान भी खोल सकती हैं और पेट्रोल पंप तथा गैस वितरण सेवाओं के लिए उन्हें कोटा दिया गया है। 'वे गोदाम भी बना सकते हैं और जलापूर्ति भी कर सकती हैं। पिछले दिनो सरकार ने सभी सहकारी संस्थाओं को लेन-देन भी सहकारी बैंकों के जरिए करने का आदेश दिया है। बेशक भारत में सहकारी क्षेत्र में कई नामी संस्थाएं चल रही हैं। उदाहरण के लिए अमूल, इफ्कोह, लिज्जत पापड़, प्रतिभा महिला सहकारी बैंक, इंडियन कॉफी हाउस आदि। इनमें से कुछ ने तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति और प्रतिष्ठा अर्जित की है। देश में बहुत सारी को-ऑपरेटिव बैंकें और सहकारी शकर कारखाने भी हैं। लेकिन ज्यादातर पेशेवर प्रबंधन की कमी है। ये ज्यादातर राजनेताओं के पुनर्वास और सियासत के अड्डे बन चुके हैं। महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों को छोड़ दिया जाए तो ज्यादातर सहकारी संस्थाएं भारी घाटे में और कुप्रबंध का शिकार हैं। आरबीआई ने बीते एक दशक में जिन बैंकों पर ताला डाला है, उनमें से अधिकांश सहकारी बैंके ही हैं। चूंकि सहकारी संस्थाओं के सदस्य ही उसके मालिक होते हैं, ऐसे में संस्था का फायदा सदस्यों को मिलता है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि सहकारी संस्थाएं पेशेवर ढंग से संचालित हों। अमूल की कामयाबी का राज यही है कि सहकारी होने के बाद भी उसका प्रबंधन और संचालन पेशेवर हाथों में है। मंत्री अमित शाह द्वारा सहकारी पेशेवर तैयार करने के लिए त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय खोलने का फैसला सही दिशा में उठाया गया कदम है। अच्छे सहकारिता प्रबंधक इस क्षेत्र को नई ऊंचाई तक ले जा सकते हैं।

नजरिया

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। वर्तमान में केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

प्रश्नांकित भारतीय न्याय-तंत्र

भारत में न्याय की देवी तराजू लेकर खड़ी रहती थी। उसके आँख पर पट्टी बंधी होती थी। अब भारत सरकार ने नए भारत में न्याय की देवि के आँख से पट्टी कुछ समय पहले ही हटा दिया। यह एक सिम्बोलिक कार्यवाही थी। इसके पीछे धारणा थी कि न्याय की देवि की आँख अब खुली रहेगी और अब अब उसे न्यायालय में सबको न्याय मिलेगा। धारणा और अवधारणा के पीछे जो भी इतिहास हो, लेकिन जो वस्तुस्थिति आज है भारत की वह बहुत ही चिंताजनक है।

भारतीय न्याय-तंत्र में बैठे लोगों से ही अब भारत को डर है। नैतिकता को ताक पर रखकर भारत में न्याय देने वाले लोगों की बड़ी खेप आज चर्चा में है। दिल्ली के लुटियंस जोन में न्यायमूर्ति के घर पर आग लगती है। उसे बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की बैन आती है और जिस भाग में आग लगी होती है उसके बारे में जो खुलासे होते हैं, वे आश्चर्य में डालने वाले होते हैं। मीडिया में जिसे इस खबर के बारे में पता चला, भारतीय न्यायपालिका से उसका विश्वास टूट गया। कई बोरियों में गांधी बाबा के जलने की बात की गयी, इसका मतलब था कि उन बोरियों में भारतीय मुद्रा थी जिस पर गाँधी बाबा छपे होते हैं। कुछ अधजले नोट के जलने की बातें भी आयीं। जिस न्यायमूर्ति के घर पर आग लागी वह संयोग से उस दिन वहां नहीं थे। उन्हें जब पता चला तो उन्होंने इस पूरी खबर को ही उसी आश्चर्यजनक तरीके से देखा जैसे आमजन सुनकर महसूस किया। उन्होंने कहा कि उन्हें यह नहीं पता की बोरियों से भरे नोट कहाँ से आए।

इस कौतुक प्रश्न को सुनकर कोई भी हतप्रभ होगा। एक न्यायमूर्ति के अपने प्रोटोकॉल होते हैं। उनके आवास के आसपास बहुत सी सुरक्षा सुनिश्चित होती है। सीसीटीवी भी होते हैं। उनके घर के परिसर में चाहे वह जितना बड़ा हो, नोट की बोरियां आती हैं और यह किसी भी एजेंसी को पता नहीं चलता है। न्यायमूर्ति ने तो अपने बचाव में जो कहा वह आम बात है। कोई भी कह सकता है कि यह मेरी अनुपस्थिति में रची गयी मेरे खिलाफ साजिश है।

ऐसी घटनाएँ एक न्यायमूर्ति के लिए कितनी पीड़ादायक होगी, यदि वह वास्तव में इसमें शामिल नहीं होगा। लेकिन उसे शर्म नहीं आए तो भी ठीक नहीं क्योंकि यह वह न्याय का देवता है जो सबको न्याय देता रहा है, दे रहा है और देगा, जिसे इस बात का पता नहीं है की उसे फंसाया गया है और वह फंस गया है और वह अब लोगों द्वारा प्रश्नांकित हो रहा है। यह सब तो एक घटना और घटना की निरंतरता है लेकिन दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायधीश और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायधीश की जो इसमें कार्रवाई है, उसे भी अब प्रेक्षक संदेह की निगाह से

देख रहे हैं। यह सभी कह रहे हैं कि जीरो एफआईआर क्यों नहीं हुआ? न्यायमूर्ति महोदय को स्थानांतरित ही क्यों किया गया, उन्हें सस्पेंड क्यों नहीं किया गया? कोलेजियम ने न्यायमूर्ति को तीन जजों की कमेटी बनाकर जैसे बयान अभी तक आए, यदि वैसी ही स्थितियां भी रहीं तो सबूत के अभाव में कुछ दिनों बाद उन्हें बरी कर दिया जाएगा। यह ऐसे प्रश्न हैं जो आमजन को इस घटना के बाद प्रकट हुए हैं और सभी यह सोच विचार में हैं कि यदि भारत का न्याय तंत्र इस प्रकार की बड़ी से बड़ी घटनाएँ करने के बाद अपना बचाव कर लेगा तो हमारे न्याय की गुंजाइश ही कहाँ बचती है क्योंकि बात यह भी आई है कि अधिवक्ता संघ के प्रयागराज के अध्यक्ष ने कहा है कि हमारे यहाँ दागदार व्यक्ति को क्यों स्थानांतरित किया गया जबकि उनके घर से 15 करोड़ की नोट बोरियों में मिले हैं। क्या इलाहबाद हाईकोर्ट डस्टबिन है कि वहां किसी को भी डाल दिया जायेगा जबकि वह दागदार है।

भ्रष्टाचार की जड़ें कहीं भी जा सकती हैं। यदि न्यायतंत्र में भ्रष्टाचार की जड़ें शिष्टाचार के रूप में अपना अस्तित्व बना लेंगी तो सोचिए कि यह भारत कैसे विकसित राष्ट्र बनेगा और कैसे आदर्श राज्य के रूप में अपनी पहचान विश्व में बना पाएगा। पिछले एक दशक में मुख्य न्यायधीश के खिलाफ जो आरोप लगे जिसमें एक जस्टिस का नाम सुर्ख़ियों में रहा और उन्हें बाद में राज्यसभा में भी सदस्य बनाया गया। उनके केस का अध्ययन करें तो यह पता चलता है कि उन्होंने खुद को न्याय दे दिया और सब कुछ से स्वयं को बरी कर दिया। अब भारत में ऐसी न्याय व्यवस्था से तो घिन्न आती है। जब वह खुद न्यायालय व खुद न्यायाधीश हैं तो उन्हें फिर कौन दोषी ठहरा सकेगा। कम से कम न्याय का सिद्धांत यह नहीं है और नैतिकता भी नहीं है। हाल ही में इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक न्यायधीश ने स्त्रियों को लेकर जो बयान दिया है, उसे आज स्त्री विमर्श में बौद्धिक विमर्श करने वाले लोग मुखरित होकर सड़कों पर नहीं निकले, यह कितनी हास्यास्पद बात है। मीडिया ने भले इस पर कुछ चर्चाएँ कर लीं।

यह भारत का एक पतनशील न्याय-व्यवस्था का काल है, यदि ऐसे विचार, बर्ताव, आचरण और व्यवस्थाओं को प्रश्रय मिल रहा है। सर्वोच्च न्यायलय के मुख्य न्याधीश को कम से कम यह चाहिए कि वह भारतीय न्यायपालिका की साख को बनाएं, बचाएं और कुछ अपने ही कोलिजियम से आये न्यायमूर्तियों के ऊपर कड़ी कार्यवाही भी करनी पड़े तो करें। आखिर किसे बचाने का प्रयास हो रहा है और क्या किसी जज को बचा लेने से जनता के बीच आज की न्याय-व्यवस्था के प्रति बन रही ग्रंथि को भी वे मिटा सकेंगे? हमारा देश चक्रवर्ती सम्राट विक्रमादित्य के न्याय नीति को स्वीकार करता रहा है। यहाँ राजा हरिश्चंद्र ने न्याय व त्याग को लोग स्मरण करते हैं। यह बात सही है कि आज़ाद भारत के बाद आज तक न्याय के लिए कोई मुख्य न्यायधीश कोई प्रसिद्धि नहीं प्राप्त कर सका क्योंकि वास्तव में आज तक की 75 वर्ष से पुरानी हमारी न्यापालिका ने कुछ ऐसा ऐतिहासिक कार्य नहीं किया जिससे सम्पूर्ण देश उसे स्मरण करे। यह न्यायपालिका पर भी प्रश्न है कि उसने आखिर आजतक क्यों कोई अपनी अमिट पहचान नहीं बना सकी। यदि हमारे न्यायधीश पक्षपात से बचें और न्याय को ही अपने जीवन का उद्देश्य बनायें, भ्रष्टाचार से दूरी बनायें और जो भी बोलें वह गरिमामय हो तो निश्चय ही देश के लोग आज न्यायपालिका को सबसे ज्यादा महत्व देते।

दुखद तो यह है कि हिंदुस्तान में इतने केस लंबित हैं। इससे न्यापालिका ने सबसे ज्यादा अपना विश्वास खो दिया। न्यायपालिका ने स्वतः संज्ञान भी तो भरपूर नहीं लिया। सुओ-मोटो से भी देश की अनेक समस्याएं न्यायपालिका व न्यायमूर्ति लोग खत्म कर सकते थे। लेकिन उन्हें संभवतः स्यां के बारे में सोचने से फुर्सत ही नहीं है। वे देश के बारे में सोचना शायद कम किए, उसी का नतीजा है कि अनेक समस्याएं हमारे देश में अपनी जड़ें जमा चुकी हैं और वे मिटने का नाम नहीं ले रही हैं। यह भारत का दुर्भाग्य है। हमारे देश के लिए हानिप्रद है। भारत को नए प्रकार से सृजित करना है तो निश्चय ही हमारी न्याय-प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन वैचारिक व संवेदना के स्तर पर लाने की आवश्यकता है। आवश्यकता इस बात की है कि एक बार देश का न्याय तंत्र देश की जनता का विश्वास जीत ले।

राजनीति

अवधेश कुमार

लेखक दिल्ली निवासी पत्रकार हैं।

नागपुर हिंसा के पीछे की सोच को समझना होगा

नागपुर के दृश्य निस्संदेह फिर देश को भयभीत कर रहे हैं। 33 से ज्यादा पुलिसकर्मियों का घायल होना, भारी संख्या में वाहनों की तोड़फोड़ या जलाना, जगह-जगह घरों और दुकानों का क्षतिग्रस्त होना बताता है कि हमले सुनियोजित थे। विधानसभा में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बयान भी दिया कि यह सुनियोजित हमला लगता है। नागपुर पुलिस की प्राथमिकी, अभी तक की छानबीन तथा हिंसा के पैटर्न बताते हैं कि यह त्वरित उत्तेजना और गुस्से की परिणति नहीं थी। तत्काल किसी मुद्दे,विषय या बयान से उत्तेजना हो तो छिटपुट समूह निकलकर हल्की-फुल्की हिंसा कर सकता है। वीडियो फुटेज में हमलावर चेहरे ढंके हुए हैं,नकाबपोश हैं, कई के पत्थरबाजी, तोड़फोड़ करते समय चेहरे से नकाब उतार रहे हैं, फिर वे लगा रहे हैं। पेट्रोल बम तक चले। इतने व्यापक क्षेत्र में बगैर पूर्व योजना और षड्यंत्र के वैसी हिंसा संभव नहीं। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक 13 प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है तथा 100 से ज्यादा लोगों की गिरफ्तारी भी।

घटनाक्रम देखिए। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने 17 मार्च को औरंगजेब की कब्र हटाने के लिए विरोध प्रदर्शन किया और छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर प्रतीकात्मक पुतला जलाया। माइनॉरिटी डेमोक्रेटिक पार्टी के शहर अध्यक्ष फ़हीम अहमद लगभग 50-60 लोगों को लेकर गणेशपेठ पुलिस थाना पहुंचा और लिखित शिकायत दर्ज कराई कि हरे कपड़े पर पवित्र कुरान की आयत लिखकर जलाया जा रहा है। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाई गई कि पवित्र कुरान की आयतें जलाई गई है, लोगों के घर से निकलने की अपील की गई। सोशल मीडिया पर झूठ फैलाया गया कि हिंसा में दो लोगों की मृत्यु हो गई है। एक सोशल मीडिया अकाउंट बांग्लादेश से मिला है जिसमें लिखा गया कि यह छोटा दंगा था, इससे बड़ा दंगा आगे होगा। फहीम खान थाने से आकर 400-500 लोगों, जिनके हाथों में हथियार थे को लेकर छत्रपति शिवाजी महाराज चौक यानी धरना स्थल पर पहुंच गया। पुलिस द्वारा भीड़ से वापस जाने के आग्रह को अनसुना करते हुए भड़काऊ और उकसाऊ नारे लगे। आप सोचिए, अगर कुछ निहत्थे लोग मांगों के लिए प्रदर्शन कर रहे हों, पुतले जल रहे हों और वहां कुल्हाड़ियों,पत्थरों, लाठी, रोड और अन्य ऐसी सामग्रियां लेकर 400-500 लोग लहराने लगें तथा दृश्य ऐसे हों मानो टूट पड़ने वाले हैं तो लोगों की कैसी मनोदशा होगी। इसी दौरान भालदारपुरा में पुलिस पर पत्थरों से हमले की भी घटना हुई। सबसे शर्मनाक अंधेरे का लाभ उठाकर महिला पुलिस के साथ छेड़खानी और दुर्व्यवहार था। गीतांजलि चौक पर भीड़ ने पुलिस वाहनों पर पेट्रोल बम से हमला किया और पुलिस के दो वाहनों में आग लगा दी। गंजीपुरा में फ्लाईओवर निर्माण के लिए खड़ी दो क्रेन को पेट्रोल बम से आग लगा दी गई। ड्यूटी पर मौजूद पुलिस अधिकारियों पर पत्थरों और घातक हथियारों से हमलाकर घायल कर दिया गया। बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग आक्रामक तेवर और तैयारी में महल, कोतवाली, गणेशपेठ और चिटनिस पार्क समेत शहर के विभिन्न इलाकों में हिंसा करने लगे।

नागपुर के सीए रोड, भालदारपुरा, गंजी पेठ, हंसापुरी, गांधी बाग, चिटनवीस पार्क, आदि क्षेत्र में ज्यादातर दुकानें पुराने मोटरसाइकिल एवं ऑटो स्पेयर पार्ट्स की हैं। सभी दुकानें मुस्लिम समुदाय की है। सोमवार को दुकानें सुबह से ही बंद रखी गई थी। क्यों? मोबिनपुरा में 150 गाड़िया इन्हीं लोगों की खड़ी रहती थी, वहां एक भी गाड़ी नहीं थी। क्यों? शाम की हिंसा में केवल हिंदू घर एवं दुकान ही निशाना बने। नागपुर के डीसीपी निकेतन कदम पत्थरबाजी की घटना में घायल हुए। उनका वक्तव्य देखिए, ''जिस तरह से हर तरफ से पत्थरबाजी हुई, उसमें कई अधिकारी घायल हो गए। एक घर में कुछ लोग छिपकर पत्थरबाजी कर रहे थे। टीम वहां गई तो दूसरी ओर से 100 से ज्यादा लोगों की भीड़ आई। मैंने उन्हें रोकने की कोशिश की तो एक ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। कई छतों से पत्थर फेंके जा रहे थे। पत्थर छत पर कैसे पहुंचे, कुछ तो प्लानिंग थी।' भीड़ उन्मादित और कुछ भी करने पर उतारू थी तो कारण सामान्य नहीं हो सकता। पुलिस वालों से मोर्चाबंदी कर रहे हैं, घायल कर रहे हैं तो इसका गहराई से विश्लेषण करना होगा।

ऐसी घटना को हम सामान्य राजनीतिक और दलीय चश्मे से देखेंगे तो भविष्य में होने वाले भयावह परिणामों के भागीदार बनेंगे। सच को सच के रूप में समझ कर स्पष्ट न बोला जाए तो परिणाम सतत भयावह से भयावहतम की ओर बढ़ेंगे। सामान्य सामाजिक व्यवहार की दृष्टि से देखें तो इस हिंसा का कोई कारण नहीं था। कोई समूह किसी विषय पर लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहा है तो उसे मजहब विरोधी कार्रवाई मानकर हमले की व्याख्या कैसे की जाएगी? साफ है कि ऐसा कुछ जलाया ही नहीं गया जिसका प्रचार किया गया। असदुद्दीन ओवैसी ने बयान दिया कि हरे कपड़े पर पवित्र पाक कुरान शरीफ की आयतें लिखकर जलाई गई है। इस तरह के अफवाह फैलाने वाले कौन हो सकते हैं? भारी संख्या में सोशल मीडिया अकाउंट बंद किए गए हैं और उनके आधार पर लोगों की गिरफ्तारियां हुई है। मानकर चलना चाहिए कि प्रदेश सरकार या अगर जांच केंद्रीय एजेंसी को दी जाती है तो केंद्र दोषियों को अंतिम सीमा तक दंड दिलाएगा। केवल दंड दिलाने से ऐसी समस्याओं का निदान नहीं हो सकता ।

विचार करने वाली बात है कि पूरे देश में जगह-जगह इस तरह की हिंसा के पैटर्न क्यों पैदा हो रहे हैं? इतने ईंट, पत्थर , पेट्रोल बम आदि तत्काल पैदा नहीं हो सकते। इसकी पूरी तैयारी करनी होती है। हाल में महू, संभल से लेकर नागपुर तक मोटा- मोटी एक ही तरह का पैटर्न देखा जिसमें हमलावर पूरी तरह तैयार थे तथा सबके पास हमले की पर्याप्त सामग्रियां थीं। कोई औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग कर रहा है तो उससे इतनी संख्या में किसी समुदाय के लोगों के अंदर गुस्सा क्यों पैदा हो गई? औरंगजेब जैसे आततायी, धर्मांध, बुरे शासक के लिए उसकी मृत्यु के 300 से ज्यादा वर्षों बाद इतने लोगों के अंदर उसे अपना या इस्लाम का आदर्श मानने की इतनी संवेगी भावना कि मरने - मारने को उतारू हो जाएं कैसे पैदा हो गई? पहले भी सोशल मीडिया पर औरंगजेब का महिमामंडन कर हिंसा फैलाने की कोशिश की गई है। केवल औरंगजेब नहीं, महमूद गजनवी और उसके भांजे सालार मसूद तक के प्रति इतना समर्थन कैसे कि उन पर प्रश्न उठाने के विरुद्ध खुलेआम बयानबाजी और हिंसा तक की घटनाएं हो रही हैं? क्या कल कोई नादिर शाह और अहमदशाह अब्दली को भी इस्लाम का ध्वजवाहक मानकर लड़ना शुरू कर देगा? कल्पना करिए कि कोई जनरल डायर , लॉर्ड क्लाइव आदि के पक्ष में खड़ा हो तो देश उसे किस दृष्टि से दिखेगा? यही दृष्टि औरंगजेब, महमूद गजनवी, सालार मसूद गाजी जैसों के प्रति क्यों नहीं पैदा होती?

यह विचारधारा है जिसमें इस्लाम के नाम पर काफिरों या विरोधियों के विरुद्ध अत्याचार, पवित्रतम स्थलों को ध्वस्त कर इस्लामी ढांचा खड़ा करना सही माना जाता है। इस्लाम को उच्च तथा काफिरों या विरोधियों के साथ बुरे व्यवहार की विचारधारा को व्यापक स्वीकृति मिलती दिख रही है।

यही आचरण दुनिया में आतंकवाद और अन्य प्रकार की हिंसा का है। भारत विभाजन के पीछे भी यही था। इसलिए दलीय बयानबाजी द्वारा ऐसे तत्वों को परोक्ष समर्थन देना इनको हिंसा के लिए प्रोत्साहित करना है जो भविष्य में आत्मघाती साबित होगा। शिवसेना नेता संजय राऊत का बयान देखिए, 'नागपुर में हिंसा होने का कोई कारण नहीं है। यहीं पर आरएसएस का मुख्यालय है। यह देवेंद्र जी का निर्वाचन क्षेत्र भी है। यहां हिंसा फैलाने की हिम्मत कौन कर सकता है? हिंदुओं को डराने, अपने ही लोगों से उन पर हमला करवाने और फिर उन्हें भड़काकर दंगों में शामिल करने का यह एक नया पैटर्न है।' हिंसा कौन कर रहे थे साफ दिख रहा है और संजय राऊत को भाजपा और संघ दोषी नजर आ रहा है। इसी समय बेंगलुरु में संघ की प्रतिनिधि सभा से अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर का बयान है कि औरंगजेब अप्रासंगिक है और हिंसा अनुचित। सामना के संपादकीय में औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग करने वालों को हिंदू तालिबान कहा गया। लिखा गया कि औरंगजेब की कब्र मराठों और शिवाजी के शौर्य का प्रतीक है और उसे खत्म करने की मांग करने वाले इतिहास को समझने की कोशिश नहीं कर रहे। जब अबू आजमी ने औरंगजेब को महान शासक बताया तो अखिलेश यादव ने एक्स पर सच्चाई छुप नहीं सकती जैसे पोस्ट कर दिया। संसद के अंदर और बाहर सारा विपक्ष हमलावरों की आलोचना की जगह केवल प्रदेश और केंद्र की भाजपा सरकार को घेरने पर लगा रहा। भाजपा की आलोचना और विरोध करिए किंतु इतने बड़े खतरे की अनदेखी कर आप कैसे तत्वों को प्रोत्साहित कर रहे हैं, इसका परिणाम क्या होगा इन पर अवश्य विचार कर लीजिए।

50 गाँवों में अकेले बुजुर्गों के लिए प्राण वायु

सामुदायिक रसोई

संदीप कुलश्रेष्ठ

इन 50 गाँवों में अशक्त, बीमार और अकेले रह रहे बुजुर्गों को उनके घर तक रोजाना सुबह-शाम भोजन पहुँचाया जाता है। यह घर पहुँच निःशुल्क सेवा है। सावरकुंडला तहसील के जीरा गाँव में वर्ष 2022 में लीलाबा अन्नपूर्णा भोजनालय के श्रीगणेश के साथ ही इस निःशुल्क भोजन सेवा की शुरूआत की गई थी। इस गाँव में ज्यादातर बुजुर्ग अकेले ही रहते हैं।

हाल ही में गुजरात के अमरेली जिले में 50 से अधिक गाँवों में सामुदायिक रसोई की शुरूआत की आशाभरी खबर आई है। इस रसोई द्वारा सभी गाँवों में अकेले रहने वाले बुजुर्गों को सुबह और शाम भोजन उपलब्ध कराना है। यह भोजन पूरी तरह से निःशुल्क है।

इन 50 गाँवों में अशक्त, बीमार और अकेले रह रहे बुजुर्गों को उनके घर तक रोजाना सुबह-शाम भोजन पहुँचाया जाता है। यह घर पहुँच निःशुल्क सेवा है। सावरकुंडला तहसील के जीरा गाँव में वर्ष 2022 में लीलाबा अन्नपूर्णा भोजनालय के श्रीगणेश के साथ ही इस निःशुल्क भोजन सेवा की शुरूआत की गई थी। इस गाँव में ज्यादातर बुजुर्ग अकेले ही रहते हैं।

दानदाताओं की मदद से यह सामुदायिक रसोई चल रही है। गाँव के कई परिवारों के युवा काम के लिए गाँव छोड़कर शहरों में या विदेश में चले गए हैं। इस कारण अकेले रहने वाले बुजुर्गों के लिए सबके सहयोग से कैंटीन की स्थापना की गई है। दानदाता भी खुलकर मदद कर रहे हैं। इसी कारण उनके पास 18 लाख रूपए का फंड भी जमा है। खाना बनाने वाले रसोईये को हर महीने 20 हजार रूपए वेतन भी दिया जाता है।

अमरेली जिले के 50 से अधिक गाँवों में सामुदायिक रसोई की शुरूआत की सफलता से यह गाँव अन्य गाँवों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बन गए है। शुरूआत जीरा गाँव से हुई थी, जो आज 50 गावों तक पहुँच गई है। इस सामुदायिक रसोई की खुशखबरी चारों तरफ फैल रही है।

गुजरात के अमरेली जिले के जीरा गाँव से शुरू हुई इस सामुदायिक रसोई की जरूरत मध्यप्रदेश में भी है। मध्यप्रदेश के भी अनेक शहरों और गाँवों से युवा नौकरी के लिए विदेश गए है। घर में अकेले बुजुर्ग रह रहे है। कहीं बुजुर्ग पति-पत्नी रह रहे है, तो कहीं पति के गुजर जाने के बाद पत्नी अकेली रह रही है। ऐसे भी उदाहरण देखने को आ रहे है कि पत्नी के गुजर जाने पर पति अकेले रहने को मजबूर है। ऐसे बुजुर्गों के लिए सामुदायिक रसोई प्राणवायु का काम करती है। इसलिए मध्यप्रदेश के विभिन्न गाँवों और शहरों में भी सामुदायिक रसोई की स्थापना के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं और संगठनों को आगे आकर इसकी शुरूआत करने की जरूरत है, ताकि अकेले रह रहे बुजुर्गों को सुबह-शाम भोजन की चिंता से मुक्ति मिल सके। मध्यप्रदेश में दानदाताओं की कमी नहीं है। उन्हें इस सद्कार्य में आगे आना ही चाहिए।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

प्रीतम लखवाल

लेखक व्यंग्यकार हैं।

हंसने पर फिलहाल कोई टैक्स नहीं है

हंसी नामक कोई चीज हुआ करती थी। आजकल विलुप्त होती जा रही है। हंसी के लिए बहुत जतन करने पड़ते हैं। करने पड़ रहे हैं। अरे! भाई हंसना भी कोई हंसी-खेल नहीं है। हंसी के आने का कोई कारण तो होना चाहिए। बिना वजह हंसने वालों पर अब तो पाबंदियां लग सकती है और बिना कारण हंसने वाले को दीवाना साबित करने में देर नहीं लगती। दीवाना होने और पागल होने में ज्यादा फर्क नहीं है। दीवाना अपने प्यार की याद में हंसता है तो पागल यह सोचकर हंसता है कि मैं ही सर्वज्ञ हूं। बाकी दुनिया जाए भाड़ में। सुबह-सुबह एक समाचार पत्र का मुख पृष्ठ पर नजर गई थी कि मेरी हंसी का ठिकाना न रहा। इतनी जोर से हंसी छूटी कि पड़ोसियों ने खिड़कियों से झांकना आरंभ कर दिया। वे यह सोचकर चिंता में पड़ गए कि कहीं मेरी पत्नी मायके तो नहीं चली गई। वरना ये आदमी तो चुटकुले पर भी नहीं हंसता था। कॉमेडी शो में भी धीर-गंभीर रहता था। आज क्यों हंसा? और हंसा तो इतनी जोर से कि पूरे मोहल्ले को पता चल गया कि ये आज हंसा! अरे भाई! हंसने पर भी कोई टैक्स-वैक्स लगता है क्या? मान लीजिए कि सरकार हंसी पर जीएसटी लगाने के लिए संशोधन विधेयक ला रही है। सारे नेता इस पर खींसे निपोर रहे हैं। कुछ तो बुल्ला फाड़ के हंस रहे हैं। जनता तटस्थ है। वैसे जनता को तटस्थ रखने में ही सरकार की भलाई है। अगर जनता तटस्थ नहीं रहेगी तो सरकार को, उसके कामकाज को, विकास को, समाज को इन सबके साथ देश को समझेगा कौन? एक जनता ही जिसे देश प्रेम का डोज दिया जाना लोकतांत्रिक सफलता मानी जाती है। खैर, इससे अपन को क्या? हम तो बात कर रहे हैं हंसी पर जीएसटी की। अब हंसने पर जीएसटी लग जाए तो आम आदमी कितना हंसेगा? हंसने के लिए उसके पास वजह भी बचेगी की नहीं, अगर थोड़ी-बहुत वजह बच भी जाए तो इसकी क्या गारंटी की वह हंसेगा ही। मुस्करा भी सकता है। हो सकता है मुस्कान पर जीएसटी से छूट मिल जाए। दिन में कितनी बार हंस सकता है। हंसने की वजह भी बतानी होगी। यह भी हो सकता है कि 'मैं इस पर हंसना चाहता हूं' का आवेदन देना पड़ जाए। हंसने की अनुमति न भी मिले। अफसर कह देगा कि अभी पिछले हफ्ते ही तो हंसा था।

बार-बार हंसता ही रहेगा क्या? हंसमुख लाल जी को कभी हंसते हुए नहीं देखा। वैसे उनके चेहरे की बनावट ही ऐसी थी कि कोई भी भ्रम में पड़ जाए कि हंस रहे हैं। एक बार दफ्तर में बॉस सभी कर्मचारियों को डपट रहे थे। हंसमुख लाल जी हमेशा की तरह चुपचाप बैठे हुए थे। इतने में बॉस का कोप उन पर फूट पड़ा। वे तनककर बोले- मैं यहां तुम्हें डांट रहा हूं और तुम हंस रहे हो। इतनी डांट सुनने के बाद भी उनके चेहरे पर वही मुद्रा देख बॉस आपे से बाहर हो गए। वैसे बॉस अगर आपे से बाहर नहीं हो तो काहे का बॉस। एक कर्मचारी ने हिम्मत जुटाकर उनके कान में फुसफुसाया कि महोदय, 'श्रीमान' का चेहरा-मोहरा ही ऐसा है। आप भी उनके भोले चेहरे से गच्चा खा गए। ऐसे लोगों पर कोई अलग तरह का टैक्स तो बनता ही होगा। अभी पिछले दिनों की बात है होली मिलन समारोह चल रहा था। सब हंसी-ठिठोली कर रहे थे। हंसमुख लाल जी ने अपने मित्र गंभीरचंद से कहा- यार, कोई चुटकुला सुनाइए। मैं हंसना चाहता हूं। गंभीर तो गंभीर ठहरे। उन्होंने कहा- देखिए चुटकुले साहित्यिक मंच से इतने सुना दिए गए कि अब कोई सुनना ही नहीं चाहता। कामेडी शो में भी चुटकुलों के नाम पर द्विअर्थी संवाद झोंके जा रहे हैं। हंसमुख बोले- यार कोई अच्छा सा चुटकुला सुनाइए। गंभीर बोल पड़े- हंसी न भी आए तो हंस लेना। फिर उन्होंने कहा- देश से गरीबी खत्म हो गई है। अर्थ व्यवस्था पटरी पर है। सब जोर से हंस पड़े। उधर, हंसमुख लाल जी बोल पड़े- हंसू या रोउं। शान फिल्म के डॉन का यह डायलॉग सुन सभी के ठहाके निकले। वहीं एक डॉक्टर ने तर्क दिया कि हंसना सेहत के लिए जरूरी है। इस पर फिलहाल कोई टैक्स नहीं है।

'मखाना खेती' के बहुरेंगे दिन

आर्थिकी

डॉ. रमेश ठाकुर

सदस्य, राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान

'मखाना उत्पादन' में हिंदुस्तान का स्थान विश्व में अव्वल पायदान पर पहले से है ही, केंद्र की नई पहल ने अब और पंख लगा दिए हैं। दशकों से वैश्विक पटल पर भारतीय मखानो का समूचे संसार में निर्यात होता आया है। डिमांग में अब और बढ़ोतरी हुई है। ताल, तालाबों व जलाशयों में की जाने वाली मखाने की खेती बिहार में सर्वाधित होती है। ये खेती पूरे बिहार में नहीं, बल्कि मात्र 10 जिलों तक ही सीमित हैं जिनमें दरभंगा, सहरसा, मधुबनी, सुपौल, कटिहार, अररिया, पूर्णिया, मधेपुरा, किशनगंज, और खगड़िया जिले प्रमुख हैं। एक वक्त था जब मात्र दो जिले अररिया और मधुबनी में ही मखाना उगाया जाता था। पर, बढ़ती आमदनी को देखते हुए अब 10 जिलों में मखाने की खेती होने लगी है।

मखाने की खेती में बूस्टर डोज के लिए अब केंद्र सरकार ने भी अपने दरवाजे खोले हैं। 'मखाना बोर्ड' स्थापित करने का निर्णय हुआ है। बीते महीने आम बजट-2025-26 में केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने बकायदा संसद में 'मखाना बोर्ड' स्थापित करने की घोषणा की। मखाने की खेती में वृद्धि हो, बीज-खाद में सरकारी सब्सिडी मिले और फसल में भरपूर आमदनी हो, जैसी तमाम मांगों को लेकर किसान लंबे समय से सरकार से डिमांड कर रहे थे, जिसे अब पूरा किया गया। पहले क्या था? जब मखाने की फसल पककर तैयार होती थी, तो बिचौलिए और ठेकेदार औने-पौने दामों में मखाना खरीदकर विदेशी बाजारों में उच्च भाव में बेचते थे। ऐसी हरकतों पर निगरानी की कोई सरकारी व्यवस्था नहीं थी? किसानों की मेहनत को बिचौलिए खुलेआम लूटते थे। इन सभी से छुटकारा पाने के लिए केंद्र व राज्य सरकार से किसान 'मखाना बोर्ड' बनाने की मांग लंबे समय से कर रहे थे, जिसे केंद्रीय स्तर पर अब जाकर स्वीकार किया गया है।

बिहार के अलावा मखाने की खेती हल्की-फुल्की उत्तर प्रदेश, झारखंड व मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में भी की जाती है। पर, वहां किसान ज्यादा रूचि नहीं लेते। विदेशों में भारतीय मखाने की बढ़ती मांग को देखते हुए केंद्र सरकार ने अपने मौजूदा बजट में मखाना बोर्ड बनाने का निर्णय लिया। भारत में अमूमन एक किलो मखाने की कीमत 25 सौ से लेकर 4 हजार रुपए तक है। जबकि, विदेशों में पहुंचते-पहुंचते मखाना की कीमत दोगुनी हो जाती है। किसानों के अलावा केंद्र सरकार को भी परस्तर फायदा होने लगा है। मखाने का तकरीबन उत्पादन भारत में होती है, यूं कहें इस खेती पर एकछत्र राज्य है। यूरोप के कुछ निचले भागों में मखाना उगाया जाने लगा है। लेकिन वो स्वादिष्ट नहीं होता, स्वाद वाला मखाना सिर्फ भारत का होता है। बिहार में अब करीब 4000 गांवों, जिनमें 870 ग्राम पंचायतों और 70 प्रखंड़ों में मखाने की खेती होने लगी है। मखाने की खेती से करीब 10 हजार से ज्यादा किसान अब जुड़ चुके हैं।

मखाने के लिए 'उत्तम तालाब प्रणाली' की आवश्यकता होती है, जो सिर्फ बिहार के तराई इलाकों में ही मिलती है। केंद्र सरकार मखाने की खेती पर इसलिए भी ज्यादा फोकस करके चल रही है क्योंकि इससे देश को सालाना 25 से 30 करोड़ की विदेशी मुद्रा जो प्राप्त होने लगी है। विदेशों से मांग में बेहताशा बढ़ोतरी हुई है। चिकित्सा रिपोर्ट के मुताबिक मखाना सेहत के लिए बेहद लाभदायक बताया गया है जिसमें प्रोटीन की 9.7 फीसदी, कार्बोहाइड्रेट 76 फीसदी, नमी 12.8 प्रतिशत, वसा 0.1 फीसदी, खनिज लवण 0.5 फीसदी, फॉस्फोरस 0.9 और लौह के मात्रा 1.4 मिली ग्राम तक होती है। मखाने के इस्तेमाल से हार्ट-अटैक जैसे गंभीर बीमारी से भी बच जा सकता है।

मखाने की उन्नति के लिए केंद्र सरकार द्वारा 'बोर्ड' बनाने का निर्णय निश्चित रूप से बूस्टर डोज जैसा है इससे मखाना किसानों की आमदनी में न सिर्फ इजाफा होगा, बल्कि उनके उधोग से जुड़े हिताकारों और उपभोक्ता कानून के संरक्षण में उत्साहवर्धक सुखद परिणाम भी देखने को मिलेंगे। मौजूदा आंकड़ों पर नजर डाले तो भारत मखाना की वैश्विक मांग का तकरीबन 90 से 95 फीसदी भरपाई करता है। बजकि, मखाने का उत्पादन सिंगापुर, यूएसए,कनाडा,जर्मनी, मलेशिया और एशियाई देशों में भी होता है। लेकिन डिमांड भारतीय मखानो की सर्वाधिक होती है। अकेला अमेरिका ही भारत से करीब 25 फीसदी मखानस खरीदता है। ग्लोबल स्तरीय स्वास्थ्य की एक सर्वे रिपोर्ट की माने तो अमेरिकी नागरिक सब्जियों में भी मखाने का इस्तेमाल करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक मखाना सर्वाधिक अमेरिकी लोग खाते हैं। उन्हें सिर्फ भारतीय मखाने चाहिए होते हैं। यही कारण है कि भारत में पिछले एक दशक में मखाने का उत्पादन 180 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा है। खेती में लगातार किसान विस्तार कर रहे हैं। निश्चित रूप से 'मखाना बोर्ड' बनने के बाद और इस फसल में और पंख लगेंगे।

नई पहल के बाद भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की टीमें भी लगातार मखाना खेती का दौरा कर रही हैं। मखाना को वह वैज्ञानिक ढंग से कराने लगे हैं। किसानों के लिए मखाने का उत्पादन अब अन्य फसलों के मुकाबले फायदे का सौदा बन गया है। एक एकड़ मखाने की खेती में किसान कम से कम 3 से 4 लाख रूपए प्रत्येक फसल में कमा लेते हैं। मखाने की नर्सरी नवंबर माह में लगती है। बिहार में मखाने की खेती को 'पानी की फसल' भी कहते हैं। क्योंकि ये शुरू से अंत तक जलमग्न रहती है। मखाने की करीब 4 महीने बाद, फ़रवरी-मार्च में रोपाई होती है। रोपाई के बाद पौधों में फूल लगने लगते हैं। अक्टूबर-नवंबर में फसल पक जाती है और उसकी कटाई शुरू होती है। मखाने की खेती में तीन से चार फ़ीट पानी हमेशा भरा रहता है। मखाने के फल कांटेदार होते हैं। उन्हें कीटनाशकों से बचाना किसी चुनौती से कम नहीं होता। अच्छी बात ये है कुदरती आपदाएं जैसे औले पड़ना, बेमौसम बारिश का होना, मखाने की फसल का कुछ नहीं बिगाड़ पाती। कुलमिलाकर मखाना बोर्ड बनने के बाद भारतीय किसानों का ध्यान इस मुनाफे की खेती की ओर तेजी से आकर्षित जरूर हुआ है।

आज तक नहीं बन सका विक्रम स्मृति स्तम्भ

विक्रम (अंतिम)

डॉ.पं.राजशेखर व्यास

पूर्व अतिरिक्त महानिदेशक, दूरदर्शन/ ज्योतिषाचार्य व लेखक हैं)

आज की नई पीढ़ी तो संभवतः कल्पना भी नहीं कर सकती कि कैसे सारी उज्जयिनी नगरी दुल्हन की तरह सजधज गई थी अपने निज विक्रम के स्वागत के लिये सारा नगर रंगबिरंगी पताकाओं से सज गया जिस पर पराक्रमी विक्रम का चित्र था ,वही चित्र जो बाद के काल में विक्रम का मुखपृष्ठ और संपादकीय पृष्ठ का चित्र बनता सजता सँवरता रहा ये और विक्रम का जो चित्र विक्रमादित्य फ़िल्म के कवर से लेकर आज प्रचलन में हैं वे सब महान चित्रकार - कनुभाई देसाई और रविशंकर रावल ने व्यासजी से गहन विचार विमर्श कर बनाये थे आज भी मूलचित्र मेरे पास सुरक्षित हैं, नवरत्न के जो चित्र आज प्रचलन में हैं वे भी रविशंकर रावल ने बनाये थे। इधर विगत 75 साल से उसकी प्रतिकृतियां बाजार में इतनी आ गई कि लोग नक़ल को ही असल समझ बैठे।

सारे देश में घूम घूम कर महान विद्वान लोगो से विक्रम कालिदास उज्जयिनी पर शोध लेख लिखवाये गये जिनमे महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन, डॉ. भगवत शरण उपाध्याय, वि.वा.मीराशी,वासुदेवशरण अग्रवाल, डीसी मजूमदार जैसे असंख्य महान नाम थे। मैथिलीशरण गुप्त ने अपने हस्तलेख में

- दो हज़ार संवत्सर बीते हैं / निज विक्रम बिना हम मरे मरे जीतेहैं /

नित्य नये शक और हूँण हमारे जीवनरस पीते हैं , होकर भी हुए क्या हम उनके मनचीते हैं ? /

भरे हुए हैं हृदय हमारे / हाथ हमारे रीते हैं,

जो विक्रम स्मृति ग्रंथ में व्यासजी ने सबसे आगे प्रकाशित की। यूँ व्यासजी के अनुरोध पर इससे पूर्व कविवर रवींद्रनाथ टैगोर 'उज्जयिनी'कविता लिख चुके थे और उज्जयिनी भारती भवन में रहते हुए नागार्जुन

- कालिदास सच सच बतलाना, अज रोया था या तुम रोये थे लिख चुके थे।

विक्रम स्मृति ग्रंथ कैसे तैयार हुआ? उसके बारे में डॉ. शिवमंगल सिंह सुमन एक दिलचस्प क़िस्सा सुनाते थे। उन दिनों वे ग्वालियर में क्रींस विक्टोरिया कालेज में थे और महापंडित राहुलजी आये हुए थे। चालीस बरस के सूर्यनारायण व्यास 'विक्रमादित्य' फ़िल्म के सेट से दिल्ली आये और दिल्ली से सड़क मार्ग से ग्वालियर आकर राहुलजी को पकड़ा

'-विक्रम पर आपका लेख लिये बग़ैर नहीं जाऊँगा! 'डॉ सुमन बड़े गर्व और चाव से बताते थे- राहुलजी हमारे हॉस्टल के बरामदे में इक गमछा मुंह पर ओढ़कर बैठ गये-' मैं बोलता हूँ सुमन लिखेगा और आज आप विक्रम पर मेरा लेख लेकर ही जाएँगे व्यासजी!

डॉ. सुमन बताते थे कि वे दो घंटे आँख पर गमछा डाले बोलते रहे, मैं लिखता रहा औ रयूँ -

त्रिविक्रम ! लेख तैयार हुआ, सुमन जी बताते थे कैसे व्यासजी सारा खाना पीना छोड़कर दीवाने की तरह विक्रम महोत्सव और कालिदास समारोह के लिये सारे देश में दौड़ते फिरते थे

विक्रमादित्य फ़िल्म की तो और अजब ग़ज़ब अनूठी कथा है-' यह जो काल्पनिक गल्प उड़ा दी गई है कि पृथ्वीराज कपूर 'मुग़ल-ए-आज़म'के समय बादशाह अकबर के भेस में प्रजा का हाल जानने सेट से बाहर निकल जाते, वास्तव में यह विक्रमादित्य की बात है। वे उज्जयिनी में विक्रमादित्य के भेस में प्रजा का हाल जानने निकल जाते थे। देर रात अभिनय को उन्होंने इतना जीवंत कर दिया था। उनका और फ़िल्म का क़िस्सा आगे कभी लिखेंगे। लेकिन खुद बादशाह अकबर ने सचमुच के अकबर ने सम्राट विक्रमादित्य की अनेक अच्छी बातें उठायीं और अनुसरण किया था। मसलन विक्रमादित्य ने 'विक्रमसंवत्' प्रवर्तन किया था (जो संवत् 2000 आते आते लोग भूल गए थे। जिसे इस समारोह से पंडित व्यास ने सारे देश में पुनर्जीवित किया)।

उसी की तर्ज पर अकबर बादशाहने 'दीन-ए-इलाही' सवंत्सर चलाया। और बात है कि यह चला नहीं और

विक्रम संवत् आज तक चल रहा है। विक्रमादित्य के नवरत्न - कालिदास,वराहमिहिर,शंकु,वैताल भट्ट,क्षपणक की तर्ज पर बादशाह अकबर ने भी अपने दरबार में -तानसेन, बीरबल, टोडरमल,नवरत्न रखे। यह पूरा कांसेप्ट उन्होंने विक्रमादित्य के शासन से ही लिया था।

'विक्रमादित्य' फ़िल्म में काम करने के बदले पृथ्वीराज कपूर ने व्यासजी से मित्रतावश कोई पारिश्रमिक नहीं लिया था। व्यासजी ने उनका यह कर्ज उतारा,जब प्रथम राष्ट्रपति ने पंडित सूर्यनारायण व्यास को 'पद्मभूषण' साहित्य, शिक्षा, संस्कृति मां योगदान के लिये प्रदान किया तो वे चाहते थे कि व्यासजी राज्यसभा में भी आयें। वहां बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', मैथिलीशरण गुप्त पहले ही मौजूद थे।

व्यासजी ने इस अनुरोध को यह कहकर पृथ्वीराज कपूर की तरफ मोड़ दिया कि बाबू!

कला जगत से अब तक आपने किसी को राज्यसभा में सम्मान दिया नहीं हैं। और इस तरह पृथ्वीराज कपूर राज्यसभा में ससम्मान विराजमान हुए।

इस भव्य आयोजन से जुड़े कुछ दर्दनाक मर्मनाक पहलू भी हैं मसलन लॉर्ड वेवल जिन्ना के विरोध के कारण राजा महाराजाओं ने आयोजन से हाथ खेंच लिए। जिन्ना ने सावरकर द्वारा आयोजन की प्रशंसा से चिढ़ कर इसे हिंदू आयोजन बता कर विरोध किया। जबकि विक्रमादित्य भारत के सोए पराक्रम को जगाने का नाम था। लॉर्ड वेवल ने इसे अंग्रेज़ विरोधी मानकर महाराजा सिंधिया से विरोध जताया। तब घनश्याम दास बिरला द्वारा विक्रम विश्वविद्यालय के लिए भेजे दस लाख रुपये जो उज्जयिनी के आयोजन के लिए ईयर मार्क थे, उस से ग्वालियर में मेडिकल कालेज बना लिया गया। इतना ही नहीं ग्वालियर से ज़्यादा पैसा मालवा का था। सर सेठ हुकुमचंद द्वारा व्यासजी के अनुरोध पर फिर एक बड़ी रकम दी गई, जिस से विक्रम विश्वविद्यालय बना। पर इस अचानक आए विरोध और अवरोध से पूर्व विक्रम विश्व विद्यालय विक्रम कीर्ति मंदिर, विक्रम स्मृति ग्रंथ का काम तो हो गया था, मगर विक्रम स्मृति स्तम्भ का काम रह गया जो आज तक बना नहीं। उम्मीद ही नहीं विश्वास है प्रिय यशस्वी मुख्यमंत्री मोहन यादव जैसे उज्जयिनी का मेडिकल कॉलेज ले आए, ÷ विक्रम समृति स्तंभ ÷ भी एक दिन बना ही देंगे !

पं.सूर्यनारायण व्यास पर जारी डाक टिकट

कवि कालिदास फ़िल्म तो आज भी यू ट्यूब पर उपलब्ध हैं जिसमे पंडित सूर्यनारायण व्यास के महान योगदान का भारत भूषण के स्वर में उल्लेख किया गया हैं बाद के काल में पद्म भूषण पंडित व्यास के प्रयास से डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने इस फ़िल्म को सारे देश में टेक्स फ्री कर दिया था और फ़िल्म ने री रिलीज़ (जो फैशन आज फिर आया है) स्वर्ण जयंती मनायी। दूरदर्शन पर भी मैंने प्रायः महाकाल सवारी रक्षा बंधन पर प्रति वर्ष दिखायी! याद रखें अब यह कहा जाता हैं- 'मेरी काम', भाग मिल्खा भाग' या हालीवुड में बायोपिक शुरू हुआ ग़लत है - 'कवि कालिदास' और 'विक्रमादित्य' पहले बायोपिक ही थे। फिल्म 'विक्रमादित्य' की कहानी दर्दनाक है। 1980 में मैंने स्वयं विजय भट्ट के साथ बैठ इसे देखा था। आज उनके परिजन महेश भट्ट आलिया भट्ट तक को इस फ़िल्म के बारे में कुछ पता नहीं। शशि कपूर के पृथ्वी थियेटर में मैंने स्वयं इस फ़िल्म की स्क्रिप्ट और दुर्लभ चित्र उनके पास देखे थे। आज कुछ भी उपलब्ध नहीं है। राष्ट्रीय संग्रहालय से भी फ़िल्म के प्रिंट ग़ायब हैं। कुछ अंदर के स्रोत बताते हैं कि के. आसिफ़ की 'मुग़ल-ए-आज़म' को पहली ऐतिहासिक फ़िल्म सिद्ध करने के लिए विक्रमादित्य के प्रिंट जला दिए गए। अब न कपूर परिवार के पास ही फ़िल्म है न भट्ट परिवार के पास। न पुणे फ़िल्म इंस्टीट्यूट के पास। कुछ लोग मानते हैं आग में जल गई फ़िल्म। मगर अभी उम्मीद की एक किरन दिखी है। 'कान फ़िल्म फेस्टिवल' में कुछ 25-30 बरस पहले विजय भट्ट की - 'राम राज्य', 'भरत मिलाप', 'गूँज उठी शहनाई', 'बैजू बावरा' के साथ विक्रमादित्य भी दिखाई गई थी। वहाँ वे प्रिंट सुरक्षित रखते हैं इस उम्मीद से मैंने वहाँ के डायरेक्टर सी. ड्यूपिन से ईमेल पर संपर्क किया है। यह कोई फ़िल्म नहीं, उस महान समारोह के इतिहास का गौरव शाली पृष्ठ है।

नई पीढ़ी संवत् 2000 में मनाए इस भव्य तम 'विक्रम महोत्सव' का इतिहास जाने और जाने कि आज उसकी स्मृति में खड़े विक्रम विश्वविद्यालय विक्रम कीर्ति मंदिर और संसार का महान ग्रंथ उपलब्ध हैं - विक्रम स्मृति ग्रंथ ! (समाप्त)

गाली से ग्लोबल ब्रांड तक चमार स्टूडियो की पहुंच

सामयिक

डॉ. ललित कुमार

लेखक इन्वर्टिस विश्वविद्यालय बरेली में पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष है।

भारत देश का संविधान कहता है कि किसी भी व्यक्ति को उसकी जाति से संबोधित न करें। इसके बावजूद भी अक्सर लोग ऐसा करते हैं। सरेआम किसी दलित व्यक्ति को अपमानित करते हैं। अब इसी तथाकथित अपमानित शब्द को किसी ने आइडिया बना लिया और एक ब्रांड ही बना दिया। मुंबई के धारावी के एक युवक ने दलितों के लिए इस्तेमाल होने वाले 'चमार' शब्द को लेकर 'चमार स्टूडियो' ही शुरू कर दिया। इस स्टूडियो की कल्पना को हकीकत में बदलने वाला सुधीर राजभर है। सुधीर अपने चमार स्टूडियो में फैशनेबल हैन्डबैग्स और टोट बैग्स बनाते हैं। हाल ही में राहुल गांधी का मुंबई के धारावी में चमार स्टूडियो का दौरा करने के बाद से, यह स्टूडियो अब एक चर्चा का विषय बना हुआ है। आज कल न्यूज़ ट्रेंड में भी चमार स्टूडियो ऑनलाइन प्लेटफार्म को सर्चिंग लिस्ट में सबसे ज्यादा सर्च करने वाले ब्रांड के तौर पर देखा जा रहा है।

चमार स्टूडियो अब एक ब्रांड का रूप ले चुका है। दलित समुदाय, चमार शब्द को आज भी गाली और अभद्रता का दंश झेलता हुआ आ रहा है। जिस कारण कुछ विशेष जाति के लोगों की संकीर्ण मानसिकता का भी पता चलता हैं। किसी भी जाति को गाली सूचक शब्द के साथ इस्तेमाल करना कितना सही है? इस पर सोचना ज़रूर चाहिए। चमार दलित समुदाय की ऐसी जाती है, जिसको हर कोई निचली जाती यूं कहें गाली के तौर पर इस्तेमाल करता है। जाति कोई भी हो उसकी उत्पत्ति इंसानों द्वारा ही हुई है, लेकिन पश्चिमी उत्तर प्रदेश में चमार जाति की जनसंख्या बड़े पैमाने पर है। यह जाति आज अपनी काबिलियत के बल पर जिस तरीके से अपनी पहचान को काम के आधार पर आंकती है। यह बेहद ही काबिलेगौर है। चमार शब्द आज जातिसूचक नहीं, बल्कि यह एक ऐसी मिसाल के रूप में उभरकर सामने आ रहा है, जिसकी चर्चा अब देश-विदेश में होने लगी है।

चमार समुदाय के लोग सबसे ज्यादा पढ़ लिखकर आज हर क्षेत्र में अपना मुकाम हासिल करने में कामयाब हो रहे हैं। यह जाति हमेशा ईमानदारी के साथ अपना पेशे को करती आ रही है और कर भी रही है, जो अब किसी परिचय की मोहताज नहीं है। कहा जाता है चमार जाति के लोग चमड़े का व्यापार करते हैं, यानी इनका पेशा चमड़े की खाल से उत्पाद तैयार करना है, लेकिन चमार शब्द को लेकर संकीर्ण मानसिकता का समाज आज भी अपनी सड़ी गली सोच का शिकार है। यानी वह मानसिक रूप से विकलांग है, जो किसी भी जाति को लेकर गंदी और भद्दी भाषा का इस्तेमाल करता है। अब ऐसी मानसिकता को आखिर किस तौर पर देखा जाए, यह देखने वाली बात है।

यूपी के सहारनपुर जिले के शब्बीरपुर गांव में भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद ने जब गाँव के बाहर द ग्रेट चमार का बोर्ड लगाया, तो उसको लेकर जाति सूचक टिका टिप्पणी खूब सुनने को मिली। गांव का अभिजात्य वर्ग भी इस पर आक्रामक दिखा और कई उन्होंने बार इस बोर्ड को हटाने के लिए शासन प्रशासन को पत्र भी लिखा। लेकिन गांव का दलित समुदाय इकट्ठा होकर अपने आप पर गर्व महसूस करने लगा। पश्चिम उत्तर प्रदेश के मेरठ, गाज़ियाबाद मुज़फ्फरनगर, बागपत और सहारनपुर जिलों में चमार जाति सबसे ज्यादा प्रगतिशील और नौकरपेशा वाला वर्ग है, जो किसी पर निर्भर नहीं है, रोजी रोजगार के क्षेत्र में भी सबसे आगे है। साथ ही खेती किसानी में काफी सक्षम माना जाता है, लेकिन यह सिलसिला अब कहीं आगे बढ़ चुका है। चमार शब्द अब एक ब्रांड के रूप में स्थापित हो चुका है। पंजाब का चमार समुदाय भी काफी सक्षम और प्रगतिशील है, जो ज्यादातर विदेश में रहकर अपने व्यापार को बढ़ावा देने में लगे है।

चमार स्टूडियो के संस्थापक सुधीर राजभर इस समय चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। हर कोई उनके स्टूडियो की तारीफ के कसीदे पढ़ रहा है। मुंबई के धारावी में स्थित यह स्टूडियो आज सोशल मीडिया पर अपनी खूब लोकप्रियता बटोर रहा है। यह स्टूडियो मुंबई का एक ऐसा फैशन ब्रांड बन चुका है, जो चमड़े का काम करने वाले दलित कारीगरों को सशक्त बनाकर उनको एक ऐसा मंच दे रहा है, जिससे उनके काम को देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में प्रसिद्धि मिल रही है। यही कारण है चमार स्टूडियो के उत्पाद देश विदेशों में निर्यात हो रहे हैं। जिस प्रकार से मोची ब्रांड आज देश में एक स्थापित ब्रांड बन हो चुका है। कुछ इसी प्रकार चमार स्टूडियो अपने अच्छे उत्पाद और कारीगिरी के बल पर अपनी एक नई पहचान स्थापित कर रहा है। सुधीर राजभर का सफर बहुत ही बुरे दौर में भले ही गुजारा हो, लेकिन वर्ष 2015 में जब भारत में बीफ बैन के कारण दलित-मुस्लिम समुदाय के कारीगिरों को काफी नुकसान पहुंचा। इसी से प्रभावित होकर राजभर ने चमार स्टूडियो की स्थापना की। चमार स्टूडियो का मूल उद्देश्य दलित समुदाय के लिए फिर से उनका सम्मान वापस लौटना। साथ ही एक ऐसा मंच प्रदान करना, जहां उनकी कला को सम्मान और इज्जत मिल सके।

सुधीर राजभर द्वारा शुरू किया गया स्टार्ट-अप चमार समुदाय को कुछ वापस दे रहा है। राजभर ने एक साक्षात्कार में कहा था कि वह चाहते हैं कि लोग चमार (चमड़े के कारखाने में काम करने वाला व्यक्ति) शब्द पर गर्व कर सके। कारीगर पहले से ही कहीं ज्यादा बैग बनाने में माहिर हो चुके हैं। राजभर को बस बेहतर कच्चा माल उपलब्ध कराना तथा कलाकारों को कपास, लेटेक्स, रिसाइकिल की गई पतली रबर टायर शीट और कैनवास मुहैया कराना होता है। स्टूडियो ने हाल ही में बॉम्बे ब्लैक कलेक्शन नामक का एक विशेष संग्रह पेश किया है, जो जल्द ही क्लार्क हाउस इनिशिएटिव और कोलाबा बाज़ार में उपलब्ध होगा। जिनके उत्पादों की कीमत सात सौ रुपये से लेकर नौ हज़ार रुपये के बीच है।

राजभर ने पिछले साल मुंबई में 'टेक द सिटी प्रोजेक्ट' में भाग लिया, जिसमें उन्होंने बताया कि मैंने कुछ ऐसा पेश करने का फैसला किया, जो मेरे समुदाय का प्रतिनिधित्व करता हो। उन्होंने एक कपड़े के बैग को शोकेस किया, जिसमें विभिन्न लिपियों में 'चमार' शब्द लिखा था। वे बताते हैं कि मैं यह शब्द लोगों के बीच लाना चाहता था और उन्हें बताना चाहता था कि यह सिर्फ एक पेशा है। मैं लगभग 40 थैले ले गया था और सभी बिक गए थे। राजभर ने काम की रफ्तार जारी रखने के लिए शोध करने का फैसला किया।

अभी उनके पास वास्तविक कला स्टूडियो नहीं है, इसलिए वो www.chamarstudio.com वेबसाइट के ज़रिए ऑनलाइन सामान बेच रहे हैं। साथ ही उनके काम के कुछ नमूने मुंबई में ली मिल स्टोर में भी देखे जा सकते हैं। वह अक्सर डिजाइन और काम पर चर्चा करने के लिए उन सभी चर्मकारों से मिलते रहते हैं, जिनके साथ वो काम करते हैं। वह कांदिवली में एक आर्ट स्टूडियो बनाने की योजना बना रहे हैं, जहां उनकी टीम के सदस्य उनको मिले ऑर्डर्स पर काम करने के लिए एक साथ बैठ सकेंगे। राजभर कहते हैं कि स्टूडियो में एक कोना आज के वक़्त के डिज़ाइन और कला से संबंधित किताबों को समर्पित होगा। चमार स्टूडियो मालिक सुधीर राजभर को लोग जिस जातिसूचक नाम से चिढ़ाते थे, उसी को उन्होंने एक ब्रांड बना दिया, ताकि वे लोगों को आसानी से समझा सकें कि चमार कोई जाति नहीं, बल्कि एक ऐसा पेशा है।

उत्तर प्रदेश के जौनपुर से ताल्लुक रखने वाले सुधीर राजभर गांव में जातिसूचक नाम से पुकारे जाने पर बहुत अपमानित हुए। सुधीर ने चमार शब्द के प्रति सम्मान वापस लाने के किए इसे ब्रांड बनाने का फैसला किया। और साल 2018 में 'चमार स्टूडियो' की स्थापना की। शुरुआत में एक दलित मोची के साथ मिलकर काम किया और फुटपाथ पर अपना स्टॉल लागया। काम बढ़ा तो धारावी की टैनरी में लेदर क्राफ्टमेन के साथ मिलकर अपना ब्रांड बनाया। मुंबई के कई बड़े शोरूम्स और ऑनलाइन पर भी ये बैग्स उपलब्ध हैं। सुधीर के 'चमार' ब्रांड के बैग्स की अमेरिका, जर्मनी और जापान में भी काफी डिमांड बढ़ गयी है। यह एक अच्छा प्रयास है, जिनके उत्पाद दिखने में बोल्ड और सुंदर हैं। राजभर ने दलित समुदाय के लिए एक ऐसा मंच प्रदान करने में मदद की है, जो उनको उनकी जाति के नाम से नहीं, बल्कि उनके काम से उनको पहचान मिल सके।

महावीर जयंती उत्सव समिति का गठन

देवास। आगामी महावीर स्वामी जन्म कल्याणक महावीर जयंती मनाने हेतु सर्वानुमति से उत्सव समिति का गठन हुआ। जिसमें अध्यक्ष विजय जैन, महासचिव शैलेन्द्र चौधरी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष जैन कायथा वाला, सचिव संजय कटारिया (सॉफ्ट एण्ड हार्ड), कोषाध्यक्ष नितिन जैन मानव, उपाध्यक्ष पारस जैन इटावा, सहसचिव विकास जैन पताशे वाले एवं संयोजक अतुल जैन त्रिमूर्ति का मनोनयन हुआ। संरक्षक दिलीप दोषी एवं नरेश भंडारी मनोनीत किए गए। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मुकेश चौधरी, विशाल जैन, रिंकेश जैन, निलेश जैन, पंकज चौधरी, ˙ पारस जैन एवं सुनील जैन घोटू नियुक्त किए गए। आगामी 10 अप्रेल गुरूवार को समग्र जैन समाज देवास द्वारा महावीर जयंती भव्य पैमाने पर उत्साह पूर्वक मनाई जाएगी।

पत्रकारों से रूबरू होंगे मुम्बई के सामना अखबार के कार्यकारी संपादक अनिल तिवारी

देवास/मोहन वर्मा । मुम्बई के सामना अखबार के कार्यकारी संपादक अनिल तिवारी शुक्रवार को देवास में पत्रकारों से रूबरू होंगें । तिवारी जी महाराष्ट्र मुम्बई से निकलने वाले प्रसिद्ध 'दोपहर का सामना' (सामना हिंदी) के कार्यकारी संपादक हैं।

पत्रकारों के इस सामुहिक आयोजन 'रूबरू' में- श्री तिवारी वर्तमान परिदृश्य और पत्रकारों के समक्ष खड़ी चुनौतियों के संदर्भ में अपने विचारों के साथ बातचीत के साथ जिज्ञासु पत्रकारों के सवालों के ज़वाब भी देंगें। वरिष्ठ नागरिक संस्था मल्हार स्मृति मंदिर परिसर देवास में शुक्रवार सुबह 11 बजे से होने वाले इस आयोजन में शहर के समस्त पत्रकार साथी सादर आमंत्रित हैं।

उल्लेखनीय है कि श्री अनिल तिवारी मुंबई में ही जन्मे, पढ़े और बढ़े, अनिल तिवारी अपने छात्र जीवन से ही सक्रिय समाज सेवा से जुड़े रहे हैं। आपकी कई सामाजिक व सांस्कृतिक संस्थाओं में प्रमुख सहभागिता है। पिछले 34 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय अनिल तिवारी ने राजनीति, संसाधन विकास से लेकर सामाजिक क्षेत्र की पत्रकारिता की है। लिहाजा आपको 50 से ज्यादा प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। राजनीति पर आपकी गहरी पकड़ है। आप महाराष्ट्र विधानसभा को लगातार कवर करते रहे हैं। मंत्रालय पत्रकार संघ में बतौर कार्यकारिणी सदस्य के रूप में भी आपने सेवाएं दी हैं। आपने वर्ष 2016 में 'दोपहर का सामना' के स्थानीय संपादक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। लेखन, काव्य और व्यंग्य रचना में आपने अपनी अलग ही शैली विकसित की है। इन सबके बीच आपने राजनीति, संसाधन विकास, विशेषकर रेलवे और इन्फ्रास्ट्रक्चर में खासा अध्ययन किया है। संसाधन विषय में आपकी विशेष पकड़ के कारण ही आप 2014 से अब तक लगातार भारतीय रेलवे की यूजर्स कमेटी में काम कर रहे हैं। आप बीएसएनएल की कमेटी पर भी हैं।

कुर्मी क्षत्रिय समाज का युवक युवती परिचय सम्मेलन आज

बैतूल। कुर्मी क्षत्रिय समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन आज 28 मार्च शुक्रवार को बैतूल बाजार के सरदार वल्लभ भाई पटेल सामुदायिक भवन में संपन्न होगा। इस सम्मेलन के लिए प्रदेश के इंदौर छिंदवाड़ा, इटारसी, भोपाल, सिवनी, जबलपुर के अलावा महाराष्ट्र के यवतमाल, नागपुर से भी सामाजिक बंधुओं ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया है। कुर्मी क्षत्रिय समाज के जिलाध्यक्ष एवं नगर पंचायत बैतूल बाजार के पूर्व अध्यक्ष संजय वर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व राज्यमंत्री पिछड़ा वर्ग एवं कुर्मी क्षत्रिय समाज के प्रदेशाध्यक्ष रामखिलावन पटेल, बालाजीपुरम मंदिर संस्थापक सेम वर्मा, विशिष्ट अतिथि तेज कुमार गौर प्रदेशाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ कुर्मी क्षत्रिय समाज, डॉ. आरके सनोदिया अखिल भारतीय कुर्मी महासभा सम्मानित सदस्य एवं कार्यक्रम अध्यक्ष संजय वर्मा जिलाध्यक्ष कुर्मी क्षत्रिय समाज के आतिथ्य में संपन्न होगा।

युवक युवती परिचय सम्मेलन के आयोजन के लिए पूरी व्यवस्थाएं पूर्ण हो चुकी है। श्री वर्मा ने बताया कि पिछले वर्ष कुर्मी क्षत्रिय समाज का युवक युवती परिचय सम्मेलन हुआ था, जिसमें करीब ढाई सौ युवक युवतियों ने बेबाकी से अपना परिचय दिया था। समाज का उद्देश्य है कि सामाजिक लोग बढ़ चढक़र इस कार्यक्रम आएं और अपने बच्चों का परिचय कराएं ताकि उनके विवाह जुड़ने में आसानी हो। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक कलेंडर का विमोचन भी किया जाएगा। जिसके पश्चात युवक युवतियों द्वारा परिचय दिया जाएगा। अंत में अतिथियों का उद्बोधन भी होगा। श्री वर्मा ने सामाजिक बंधुओं से अपील की गई है कि अधिक से अधिक कार्यक्रम में शामिल हो।

आर्थिक तंगी से परेशान बस हेल्पर ने खाया जहर

बैतूल। एक बस हेल्पर ने कीटनाशक खाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान राजू शंकर कुंभारे (37) के रूप में हुई है। राजू खेड़ी बस स्टैंड के पास रहता था और निजी यात्री बस में हेल्पर का काम करता था। मंगलवार को उसने घर में रखा कीटनाशक खा लिया। जब उसे उल्टियां होने लगीं, तो उसने परिजनों को बताया कि उसने चूहे मार दवा खा ली है। परिजन तुरंत उसे जिला अस्पताल ले गए। लेकिन इलाज के दौरान बुधवार रात उसकी मौत हो गई। पड़ोसियों के अनुसार, राजू शराब का आदी था। उसके माता-पिता अक्सर बीमार रहते थे। गरीबी के कारण वो उनका इलाज नहीं करवा पाता था। यही चिंता उसे लगातार परेशान करती थी। इसी वजह से शायद उसने जहर खा लिया। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

50 बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर रोधी एचपीवी टीकाकरण का द्वितीय डोज लगाया

बैतूल। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भीमुपर में 27 मार्च को छात्रावास की 50 बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर रोधी एचपीवी टीकाकरण का द्वितीय डोज लगाया गया। टीकाकरण के दौरान खंड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भीमपुर, डॉ दीपक निगवाल, डॉ क्षितिज पंचोली एवं जिला स्तर से प्रभारी प्रशिक्षण अधिकारी श्रीमती मधुमाला शुक्ला एवं आरबीएसके मैनेजर योगेन्द्र दवंडे एवं उपस्थित रहे। टीकाकरण एएनएम श्रीमती प्रेमलता राठौर एवं एएनएम श्रीमती रेणु मिषर द्वारा किया गया।

नाबालिग की हत्या का पुलिस ने किया खुलासा, एक अपचारी समेत तीन आरोपी गिरफ्तार

प्रेम प्रसंग और जमीन हड़पने के लिए प्रेमिका के भाई को उतारा मौत के घाट

बैतूल। नाबालिग की हत्या कर शव को जंगल में फेंकने के मामले में पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक बाल अपचारी भी शामिल है। आरोपी मृतक की बहन से प्रेम करता था और शादी कर परिवार की जमीन हथियाने की योजना बना रहा था, लेकिन मृतक इस रिश्ते में बाधा बन रहा था, इसलिए उसने हत्या की साजिश

रची। आरोपी ने अपने एक दोस्त और एक बाल अपचारी के साथ मिलकर प्रेमिका के भाई की हत्या कर शव जंगल में फेंक दिया था। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 19 मार्च को झामलाल पिता चुन्नी वर्टी उम्र 52 वर्ष निवासी वनग्राम छिंदवाड़ा ने थाना आठनेर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका 15 वर्षीय नाबालिग पुत्र 14 मार्च की रात करीब 10 बजे गांव के रामजी मर्सकोले के घर की छत पर सोया था, लेकिन रात करीब 11 से 12 बजे के बीच लापता हो गया। इस सूचना पर थाना आठनेर में गुम इंसान का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। बाद में धारा 137 (2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

जंगल में मिला था क्षत-विक्षत शव- पुलिस ने रिपोर्ट के बाद जांच के दौरान नाबालिग बालक की तलाश की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। 22 मार्च को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम ठेसका के जंगल में एक अज्ञात व्यक्ति का शव क्षत-विक्षत अवस्था में पड़ा है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया। पुलिस अधीक्षक बैतूल निश्चल एन. झारिया के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री कमला जोशी एवं एसडीओपी भैंसदेही भूपेंद्र सिंह मौर्य द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया। प्रभारी सीन ऑफ क्राइम मोबाइल यूनिट निरीक्षक आबिद अंसारी के नेतृत्व में एफएसएल टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर सूक्ष्मदर्शी निरीक्षण किया। थाना प्रभारी आठनेर निरीक्षक बबीता धुर्वे, उपनिरीक्षक संदीप परदेती एवं अन्य पुलिसकर्मियों ने मौके पर साक्ष्य संकलन कर फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी कराई।

कपड़ों से हुई थी शव की हुई शिनाख्त- निरीक्षक बबीता धुर्वे द्वारा सूचनाकर्ता झामलाल वर्टी को बुलाया गया। गांव के गोपाल मर्सकोले, मुकेश पवार एवं अन्य ग्रामीणों की उपस्थिति में शव की शिनाख्त कराई गई। शव के कपड़ों, पहनी हर्ड बेल्ट एवं अन्य पहचान चिह्नों के आधार पर पुष्टि हर्ड कि यह मृतक, सूचनाकर्ता झामलाल का नाबालिग पुत्र ही है। शव का पंचनामा तैयार कर वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण की गई। पुलिस अधीक्षक बैतूल निश्चल एन. झारिया के निर्देशन में अज्ञात आरोपी की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान मृतक के बुआ के लडके गोपाल पिता किशन मर्सकोले उम्र 24 वर्ष निवासी वनग्राम छिंदवाड़ा को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई। उसने बताया कि वह मृतक की बहन से प्रेम करता था और शादी कर परिवार की जमीन हथियाने की योजना बना रहा था। मृतक इस रिश्ते में बाधा बन रहा था, इसलिए उसने हत्या की साजिश रची। गोपाल ने अपने दोस्त मुकेश पवार और एक अपचारी बालक के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई।

ऐसे रची हत्या की साजिश - 14 मार्च की रात गोपाल, मुकेश और अपचारी बालक ने मृतक को बहाने से बुलाया और मोटरसाइकिल (क्रमांक एमएच 27 सीडी 4159) से ठेसका के जंगल ले गए। वहां अपचारी बालक ने मृतक के हाथ पकड़ लिए, मुकेश ने पत्थर से सिर पर वार किया और गोपाल ने लकड़ी से सिर पर हमला कर दिया। जब मृतक की सांस चल रही थी, तो गोपाल ने लकड़ी से उसकी गर्दन दबाकर हत्या कर दी। शव को नाले में फेंक दिया गया और हत्या में प्रयुक्त चप्पल, लकड़ी एवं पत्थर जंगल में फेंक दिए गए। आरोपी गोपाल, मुकेश पवार एवं अपचारी बालक को गिरफ्तार कर उनके मेमोरेण्डम के आधार पर हत्या में प्रयुक्त लकड़ी, पत्थर एवं मृतक की चप्पल बरामद की गई। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया।

इनकी रही सराहनीय भूमिका - इस हत्या की गुत्थी सुलझाने और आरोपियों को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी आठनेर निरीक्षक बबीता धुर्वे, प्रभारी सीन ऑफ क्राइम निरीक्षक आबिद अंसारी, उपनिरीक्षक संदीप परदेती, उपनिरीक्षक मांगीलाल ठाकरे, एएसआई दिनेश धुर्वे, एएसआई संतोष चौधरी, एएसआई आर.डी. वर्मन, प्रधान आरक्षक भजनलाल चौहान, प्रधान आरक्षक पंकज बटके, आरक्षक बीरबल, आरक्षक भीमचंचल, आरक्षक विप्लव मिरासे, आरक्षक योगेश त्यागी, आरक्षक गिरीराज धाकड़, आरक्षक चालक पवन एनिया, डॉग मास्टर विवेक गाडगे, महिला आरक्षक गजेंद्र पटवारी एवं आरक्षक कंचन चौरे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

वन नेशन वन इलेक्शन विकास की राह में क्रांतिकारी कदमः सुधाकर पंवार

नगर पालिका परिषद बैतूल में संपन्न हुई परिचर्चा, नगर सरकार के जनप्रतिनिधि हुए शामिल

बैतूल। नगर पालिका परिषद बैतूल में वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर महत्वपूर्ण परिचर्चा संपन्न हुई, जिसमें नगर सरकार के जनप्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। परिचर्चा के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार ने कहा कि देश में हर समय किसी न किसी राज्य में चुनाव चलते रहते हैं, जिससे आचार संहिता लागू हो जाती है और कई विकास कार्य रुक जाते हैं। बार-बार चुनाव होने से सरकारी धन का अपव्यय होता है, जो कि जनता का ही पैसा होता है। विकास कार्यों की निरंतरता बनाए रखने के लिए वन नेशन

वन इलेक्शन एक क्रांतिकारी कदम साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को सशक्त और पारदर्शी बनाने के लिए हर वर्ग और हर क्षेत्र से इस विचार को समर्थन मिल रहा है। एक साथ चुनाव होने से समय, संसाधन और शक्ति की बचत होगी, जो विकसित भारत के लिए जरूरी है।

नगर पालिका अध्यक्ष पार्वती बारस्कर ने कहा कि बार-बार चुनाव से प्रशासनिक खर्च बढ़ता है और संसाधनों की बर्बादी होती है। यदि चुनाव एक साथ होते हैं, तो चुनावी खर्च में भी कटौती होगी। उन्होंने कहा कि नगर परिषद इस विषय पर प्रस्ताव लाकर अपना समर्थन देगी। अभियान के जिला संयोजक अतीत पंवार ने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन से मतदाताओं की जागरूकता बढ़ेगी और उनमें मतदान के प्रति उत्साह भी विकसित होगा, जिससे मतदान प्रतिशत में भी बढ़ोतरी होगी। इसके लिए संसद में प्रस्तुत विधेयक को पारित कराने और इसे कानूनी रूप देने के प्रयास किए जाने चाहिए। परिचर्चा का संचालन करते हुए जिला सह संयोजक जयदीप रूनवाल ने कहा कि एक साथ चुनाव होने से राजनीतिक अस्थिरता में कमी आएगी, जिससे नीति निर्माण में स्थिरता बनी रहेगी और सुशासन को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम के अंत में नगर पालिका उपाध्यक्ष महेश राठौर ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर विकास मिश्रा, आनंद प्रजापति, तरूण ठाकरे, कैलाश धोटे, पवन यादव, पिंटू परिहार, राजेश पानकर, चाणक्य राखडे, ममता मालवी, रेणुका यादव, वर्षा बारस्कर, आशा निरापुरे, रजनी वर्मा, कल्पना धोटे, सोमती धुर्वे, कायम कावरे, आभा श्रीवास्तव, शीला पिंटू महाले, अंजूरानी शर्मा, वरूण धोटे, नरेन्द्र हरसूले, संतोष भलावी, विजय जसूजा, राजा सूर्यवंशी सहित बड़ी संख्या में नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सीएमएचओ ने शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र विनोबा नगर का किया निरीक्षण

बैतूल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रविकांत उइके ने गुरुवार को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र विनोबा नगर का औचक निरीक्षण किया। सीएमएचओ डॉ.उइके ने निरीक्षण के दौरान मरीजों की सेवाओं तथा ओपीडी दवाईयों के रखरखाव, चिकित्सा अधिकारीं एवं कर्मचारियों की उपस्थिति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने शासन द्वारा संचालित समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रमों में प्रगति लाने, स्वास्थ्य सुविधाओं के सुचारू रूप से संचालन, आयुष्मान कार्ड में प्रगति लाने के आवश्यक निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान एनएमए शेखर हारोडे उपस्थित रहे।

पालकों को निश्चित दुकान से ही पाठ्य सामग्री खरीदने के लिए बाध्य न किया जाएः कलेक्टर

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने जिले में अशासकीय शालाओं के संचालन, विद्यार्थियों से लिए जाने वाले शुल्क सहित अन्य विषयों पर गुरुवार को दिशा-निर्देश जारी किए है। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि बैतूल जिले के अंतर्गत संचालित सीबीएसई, आईसीएसई, मध्यप्रदेश शासन माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल से सम्बद्ध मान्यता प्राप्त विद्यालयों में उक्त निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। निर्देश उल्लंघन करने की स्थिति में आईपीसी की धारा 188 के तहत न्यायालयीन कार्यवाही के साथ संबंधित दोषी विद्यालय की नियमानुसार मान्यता समाप्त करने, अनापत्ति वापस किए जाने की कार्यवाही की जाएगी। जारी आदेश के अनुसार विद्यालय में पाठ्य पुस्तकों के निर्धारण करते समय सीबीएसई बोर्ड से सम्बद्ध शालाओं के प्रबंधन द्वारा सीबीएसई के परिपत्र में निहित निर्देशों को ध्यान में रखा जाए, जिसके अंतर्गत विद्यार्थी पालकों को एनसीईआरटी सीबीएसई पाठ्य पुस्तकों से इतर पुस्तकें क्रय किये जाने के लिए बाध्य न किया जाए। शाला परिसर या शाला द्वारा निर्देशित विक्रेताओं या किसी निश्चित दुकान से पाठ्य पुस्तकें, कॉपी, पेन, पेंसिल, यूनिफार्म अन्य शिक्षण सामग्री क्रय करने के लिये अस्वाभाविक एवं असामान्य निर्देश जारी कर बाध्य न किया जाए। छात्र या अभिभावक इन सामग्रियों को खुले बाजार से क्रय करने के लिए स्वतंत्र होंगे। सीबीएसई के परिपत्र में स्पष्ट किया गया है, बहुत अधिक पाठ्य पुस्तकों, जो कि शैक्षणिक रूप से अप्रामाणिक हैं, को निर्धारित करना और अभिभावकों एवं बच्चों को उनको खरीदने के लिए बाध्य करना अनुचित व्यवहार है। विशिष्टत- क्योंकि एनसीआरटी विषय सामग्री बोर्ड की परीक्षा के प्रश्नों को तैयार करने के लिए आधार हैं और सीबीएसई में प्रश्न पत्र, विषय निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार तैयार किया जाता है। इसी प्रकार सीबीएसई परिपत्र के माध्यम से राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा एनसीएफ 2005 के आधार पर विभिन्न कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम निर्धारण करते हुए कक्षावार उपयोग में लाई जाने वाली पाठ्य पुस्तकों की मानक संख्या एवं सूची जारी की गई है, जिसके अनुसार कक्षा 1 एवं 2 के लिये 03, कक्षा 3 एवं 4 के लिये 04, कक्षा 5 के लिये 06, कक्षा 6 एवं 7 के लिये 10, कक्षा 8 के लिये 13, इसी प्रकार कक्षा 9 से 12 के लिए पुस्तकों की सूची जारी की गई है, उक्त के अनुपालन में बच्चों के बस्ते का वजन कम रखने साथ ही प्रामाणिक स्तर की पुस्तकों का चयन निर्धारण समिति के माध्यम से किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

चौपाटी संचालकों की बैठक आयोजित, एसपी ने दिए आवश्यक निर्देश

बैतूल। पुलिस कंट्रोल रूम बैतूल में चौपाटी दुकान संचालकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी, एसडीओपी बैतूल सुश्री शालिनी परस्ते, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस (अजाक) शिखा भलावी, प्रभारी सीन ऑफ क्राइम निरीक्षक आबिद अंसारी, रक्षित निरीक्षक बैतूल, यातायात प्रभारी बैतूल एवं चौपाटी क्षेत्र के समस्त दुकान संचालक उपस्थित रहे। बैठक में दुकानदारों को निर्देश दिये गये कि चौपाटी में स्थित सभी दुकानों में कार्यरत कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन करवाना आवश्यक होगा। यदि कोई बाहरी व्यक्ति बिना पुलिस को सूचना दिए कार्यरत है, तो उसकी जानकारी तुरंत संबंधित थाना प्रभारी या पुलिस अधिकारियों को दी जाए। हाल ही में जिले में हुई घटना को ध्यान में रखते हुए, बाहरी संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखना आवश्यक है ताकि इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। चौपाटी में आने वाले ग्राहकों की अव्यवस्थित पार्किंग के कारण होने वाली समस्या को दूर करने के लिए दुकान संचालक अपनी सहभागिता से पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करें। पार्किंग व्यवस्था संभालने के लिए कुछ लोगों को नियुक्त किया जाए जो जैकेट पहनकर व्यवस्था

सुचारू रूप से बनाए रखें। नगर पालिका की सूची के अनुसार जांच की जाए कि दुकान उन्हीं संचालकों द्वारा चलाई जा रही है, जिन्हें आवंटित की गई है। यदि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से संचालन किया जा रहा है तो इसकी जानकारी पुलिस को दी जाए।

संदिग्ध गतिविधियों की सूचना दें- बैठक में कहा गया कि किसी भी प्रकार की सामाजिक या आपराधिक गतिविधि की जानकारी तुरंत नजदीकी पुलिस थाना या पुलिस अधिकारियों को दी जाए। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि बैतूल पुलिस अपराधियों के प्रति संवेदनशील है और अपराधों की रोकथाम के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बैठक में चौपाटी संचालकों को यह भी निर्देशित किया गया कि वे ग्राहकों की सुविधाओं को बेहतर बनाने, असामाजिक तत्वों के प्रति सतर्क रहने एवं किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना पुलिस को तत्काल देने में सहयोग करें।

अनुकम्पा नियुक्ति के प्रकरणों को पूरी संवेदनशीलता से समय पर निराकरण कराएं: कमिश्नर

कमिश्नर ने कलेक्ट्रेट कार्यालय बैतूल का किया निरीक्षण

बैतूल। कमिश्नर नर्मदापुरम संभाग केजी तिवारी ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट बैतूल का औचक निरीक्षण कर कार्यालयीन व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सबसे पहले कमिश्नर श्री तिवारी ने स्थापना शाखा का निरीक्षण किया और यहां कलेक्टर कार्यालय की संरचना, पदक्रम सूची और स्वीकृत और रिक्त पदों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देशित किया कि कार्यालय की पदक्रम सूची यथा शीघ्र जारी की जाएं। प्रयास करे कि 30 अप्रैल तक पदक्रम सूची प्रकाशित कराएं। पदक्रम सूची जिले की वेबसाइट पर अपलोड की जाए। कमिश्नर श्री तिवारी ने कर्मचारियों के समयमान वेतनमान,वेतन निर्धारण और भुगतान की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि समयमान वेतनमान निर्धारण के लिए गठित परामर्शदात्री समिति की बैठक निर्धारित 3 महीने के अंतराल में अनिवार्य रूप से की जाएं। उन्होंने अधिकारियों कर्मचारियों के अवकाश पंजी का भी अवलोकन कर प्रभारी अधिकारी को हस्ताक्षर अवश्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने अनुकम्पा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि अनुकम्पा नियुक्ति शासन की महत्वपूर्ण योजना है। ऐसे प्रकरणों में व्यक्तिगत रुचि लेकर प्रकरणों में नियुक्ति कराएं। अनुकम्पा नियुक्ति में अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रभारी अधिकारी भी पूरी गंभीरता से समय-समय पर कार्यालय के टेबल निरीक्षण करतें रहें।

कमिश्नर श्री तिवारी ने अधिकारी, कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका का भी अवलोकन कर निर्देश दिए कि कर्मचारियों की सेवा पुस्तिका और आईएफएमआईएस पोर्टल में विसंगति न हो। उन्होंने दल बनाकर सेवा पुस्तिका का निरीक्षण करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा है कि सेवा पुस्तिका पूर्ण है और आईएफएमआईएस पोर्टल के अनुरूप हैं कि सील भी सेवा पुस्तिका में लगाई जाए।

उन्होंने भू अभिलेख शाखा अंतर्गत सर्वेयर के भुगतान, स्वामित्व योजना और पीएम किसान सम्मान निधि और मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में ईकेवाईसी की भी समीक्षा की। उन्होंने सर्वेयर का शीघ्र भुगतान करने के निर्देश दिए। इस दौरान कमिश्नर श्री तिवारी ने राजस्व न्यायालयों का निरीक्षण कर आरसीएमएस में दर्ज प्रकरणों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी राजस्व प्रकरण आरसीएमएस में दर्ज किया जाएं। उन्होंने कहा कि जिन प्रकरणों में आदेश पारित हो गए हैं, उनमें प्रमाण पत्र जारी कर उन्हें क्रम से रिकॉर्ड रूम जमा कराएं। उन्होंने राजस्व प्रकरणों का निर्धारित समय सीमा में निराकरण करने गए निर्देश दिए। इस दौरान अपर आयुक्त श्री आरपी सिंह, कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, संयुक्त आयुक्त श्री पीसी दोहर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बेसहारा हुए बच्चों को बैतूल विधायक ने दी सांत्वना

बैतूल। विधानसभा क्षेत्र के परतापुर ग्राम में हुई घटना में मॉ का निधन होने एवं पिता के न्यायिक हिरासत में जाने से बेसहारा हुए तीन मासूम बच्चो से मिलने 26 मार्च को उनके घर पहुचे बैतूल विधायक हेमन्त खण्डेलवाल ने बच्चो को सांत्वना देकर 20 हजार रुपए की नगद आर्थिक सहायता दी और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। बैतूल विधायक ने बच्चो और रिश्तेदारों से कहॉ कि इस दुख की घड़ी में बच्चो की परवरिश की चिंता करने के साथ ही उनकी पढाई की जिम्मेदारी उठाएगें। दुखी बच्चो को बैतूल विधायक ने आत्मीयता से दुलार कर संबल प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि गत दिनो परतापुर ग्राम में घटित घटना में एक महिला का निधन हो गया था और उसके पति न्यायिक हिरासत में है। परिणाम स्वरूप उनके तीनों बच्चे सृष्टि सिरसाम (15 वर्ष) ,दिव्यानी सिरसाम (12 वर्ष) एवं देव सिरसाम (9 वर्ष) बेसहारा हो गये है। बुधवार को बैतूल विधायक श्री हेमन्त खण्डेलवाल ने परतापुर ग्राम में स्थित उनके निवास पर पहुचकर बच्चो को सांत्वना दी। बैतूल विधायक ने तीनों भाई- बहनो की पढाई की जिम्मदारी लेकर बच्चो के मामा,बुआ,नानी सहित अन्य रिश्तेदारों, ग्रामीणों से उनकी पढाई के संबंध में चर्चा की। उन्होने रिश्तेदारों से कहा कि बेसहारा हुए बच्चो के भविष्य निर्माण के लिए उन्हे आगे पढाना जरूरी है। यदि रिश्तेदार सहमति देंगें तो तीनों बच्चो का बैतूल स्थित हॉस्टल में एडमिशन करवा देगें। जिससे बच्चो को सुरक्षात्मक माहौल में आगे की पढाई का मौका मिलेगा। बैतूल विधायक ने कहा कि यदि रिश्तेदार हॉस्टल भेजने के लिए सहमत नही होते है तो बच्चे जहॉ भी पढाई करेगें वे उनकी पढाई की जिम्मदारी लेगें। उन्होने तीनों बच्चो के हॉस्टल में एडमिशन कराने को लोकर जनजातीय कार्य विभाग बैतूल की सहायक आयुक्त से मोबाईल पर चर्चा की। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में सृष्टि कक्षा 10 वी, दिव्यानी कक्षा 7 वी एवं देव कक्षा 4 थी में अध्ययनरत है। बैतूल विधायक के साथ भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार, मण्डल अध्यक्ष सुनिल पवार, जनपद सदस्य श्रीमती रामबाई पदाम, सरपंच उत्तम सूर्यवंशी, सेवाराम सूर्यवंशी सहित ग्रामीण, पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आज का लौंडा : अनुभव पार कब मिलेगी जगह?

समाज

डॉ. सत्यकांत त्रिवेदी

लेखक वरिष्ठ मनोचिकित्सक हैं।

भारत जैसे देश में अनुभव को अक्सर ज्ञान और निर्णय लेने की अंतिम कसौटी मान लिया जाता है। जब कोई युवा अपनी राय रखता है, तो उसे 'तू तो अभी लौंडा है' जैसे व्यंग्य सुनने पड़ते हैं। यह सिर्फ एक वाक्य नहीं, बल्कि एक मानसिकता है जो युवा दृष्टिकोण को दबाने का काम करती है।

सीनियरिटी का सम्मान अपनी जगह है, लेकिन जब अनुभव को योग्यता से ऊपर रखा जाता है, तब समाज खुद को प्रगति के रास्ते में रोक लेता है। किसी भी क्षेत्र में नए विचार और नवाचार तभी जन्म लेते हैं जब युवा खुलकर अपनी बात रख पाते हैं।

मनोचिकित्सक के तौर पर मैं देखता हूँ कि जब युवाओं के विचारों को लगातार खारिज किया जाता है, तो यह उनके आत्म-सम्मान को ठेस पहुंचाता है। इससे एंग्जायटी, डिप्रेशन और इम्पोस्टर सिंड्रोम जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं।

अनुभव की दीवार और युवा ऊर्जा

रचनात्मकता पर रोक- वरिष्ठता के नाम पर नवाचार को अनदेखा करना किसी भी संस्था को पीछे ले जाता है।

खुद पर संदेह- जब युवा अपनी बात रखने से डरने लगते हैं, तो वे आत्म-संशय और हीन भावना का शिकार हो सकते हैं।

पूर्वाग्रह और पक्षपात- 'सीनियर है तो सही होगा' जैसी सोच, संस्थाओं में कॉग्निटिव बायस को बढ़ावा देती है।

सामाजिक पृष्ठभूमि का बोझ

अब सवाल ये भी उठता है कि युवा की राय को किस आधार पर स्वीकार या अस्वीकार किया जाता है। अगर आप किसी प्रभावशाली परिवार से नहीं हैं या आपकी पहचान किसी बड़े सिविल अधिकारी या उद्योगपति के बेटे के रूप में नहीं है, तो आपकी राय को अक्सर 'बचकाना' कहकर खारिज कर दिया जाता है।

विडंबना यह है कि सिविल अधिकारियों और संपन्न परिवारों के युवाओं को भी अपनी कम्युनिटी में गंभीरता से नहीं लिया जाता। उनके विचारों को भी अकसर 'संरक्षित परवरिश' का परिणाम कहकर हल्के में लिया जाता है। ऐसे में योग्यता की जगह नाम और पद की चमक ही चर्चा का केंद्र बन जाती है।

युवा आवाज़ों को कैसे दें महत्व?

सुनने की आदत डालें- युवाओं को सुनना और उनके विचारों पर चर्चा करना एक बेहतर समाज की नींव है।

रिवर्स मेंटरशिप- वरिष्ठ प्रबंधकों को युवाओं से नई तकनीक और आधुनिक दृष्टि के बारे में सीखना चाहिए।

मानसिक स्वास्थ्य समर्थन- कार्यस्थलों और शैक्षणिक संस्थानों में काउंसलिंग और मेंटल हेल्थ अवेयरनेस को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

समान अवसर- विचारों का मूल्यांकन पृष्ठभूमि के बजाय योग्यता और दृष्टिकोण के आधार पर किया जाना चाहिए।

'आज का लौंडा' कहकर युवाओं की राय को खारिज करना, समाज को पीछे ले जाने जैसा है। युवा ऊर्जा और अनुभव का संयोजन ही किसी भी समाज को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकता है।

इसलिए अगली बार जब कोई युवा अपना दृष्टिकोण रखे, तो उसकी उम्र नहीं, उसकी सोच को परखें। हो सकता है, वही विचार समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की ताकत रखता हो।

जब न्याय प्रहरी ही कटघरे में आ जाए

मुद्दा

गंगा पाण्डेय

भारतीय लोकतंत्र में न्यायपालिका को सर्वोच्च सम्मान प्राप्त है। यह न केवल विधि के शासन को सुनिश्चित करती है, बल्कि जनता के अधिकारों की रक्षा का भी महत्वपूर्ण कार्य करती है। न्यायाधीशों को निष्पक्षता, ईमानदारी और नैतिकता का प्रतीक माना जाता है, क्योंकि उन्हीं पर समाज को न्याय देने की ज़िम्मेदारी होती है। लेकिन जब वही प्रहरी संदेह के घेरे में आ जाए, तो यह न केवल न्यायिक व्यवस्था के लिए, बल्कि पूरे लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चुनौती बन जाती है। हाल ही में जस्टिस वर्मा के घर से जले हुए नोटों के मिलने की घटना ने न्यायपालिका की निष्पक्षता पर गहरा आघात किया है। यह एक ऐसी घटना है, जिसने पूरे देश में चर्चा और चिंता का माहौल पैदा कर दिया है।

यह घटना इस ओर इशारा करती है कि क्या हमारे न्यायाधीश भी अब भ्रष्टाचार के दायरे में आने लगे हैं? भारत में न्यायपालिका को अब तक निष्पक्ष और पवित्र माना जाता रहा है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में कई ऐसी घटनाएँ सामने आई हैं, जिन्होंने इस छवि को धूमिल किया है। जले हुए नोटों की बरामदगी ने इस बात की आशंका को जन्म दिया है कि क्या यह काले धन को नष्ट करने का प्रयास था? क्या इसके पीछे कोई बड़ा घोटाला छिपा हुआ है? जब न्याय के मंदिर में बैठे लोग स्वयं ही संदेह के दायरे में आ जाते हैं, तो आम जनता के मन में संदेह पैदा होना स्वाभाविक है।

यह घटना केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी न्यायिक व्यवस्था पर सवाल खड़ा करती है। भारत में न्यायाधीशों की नियुक्ति और उनके कार्यों की निगरानी के लिए कोई सख्त बाहरी तंत्र नहीं है। कॉलेजियम प्रणाली के कारण न्यायपालिका आत्म-नियंत्रण के सिद्धांत पर कार्य करती है, जो कई बार पारदर्शिता में बाधक बन जाती है। यही कारण है कि जब किसी न्यायाधीश पर भ्रष्टाचार या अनियमितता के आरोप लगते हैं, तो उनकी जाँच की प्रक्रिया भी जटिल और अपारदर्शी हो जाती है। इस तरह की घटनाएँ यह स्पष्ट संकेत देती हैं कि न्यायपालिका में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने की आवश्यकता है।

न्यायाधीशों से अपेक्षा की जाती है कि वे केवल कानून के संरक्षक नहीं होंगे, बल्कि नैतिकता और आदर्शों के भी प्रतीक होंगे। वे समाज के लिए मार्गदर्शक होते हैं, इसलिए उनकी निष्पक्षता और ईमानदारी संदेह से परे होनी चाहिए। लेकिन जब वे स्वयं भ्रष्टाचार या संदेहास्पद गतिविधियों में लिप्त पाए जाते हैं, तो यह न केवल न्याय व्यवस्था को कमजोर करता है, बल्कि जनता के विश्वास को भी गहरा आघात पहुँचाता है। इससे अपराधियों के हौसले बढ़ते हैं और आम नागरिकों का कानून पर से भरोसा उठने लगता है।

इस तरह की घटनाओं को हल्के में नहीं लिया जा सकता। इसकी निष्पक्ष और गहन जाँच आवश्यक है ताकि सच को सामने लाया जा सके और यदि कोई दोषी पाया जाए, तो उसे सख्त से सख्त सजा दी जाए। इसके साथ ही, न्यायपालिका में सुधारों की भी आवश्यकता है ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएँ न दोहराई जाएँ। न्यायाधीशों की वित्तीय गतिविधियों की निगरानी, उनकी संपत्तियों का सार्वजनिक खुलासा और न्यायिक नियुक्ति प्रणाली में अधिक पारदर्शिता लाने की दिशा में ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

यदि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पनपने लगे, तो यह पूरे समाज के लिए खतरे की घंटी होती है। जस्टिस वर्मा के घर से जले हुए नोटों की बरामदगी केवल एक व्यक्तिगत घटना नहीं है, बल्कि यह हमारे न्यायिक तंत्र में व्याप्त संभावित दोषों की ओर संकेत करती है। इसे एक चेतावनी के रूप में लेना चाहिए और न्यायपालिका को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और जवाबदेह बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाने चाहिए। जब तक न्याय के मंदिर को भ्रष्टाचार से मुक्त नहीं किया जाता, तब तक कानून के शासन पर संदेह बना रहेगा और जनता का विश्वास कमजोर होता रहेगा।

भव्यता और सौहार्द्र से संपन्न होगा ईद-उल-फित्र का पावन पर्व

भोपाल। इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के तत्वावधान में आगामी 31 मार्च या 1 अप्रैल को पवित्र त्योहार ईद-उल-फित्र का आयोजन पूरे उल्लास और धार्मिक श्रद्धा के साथ किया जाएगा। इस शुभ अवसर पर हजारों की संख्या में लोग ईदगाह में एकत्र होकर सामूहिक रूप से विशेष नमाज अदा करेंगे और परस्पर प्रेम व भाईचारे का संदेश देंगे।

कमेटी की ओर से आग्रह किया गया है कि प्रशासन एवं नगर निगम आवश्यक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखें, जिससे सभी लोग निर्बाध रूप से अपनी इबादत कर सकें। साफ-सफाई, जल आपूर्ति, विद्युत व्यवस्था एवं सुरक्षा की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए नगर प्रशासन का सहयोग अपेक्षित है। ऑल इंडिया मुस्लिम त्योहार कमेटी के चेयरमैन हाफिज अहमद शाहमीरी खुर्रम चिश्ती ने सभी भारत वासियों से अपील की है कि वे भाईचारे और सौहार्द्र की भावना को सुदृढ़ करें तथा इस पावन अवसर को प्रेम और शांति के साथ मनाएं।

भोपाल मंडल के रानी कमलापति,नर्मदापुरम एवं इटारसी स्टेशन से होकर गुजरेगी

भोपाल। रेल प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में, गाड़ी संख्या 01663/01664 रानी कमलापति-सहरसा - रानी कमलापति साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन (13-13 ट्रिप) चलाई जा रही है, जो भोपाल मंडल के नर्मदापुरम एवं इटारसी स्टेशनों पर ठहरकर गंतव्य तक जाएगी।

गाड़ी संख्या 01663 रानी कमलापति - सहरसा साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन (13 ट्रिप)

गाड़ी संख्या 01663 रानी कमलापति - सहरसा विशेष ट्रेन दिनांक 07 अप्रैल 2025 से 30 जून 2025 तक प्रत्येक सोमवार को रानी कमलापति स्टेशन से शाम 16:30 बजे प्रस्थान कर, (उसी दिन) मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए शाम 17:40 बजे नर्मदापुरम, शाम 18:15 बजे इटारसी स्टेशन एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव के बाद अगले दिन दोपहर 15:15 बजे सहरसा स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 01664 सहरसा - रानी कमलापति विशेष ट्रेन दिनांक 08 अप्रैल 2025 से 01 जुलाई 2025 तक प्रत्येक मंगलवार को शाम 18:30 बजे सहरसा स्टेशन से प्रस्थान कर, अगले दिन मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए शाम 18:35 बजे इटारसी, शाम 19:20 बजे नर्मदापुरम एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव के बाद अगले दिन रात 21:10 बजे रानी कमलापति स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी के हाल्ट- रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में रानी कमलापति, नर्मदापुरम, इटारसी जंक्शन, पिपरिया, गाडरवारा, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर जं., बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., मानसी जं. स्टेशनों पर रुकेगी।

दिगम्बर जैन मुनि संघ का 29 को होगा धार में प्रवेश, समाजजन तैयारियों में जुटा

धार। दिगंबर जैन मुनियों का संघ का मंगल प्रवेश धार में 29 मार्च को होने जा रहा है। दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष श्रेणिक गंगवाल, संजय छाबड़ा साचिव ने जानकारी देते हुए बताया कि यह धार का समाज का सौभाग्य हैकि मुनियों के संघ का मंगल प्रवेश कई वर्षों बाद हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि मुनि श्री संघ ने मनावर से धार के ओर विहार कर दिया है। मीडिया प्रभारी सुभाष जैन ने बताया कि मुनि श्री संघ में चार मुनि श्री है, जो विशुद्ध सागर महाराज के परम शिष्य हैं। समाज के पदाधिकारीगण उनके आगमन की तैयारी में जुटे हुए हैं। आने वाले संघ में मुनि श्री प्रशम सागर जी महाराज, मुनि श्री साध्य सागर जी महाराज, मुनि श्री प्रणुत सागर जी महाराज एवं मुनि श्री जयेंद्र सागर जी महाराज शामिल है। मुनि श्री संघ का प्रवेश भोजशाला प्रांगण से प्रातः 8 बजे होगा। इसके पूर्व 28 मार्च को दिगंबर जैन मानतुंगगरी तीर्थ में मंगल प्रवेश होगा और रात्रि विश्राम करने के बाद धार की ओर विहार कर देंगे।

किसानों, महिलाओं, युवाओं का भविष्य चौपट कर रही है मप्र सरकार: हरीश चौधरी

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और अभा कांग्रेस सचिव रणविजय सिंह ने आज रीवा प्रवास के दौरान रीवा, गुढ़, त्योंथर, मनगवां, सिरमौर एवं सिमरिया एवं मऊगंज जिले की मऊगंज एवं देवतालाब विधानसभा क्षेत्र के विधानसभावार कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक चर्चा कर पार्टी गतिविधियों की समीक्षा की तथा आगामी रणनीति पर भी चर्चा की। प्रदेश में व्याप्त जनहितैषी विपरीत परिस्थियों पर सरकार को जमकर कोसा। इसके पूर्व नेतागणों ने मैहर में

रीवा में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुये श्री चौधरी ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार में महिलाओं, किसानों और युवाओं का भविष्य चौपट हो रहा है। महिलाओं को सुरक्षा और सम्मान देने में नाकाम हैं प्रदेश सरकार। किसानों के साथ अन्याय और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करना इस सरकार की दिनचर्या बन गयी है। कांग्रेस इन वर्गों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ेगी और उनको उनका हक अवश्य दिलायेगी।

श्री पटवारी ने कहा कि स्वर्गीय श्रीनिवास तिवारी, स्वर्गीय अर्जुन सिंह, डॉ. राजेन्द्र सिंह, अजयसिंह राहुल भैया जैसे नेताओं के संघर्ष और जनता के अधिकारों की लड़ाई लड़कर उनका हक दिलाने से विंध्य की पहचान है। हमारी राजनैतिक विचारों की एकता ही गरीब, किसान, महिलाओं, युवाओं को उनका हक अवश्य दिलायेगी।

श्री पटवारी ने किसानों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ सरकार पर जमकर हमला बोलते हुये कहा कि लोकतंत्र का तकाजा है कि किसानों के हित में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को जान भी देना पड़े तो वे पीछे नहीं हटेंगे। मप्र सरकार लैंड पूलिंग एक्ट के तहत किसानों की जमीन हड़पना चाहती है। सरकार ने 50 हजार रूपये स्कयर फिट वाली जमीन 100-200 रूपये के हिसाब से खरीदी, बिना मुआवजा दिये सरकार ने किसानों की जमीन ले ली। यह किसानों के साथ अन्याय और धोखा है। जमीन खरीदी में राजेन्द्र शुक्ला की हिस्सेदारी चल रही है। कांग्रेस पार्टी भाजपा के इस मंसूबे को पूरा नहीं होने देगी, किसानों की जमीन हड़पने के मामलों को लेकर कल सिंगरौली से सरकार के खिलाफ बिगुल बजाया जायेगा। उन्होंने कहा कि यदि गूगल में सर्च करो तो प्रदेश में भाजपा के 10 बलात्कारी नेताओं के नाम सबसे ऊपर आयेंगे, 10 भ्रष्टाचारी नेताओं के नाम सामने आयेंगे और यदि भ्रष्टाचारी सरकार का नाम सर्च करो तो मप्र की भ्रष्ट सरकार का नाम सबसे पहले आयेगा। हमारा दायित्व है कि हम जनता को इनकी काली करतूतें पूरी ताकत के साथ बतायें।

श्री पटवारी ने कहा कि पिछले साथ विधानसभा और लोकसभा के चुनाव में परिणाम विपरीत आयें, लेकिन तीन उपचुनाव में जनता ने कांग्रेस के पक्ष में अपना मत दिया। बुधनी में डेढ लाख के अंतर को 10 हजार पर ला दिया, अमरवाड़ा में कलेक्टर द्वारा जीता चुनाव हरवाया दिया और विजयपुर में भाजपा ने 50 करोड़ रू. बाटें, पूरा मंत्रीमण्डल, पूरा प्रशासन, कलेक्टर बड़े-बड़े अधिकारी चुनाव में भाजपा को जिताने में लगा दिये, बावजूद जनता ने लोकतंत्र का सम्मान किया और कांग्रेस ने वहां जीत हासिल की।

श्री पटवारी ने कहा कि रीवा-सतना के अधिकांश मरीज नागपुर इलाज कराने जाते हैं। रीवा से डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ला ने यहां कोई विकास नहीं किया। न तो यहां डॉक्टर हैं, ना अस्पताल। उन्होंने कहा कि यदि राजेन्द्र शुक्ला जी को अपने काम का आंकलन करना है तो वे रीवा से नागपुर जाने वाली टेउन और बस में सफर करें, जिसमें यहां से रोज बड़ी संख्या में मरीज नागपुर इलाज कराने जाते हैं। रीवा में मेडिकल कालेज में नियमानुसार मरीजों को कोई इलाज नहीं मिल रहा है। मप्र की स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह से ठप्प हैं।

मऊगंज की घटना पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुये श्री पटवारी ने कहा कि मप्र का चेहरा भाजपा राज में कलंकित हुआ है, महिलाओं, बच्चियों की आबरू संकट में है। कानून का खौफ प्रदेश से समाप्त हो चुका है। जंगल राज और माफिया राज बन चुका हैं मप्र।

श्री पटवारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पूरे प्रदेश में पंचायत स्तर पर कांग्रेस कमेटियां और शहरी क्षेत्रों में मोहल्ला कमेटी गठित करेगी, जिससे हमारा संगठन मजबूत होगा और जनविरोधी सरकार के खिलाफ हमारा संघर्ष सतत जारी रहेगां

रीवा में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में कांग्रेस के विचार को जन-जन तक पहुंचाने के लिए वरिष्ठ नेतागण डॉ. राजेन्द्र सिंह, अजय सिंह राहुल भैया, कमलेश्वर पटेल, अभा कांग्रेस के सचिव सह प्रभारी रणविजय सिंह सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी कार्यकर्ताओं से संवाद कर जनसभा को संबोधित किया। इस अवसर पर, विधायकगण सिद्धार्थ कुशवाह जी, अभय मिश्रा जी, जिला प्रभारी संजय शर्मा जी, रीवा जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा जी, पूर्व विधायक सुखेन्द्र बना जी, महापौर अजय मिश्रा जी, वरिष्ठ नेता राजमणि पटेल जी, मऊगंज जिला अध्यक्ष पद्मेश गौतम जी सहित वरिष्ठ नेतागण व बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

एम्स भोपाल के डॉक्टरों द्वारा लिखित पुस्तक हाइपोक्सिया और ट्यूमर माइक्रो एनवायरनमेंट का विमोचन

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में कैंसर अनुसंधान केक्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में हाइपोक्सिया और ट्यूमर माइक्रोएनवायरनमेंट-कैंसर थेरेपी पर प्रभाव पुस्तक का विमोचन किया गया है। इस पुस्तक के सह-लेखक डॉ. सुखेश मुखर्जी और प्रो. (डॉ.) जगत आर. कंवर हैं। यह पुस्तक कैंसर जैविकी और कम ऑक्सीजन स्तर (हाइपोक्सिया) के बीच की जटिल कड़ी को विस्तार से समझाती है और कैंसर उपचार के क्षेत्र में नई संभावनाओं को प्रस्तुत करती है। यह पुस्तक बताती है कि ऑक्सीजन की कमी (हाइपोक्सिया) कैंसर कोशिकाओं पर कैसे असर डालती है। इसमें डीएनए को होने वाला नुकसान, ट्यूमर पर शरीर की इम्यून प्रतिक्रिया, और ट्यूमर में नई रक्त वाहिकाओं (एंजियोजेनिसिस) के बनने जैसे विषय शामिल हैं। साथ ही, यह कैंसर के इलाज के नए तरीकों पर भी चर्चा करती है, जिनमें खासतौर पर इम्यूनोथेरेपी को बेहतर बनाने की रणनीतियाँ शामिल हैं। यह डॉ. सुखेश और प्रो. जगत की दूसरी पुस्तक है, जो 2023 में आई उनकी पहली पुस्तक के बाद प्रकाशित हुई है। यह किताब छात्रों, शोधकर्ताओं और डॉक्टरों के लिए उपयोगी साबित होगी, जो कैंसर के इलाज में नई उम्मीदें जगाएगी।

इस अवसर पर प्रो. सिंह ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, डॉ. सुखेश और प्रो. जगत का यह सामूहिक प्रयास कैंसर थेरेपी में हाइपोक्सिया की चुनौतियों को समझने और उनसे निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह पुस्तक कैंसर रोगियों के लिए नए और प्रभावी उपचार विकसित करने में सहायक सिद्ध होगी।

राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता

कबड्डी हमारी संस्कृति की पहचान: विधायक विजयपाल सिंह

सुबह सवेरे सोहागपुर। कबड्डी हमारी संस्कृति की पहचान है। कब्बड्डी में युवा लोग जुड़ रहे हैं। वर्तमान में युवा नशे की तरफ जा रहे हैं। हमें युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए खेलों से जोड़ना होगा। उक्त उद्गार क्षेत्रीय विधायक विजयपालसिंह ने

सीएम राइज़ स्कूल मैदान पर आयोजित विधायक ट्रॉफी कबड्डी फाइनल मुकाबले के समापन समारोह के अवसर पर कहें। इस अवसर पर पूर्व विधायक सविता दीवान, सरदार सिंह ठाकुर, हमीर सिंह चंदेल, किसान मोर्चा जिलामंत्री भगवान सिंह पटेल, नप अध्यक्ष लता पटेल, आकाश रघुवंशी, वरिष्ठ वकील जे पी माहेश्वरी, यशवंत पटेल, नगर पालिका अधिकारी जीएस राजपूत, सौरभ सोनी, सौरभ तिवारी, दिलीप परदेशी, एकमसिंह राजपूत, वकील शंकरलाल मालवीय, अंकित कुबरे सहित कई गणमान्य नागरिक एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे। समारोह का संचालन पत्रकार संघ अध्यक्ष पवन सिंह चौहान ने किया।भाजपा मंडलाध्यक्ष अश्वनी सरोज ने बताया कि सभी मैच रात्रि में दूधिया रोशनी में खेले गए।

इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में महिला वर्ग में टिमरनी ने तथा पुरुष वर्ग में भोपाल ने जीत हासिल की है।

भाजपा मंडलाध्यक्ष अश्वनी सरोज ने बताया कि सभी मैच रात्रि में दूधिया रोशनी में खेले गए। इस स्तरीय प्रतियोगिता में पुरूष वर्ग भोपाल की टीम को 41हजार एवं ट्रॉफी द्वितीय रीवा को 25 हजार रुपए व ट्रॉफी , तृतीय खातेगांव को 15 हजार रुपए व ट्रॉफी दिए गए। महिला वर्ग में टिमरनी विजेता देहरी को 21 हजार रुपए व ट्रॉफी तथा उपविजेता सेमरी खुर्द को 11 हजार रुपए व ट्रॉफी , जबलपुर एवं रीवा टीम को भी पुरस्कृत किया गया। बेस्ट रेडर मौसम, बेस्ट कैचर रितिक चौरे व बेस्ट आलराउंडर अखिल राजपूत , बेस्ट रेडर ताषू राजपूत, बेस्ट कैचर रंजीता धुर्वे व बेस्ट प्लेयर सुमन नामदेव आदि रहे। समापन के अवसर पर आतिशबाजी भी जलाई गई। इसी क्रम में पत्रकारों का भी सम्मानित किया गया।

ना तो देवी लोक बना ना प्रवचन हाल, सिंहस्थ को लेकर सबसे ज्यादा उपेक्षा देवास की, कांग्रेस ने उठाए सवाल

देवास/ मोहन वर्मा। बड़े जोर शोर के साथ घोषणा की गई थी कि उज्जैन में महाकाल लोक की तर्ज पर देवास स्थित मां चामुंडा माता पहाड़ी के आसपास पाथवे पर देवी लोक का निर्माण किया जाएगा जहां 4 किलोमीटर से अधिक क्षेत्रफल में देवी लोक बनाया जाएगा जहां नौ देवी के रूपों की मनमोहक मूर्तियां रहेगी साथ ही ओपन थिएटर नुमा जगह रहेगी जहां गरबा आदि विविध आयोजन हो सकेंगे सौंदर्य करण के साथ-साज सज्जा कर लाइटिंग की जाएगी , बैठने के लिए सिटिंग एरिया, बच्चों के लिए मनोरंजन की व्यवस्था होगी। साथ ही यह भी बताया गया कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने देवीलोक की स्वीकृति दे दी है वही माइनिंग विभाग से फंड भी रिलीज कर दिया है।

कुछ दिन पूर्व देवी लोक का 3D प्रिंट भी जारी किया गया था।साथ ही शंख द्वारा के समीप एक बड़े प्रवचन हाल का निर्माण पुराने अन्न क्षेत्र के भवन को तोड़कर किया गया है लेकिन वह आज भी अधूरा है। जिसको लेकर आज भी प्रशासन के पास इसके उपयोग को लेकर कोई ठोस कारगर योजना नहीं है प्रवचन हाल नाम जरूर दिया गया है लेकिन यह माता टेकरी के हिसाब से उपयोगी नहीं रहेगा। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनोज राजानी कार्यकारी अध्यक्ष प्रवक्ता सुधीर शर्मा ने बताया कि जब देवी लोक के निर्माण की पूरी तरह से स्वीकृती हो चुकी है, पैसा रिलीज हो चुका है तो फिर देर किस बात की। इसी के साथ जब चामुंडा देव प्रबंध समिति ने प्रवचन हाल का निर्माण शुरू किया था वह आज भी अधूरा क्यों है जबकि देव प्रबंध समिति के पास पैसों की कोई कमी नहीं है। इतना पैसा इस प्रवचन हाल को लेकर लगाया गया है इससे अच्छा होता कि चामुंडा माता टेकरी परिक्रमा मार्ग पर जैसा की अन्य माता टेकरी

के परिक्रमा मार्ग पर टीन शेड बनाए गए हैं इस तरह के टीन शेड पूरी परिक्रमा में लगा दिए जाते तो दर्शनार्थियों को गर्मी और बारिश से बचाए जा सकता था। सिंहस्थ को लेकर जिस तरह राज्य सरकार के द्वारा उज्जैन और उसके आसपास के शहरो को लेकर कार्य योजना मनाई जा रही है उस योजना में देवास पूरी तरह से उपेक्षित है। इंदौर संभाग आयुक्त दीपक सिंह ने सिंहस्थ को लेकर जो कार्य योजना बनाई है उसमें आठ जिलों को मुख्य स्थान दिया गया है जिसमें इंदौर, धार ,झाबुआ,बड़वानी ,सेंधवा ,महेश्वर ,खरगोन ,ओंकारेश्वर ,खंडवा और बुरहानपुर महत्वपूर्ण माना गया है जिनकी दूरी के बारे में अगर बात की जाए तो वह उज्जैन से 60 किलोमीटर 70 किलोमीटर 72 किलोमीटर 90 किलोमीटर 110 किलोमीटर तक दूर है जबकि उज्जैन से लगा देवास मात्र 40 किलोमीटर की दूरी पर है इस शहर को लेकर कोई तवज्जो नहीं दी जा रही है। ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री जी देवास के सांसद, विधायक दोनों की मांग पर या सुझाव पर अमल ही नहीं करना चाहते हैं। कांग्रेस ने मांग की है कि सिंहस्थ की कार्य योजना को लेकर देवास की उपेक्षा नहीं की जाए जो सुविधा अन्य जिलों को दी जा रही है वह सुविधा देवास शहर को भी दी जाए।

शिक्षा सत्र शुरू होने को है और दुकानदार पालकों को लूटने की तैयारी में

देवास। कुछ ही दिनों में नया शिक्षा सत्र शुरू हो जाएगा और निज़ी स्कूल संचालक फला जगह से ड्रेस,फला से कॉपी किताबे,फला से जूते की लिस्ट पालकों को थमा देंगें और फिर शुरू हो जाएगा पालकों की जेब पर कमीशन का अतिरिक्त खर्चा । शिक्षा विभाग द्वारा अभी तक इस विषय पर की जाने वालीं कोई कार्य योजना सामने नहीं आई है । शिक्षा सत्र शुरू होते ही पालकों की एक ही चिंता रहती है कि किताब,कॉपी,ड्रैस बैग बस्ते वाले वाले कमीशनखोर दुकानदारों से अपनी जेब कटवाने से कैसे बचें । हर बार कोर्स बदल जाने या किताबें सिर्फ फला दुकान पर ही मिलेगी और दुकानदार द्वारा मांगे दामों पर ही मिलेगी पालक के सामने मनचाहे दाम चुकाने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता । वैसे इस मामले में जैसे जबलपुर कलेक्टर ने और अब शायद इंदौर कलेक्टर ने भी पालकों को राहत देने की अभिनव पहल की अब देवास में भी की जानी चाहिये जहाँ एक निर्धारित स्थान पर सभी विक्रेताओं के सभी चीजों के दाम तय करके एक या दो दिवसीय मेला लगाना चाहिए और शासकीय अधिकारियों की देखरेख में ये सुनिश्चित हो कि कोई भी निर्धारित कीमतों से अधिक कीमत न ले । किसी भी दुकान से पालक किताब, कॉपी, ड्रैस बैग बस्ते खरीदने को स्वतन्त्र रहे ।

॥ मंदिरम् ॥

68

डोड्डाबसप्पा मंदिर, कर्नाटक

डोड्डाबसप्पा मंदिर भारत के कर्नाटक के डंबल में स्थित 12वीं शताब्दी के पश्चिमी चालुक्य वास्तुशिल्प नवाचार में बनाया गया एक भगवान शिव मंदिर है। दम्बल कोप्पल जिले में स्थित है, गडग शहर से लगभग 20 किलोमीटर दक्षिण पूर्व और इट्टागी से 24 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में। डोड्डाबासप्पा मंदिर का निर्माण 1124-26 ईस्वी में किया गया था और इसे अज्जमेशरा मंदिर के नाम से जाना जाता था क्योंकि इसके निर्माता का नाम अजय नायक था। मंदिर के प्रवेश द्वार पर खड़े बड़े बैल (डोड्डाबसप्पा) नंदी के कारण मंदिर को डोड्डाबसप्पा नाम दिया गया था।

स्पेस पॉलिसी के निर्माण और प्रदेश में इसरो के केंद्र के लिए होंगे प्रयास : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत विज्ञान प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कर रहा नेतृत्व

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रकृति के अनेक रहस्य सुलझाने की क्षमता विज्ञान में हैं। आज विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग से अनेक क्षेत्रों में बड़े परिवर्तन हो रहे हैं। फार्मिंग से लेकर फायनेंस तक मैन्यूफैक्चरिंग से लेकर मेडिसिन तक और एजुकेशन से लेकर कम्यूनिकेशन तक प्रत्येक क्षेत्र का स्वरूप परिवर्तित हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गत एक दशक में भारत ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तीव्र प्रगति की है। राष्ट्र में एक नई ऊर्जा और शक्ति का संचार हुआ है। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की विजनरी नीति का ही परिणाम है कि भारत डिफेंस और अन्तरिक्ष के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है। भारत इस क्षेत्र में गलोबल लीडर बन रहा है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा शीघ्र ही स्पेस पॉलिसी बनाई जाएगी। प्रदेश में इसरो के केंद्र की शुरूआत के लिए भी मंथन प्रारंभ किया गया है। हाल ही में जीआईएस के दौरान विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उपयोग पर केंद्रित 4 नीतियों को लागू करने की पहल इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को उज्जैन में हो रहे राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन/विज्ञान उत्सव और चालीसवें मध्यप्रदेश युवा वैज्ञानिक सम्मेलन का समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) से वर्चुअल रूप से शुभारंभ करते हुए यह बात कही। यह सम्मेलन कालिदास अकादमी परिसर उज्जैन में हो रहा है। कार्यक्रम में कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री गौतम टेटवाल भी वर्चुअल रूप से शामिल हुए।

मध्यप्रदेश को बनाएंगे टेक्नालॉजी और इनोवेशन हब

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में विज्ञान का उपयोग बढ़ाया जाएगा। प्रदेश को टेक्नालॉजी और इनोवेशन हब बनाया जाएगा। हाल ही में इसरो ने स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट अर्थात स्पैडेक्स सैटेलाइट की सफल लॉन्चिंग करते हुए इतिहास रच दिया है। इसके लिए इसरो की टीम बधाई की पात्र है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वैज्ञानिक समाज और विज्ञान प्रौद्योगिकी से जुड़े संस्थानों के सहयोग से मध्यप्रदेश में इसरो की तरह एक केंद्र के विकास पर भी विचार किया जाएगा। वर्तमान में दक्षिण भारत ही ऐसी गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है। उत्तर और मध्य भारत में इस तरह के केंद्र का अभाव है। प्रदेश में चिकित्सा और अन्य क्षेत्रों में भी विज्ञान का प्रयोग बढ़ रहा है। विशेष रूप से कृषि क्षेत्र में ड्रोन का उपयोग हो रहा है। मध्यप्रदेश में ड्रोन के माध्यम से राजस्व के क्षेत्र में भी नक्शे बनाने की शुरूआत की गई है। रायसेन से राष्ट्रीय स्तर पर शहरी बस्तियों के भूमि सर्वेक्षण का पायलेट प्रोजेक्ट शुरू हुआ। प्रदेश के अन्य शहरों में भी जमीन,भूखण्ड और बस्तियों का डिजिटल नक्शा बनाने की पहल हुई है। इससे संपत्ति के स्वामित्व के रिकार्ड्स रखना आसान होगा। अनेक क्षेत्रों में विज्ञान का उपयोग कार्यों को आसान बना रहा है।

उज्जैन है काल गणना का केंद्र, चार नई नीतियों के माध्यम से विज्ञान प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति भी विज्ञान आधारित है। हम अनेक शुभ कार्य नवग्रह पूजन से प्रारंभ करते हैं। विक्रम संवत 2082 आ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्राट विक्रमादित्य के काल से लेकर अब तक उज्जैन के इतिहास,कला, संस्कृति और अध्यात्म के साथ ही विज्ञान के केंद्र होने का उल्लेख करते हुए कहा कि हम सभी उज्जैन को काल गणना के केंद्र के रूप में जानते हैं। इस संबंध में भी निरंतर अनुसंधान हो रहा है। हम नूतन का स्वागत करते हुए पुरातन परम्पराओं को भी साथ रखते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवा वैज्ञानिक सम्मेलन और राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन की थीम 'विकास की बात विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार एक साथ'प्रासंगिक है। प्राचीन भारतीय विज्ञान परम्परा पर आधारित विभिन्न सत्रों का आयोजन सराहनीय है, जिसमें लगभग 300 शोधार्थी और युवा वैज्ञानिक 17 विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत कर रहे हैं। प्रौद्योगिकी और नवाचार आज की आवश्यकता है। हाल ही में सम्पन्न ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आईटी विभाग के माध्यम से 4 महत्वपूर्ण नीतियां मध्यप्रदेश ड्रोन सवर्धन और उद्योग नीति-2025, मध्यप्रदेश एनीमेशन, विजुअल एफैक्टस, गैमिंग कामिक्स और विस्तारित रियलिटी (एवीजीसी- एक्सआर) नीति-2025, मध्यप्रदेश सेमी कंडक्टर नीति-2025 और मध्यप्रदेश वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी)नीति-2025 घोषित की गई हैं। वैज्ञानिक सम्मेलन में स्पेस पॉलिसी बनाने का सुझाव आया है। इस नाते मध्यप्रदेश की स्पेस पॉलिसी तैयार की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन के सभी प्रतिभागियों को भागीदारी के लिए बधाई दी।

शहीद गौतम के परिवार के सदस्य को शासकीय सेवा में लिया जाएगा : सीएम

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास पर मऊगंज जिले के गौतम परिवार को व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा के अंतर्गत एक करोड़ रूपये की राशि का चेक प्रदान किया। भारतीय स्टेट बैंक की पुलिस सेलरी पैकेज योजना में पुलिसकर्मियों को दी जाने वाली पूरक व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा सुविधा के अनुसार परिवार को यह राशि प्रदान की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहीद गौतम के पात्र उत्तराधिकारी को शासकीय सेवा में लेने के निर्देश पुलिस महानिदेशक को दिए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर कहा कि कर्तव्य निवर्हन के दौरान अपने प्राणों को उत्सर्ग करने वाले पुलिस

उपनिरीक्षक श्री रामचरण गौतम की पत्नी श्रीमती पुष्पा को चेक प्रदान करते हुए कहा कि राज्य शासन ने स्व. गौतम को शहीद का दर्जा देते हुए उनके आश्रितों को एक करोड़ रुपए की सहायता राशि स्वीकृत की है। ग्राम गडरा जिला मऊगंज में कर्तव्य निर्वहन करते हुए इस माह पुलिस उप निरीक्षक श्री रामचरण गौतम शहीद हुए। स्व. गौतम के परिवार को बीमा की अनुदान राशि का चेक सौंपे जाने के अवसर पर पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना, सीजीएम एसबीआई म.प्र./छ.ग श्री चंद्रशेखर शर्मा, महाप्रबंधक श्री अजिताभ पाराशर, महाप्रबंधक श्री कुन्दन ज्योति, महाप्रबंधक श्री मनोज कुमार सहित भारतीय स्टेट बैंक के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व. गौतम की धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पा और इस अवसर पर उपस्थित स्व. गौतम के पुत्र श्री धीरेन्द्र और भतीजे श्री सतीश से चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विधि का जो विधान था वह हुआ लेकिन राज्य शासन द्वारा स्व. रामचरण गौतम के परिवार को पूरा सहयोग दिया जाएगा।

एमपी की 3 छात्राएं पीएम मोदी के सामने स्पीच देंगी

युवा संसद में कहा-हम हजारों किमी तीर्थ करते हैं, 500 मीटर वोट डालने नहीं जाते

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश की तीन होनहार लड़कियां संसद के सेंट्रल हॉल में पीएम मोदी के सामने स्पीच देंगी। इनका चयन विधानसभा के मानसरोवर सभागार में 'विकसित भारत' थीम पर आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय युवा संसद में हुआ है।

इनमें इंदौर से सजल जैन, भिंड से यति सिंह सिसोदिया और राशि त्रिपाठी शामिल हैं। वहीं, 3 प्रतिभागियों शिवपुरी से मनीष शर्मा, देवास से भूमिका शर्मा, शहडोल से ओम तिवारी को सांत्वना पुरस्कार मिला है। प्रतियोगिता में प्रदेश के 200 युवा शामिल थे। कार्यक्रम के आखिरी दिन गुरुवार को 'भारतीय संविधान के 75 वर्ष, अधिकार, कर्तव्य और प्रगति की यात्रा' विषय

पर सभी को अपनी बात रखने के लिए 3-3 मिनट का समय दिया गया था।

इस दौरान वक्ताओं ने भारतीय संविधान की अब तक की यात्रा और भविष्य की योजनाओं पर बात रखी। उन्होंने कहा कि संविधान के अधिकार और कर्तव्य समन्वय विकास का प्रारूप बनाते हैं। इसीलिए हर व्यक्ति को यह जानने की जरूरत है कि वह क्या कर सकता है।

टीकमगढ़ में खड़ी गेहूं की फसल में लगी आग

बिजली तारों की स्पार्किंग से 2 एकड़ का खेत जला

टीकमगढ़ (नप्र)। टीकमगढ़ जिले के पलेरा तहसील स्थित बन्ने बुजुर्ग गांव में एक किसान की 2 एकड़ गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। यह हादसा गुरुवार शाम करीब 4:30 बजे माता मंदिर के पास स्थित हरिशंकर राय के खेत में हुआ। खेत में आग लगते ही आसपास के किसान पानी और पेड़ों के पत्ते लेकर आग बुझाने में जुट गए। इसके अलावा ट्रैक्टर से आग लगने वाले स्थान के चारों ओर मिट्टी का कटाव कर दिया। इसके चलते धीरे-धीरे आग पर काबू पाया जा सका। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, खेत के ऊपर से गुजर रही बिजली की लाइन के दो तारों के आपस में टकराने से स्पार्किंग हुई। इससे नीचे खड़ी फसल में आग लग गई। खेतों से उठते धुएं को देख आसपास काम कर रहे किसानों में हड़कंप मच गया। आग की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण अपने ट्रैक्टर और अन्य मशीनों के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस और फायर ब्रिगेड को भी सूचना दी गई। ग्रामीणों की कड़ी मेहनत से आग पर काबू पा लिया गया। हालांकि तब तक पूरी फसल जलकर नष्ट हो चुकी थी।

5वीं-8वीं का रिजल्ट आज

दोपहर 1 बजे ऑनलाइन देख सकेंगे

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में कक्षा पांचवीं और आठवीं का परीक्षा परिणाम शुक्रवार को घोषित होगा। स्टूडेंट्स परिणाम ऑनलाइन देख सकेंगे। इस बार दोनों ही कक्षाओं में कुल 22 लाख 85 हजार स्टूडेंट्स बैठे थे। राज्य शिक्षा केंद्र, स्कूल शिक्षा विभाग दोपहर 1 बजे परिणाम जारी करेगा। राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने बताया, परिणाम पहले परीक्षा पोर्टल पर जारी किया जाएगा।

अंडे के ठेले वाले को 6 करोड़ का नोटिस

दिल्ली में रजिस्टर्ड कंपनी बताकर टैक्स बकाया दिखाया; युवक बोला- आज तक दिल्ली नहीं गया

दमोह (नप्र)। दमोह में अंडे का ठेला लगाने वाले म 6 करोड़ रुपए के जीएसटी भुगतान का नोटिस मिला है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) विभाग के नोटिस में प्रिंस को दिल्ली में खुली कंपनी का मालिक बताया गया है। इस कंपनी के नाम पर करीब 50 करोड़ का कारोबार दर्ज है। जिसके एवज में करीब 6 करोड़ रुपए का जीएसटी भुगतान बकाया है।

नोटिस मिलने के बाद प्रिंस ही नहीं, पूरा परिवार परेशान है। उन्होंने मामले की शिकायत आयकर विभाग और एसपी से की है। अधिकारियों ने जांच कराने की बात कही है।

दिल्ली में कंपनी बनी, 2022-23 का टैक्स बकाया- दमोह में पथरिया के वार्ड नंबर 14 में रहने वाला प्रिंस ठेला लगाकर अंडे बेचने का काम करता है। बीती 18 मार्च को उसके नाम से घर पर एक रजिस्टर्ड डाक आई। इसमें इनकम टैक्स विभाग का नोटिस निकला।

इस नोटिस में लिखा है कि साल 2022 में प्रिंस इंटरप्राइजेज नाम से दिल्ली के स्टेट जोन 3 (वार्ड 33) में एक फर्म संचालित की गई। इस कंपनी ने 2022-23 में करीब 50 करोड़ रुपए के चमड़ा, लकड़ी और आयरन का कारोबार किया। लेकिन जीएसटी का भुगतान नहीं किया गया। कंपनी पर करीब 6 करोड़ की जीएसटी का भुगतान बकाया है।

नोटिस में प्रिंस से बैंक स्टेटमेंट और अन्य दस्तावेज मांगे गए हैं।

प्रिंस अपने परिवार के साथ दमोह के पथरिया में रहता है। उसके नाम पर दिल्ली में कंपनी रजिस्टर्ड दिखाई गई है।

वकील बोले- नोटिस असली, आयकर विभाग को पत्र भेजा- नोटिस मिलने के बाद प्रिंस ने एडवोकेट अभिलाष खरे से संपर्क किया तो पता चला कि नोटिस असली है। अब पूरा परिवार हैरान है कि जब प्रिंस कभी दिल्ली गया ही नहीं तो उसके नाम पर इतनी बड़ी कंपनी कैसे खुल गई।

वहीं, एडवोकेट अभिलाष खरे ने बताया कि जानकारी मिलने के बाद हमने आयकर विभाग को लेटर भेजा है। पुलिस से भी शिकायत की है।

किसी को नहीं दिया पैन और आधार कार्ड- प्रिंस ने बताया कि वह 2023 में मजदूरी करने के लिए इंदौर गया था। वहां उसने करीब 1 साल काम किया। इस दौरान अपना पैन और आधार कार्ड किसी को भी नहीं दिया। फिलहाल पथरिया में अंडे का ठेला लगाकर अपने परिवार का गुजारा कर रहा है। पिता श्रीधर सुमन छोटी किराना दुकान चलाते हैं।

पिता श्रीधर सुमन ने बताया कि यदि न्याय नहीं मिला तो परिवार के पास आत्महत्या के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा।

बुरहानपुर में दीवार गिरी

दो घायल,एक की मौत, एक गंभीर

बुरहानपुर (नप्र)। बुरहानपुर में दीवार गिरी गिरने से उसके नीचे तीन मजदूर दब गए। हादसे में एक की मौत हो गई। एक गंभीर घायल है उसे गंभीर हालत में अस्पताल में ले जाया गया है। वहीं एक को हल्की चोटे आई हैं। नागझिरी में नाली खोदते समय हादसा हो गया।

गुरुवार दोपहर मजदूर पीपल घाट में पाइपलाइन डालने के लिए खुदाई कर रहे थे। तभी हादसा हुआ। मजदूर मंडी क्षेत्र से काम करने के लिए नागझिरी पीपल घाट क्षेत्र आए थे। मजदूरों के दीवार के नीचे से निकालने के बाद लोग अस्पताल लेकर पहुंचे।

हादसे में लोहार मंडी निवासी वसीम खान की मौत हो गई। गंभीर घायल का जिला अस्पताल में इलाज जारी है। तीसरे मजदूर अयाज साहब सुरक्षित हैं। घटना की जानकारी मिलते ही गणपति नाका थाना पुलिस और नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची। बचे हुए मजदूर अयाज ने बताया कि वे तीनों पाइप डालने के लिए नाली खोद रहे थे, तभी अचानक दीवार गिर गई।

अपर कलेक्टर वीरसिंह चौहान ने कहा कि सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे। दोनों घायलों को तुरंत जिला अस्पताल भेजा गया। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी।

पीएम मोदी के फ्यूचर लीडर्स की पहली ट्रेनिंग एमपी में

आई एम बीजेपी फ्यूचर फोर्स के लिए गैर राजनीतिक बैकग्राउंड वाले 100 प्रोफेशनल्स का चयन

भोपाल (नप्र)। इंजीनियर, डॉक्टर, वकील, चार्टर्ड अकाउंटेंट, सोशल वर्कर, स्टार्टअप, युवा उद्यमी, पत्रकार, एक्स आर्मी मैन, आईआईटीयन, महिला उद्यमी सहित अलग-अलग फील्ड के प्रोफेशनल्स को राजनीति में लाने के लिए बीजेपी ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू कर रही है।

भोपाल में 29 और 30 मार्च को दो दिन तक वर्कशॉप होगी। इस वर्कशॉप को 'आई एम बीजेपी फ्यूचर फोर्स' नाम दिया गया है। इस फ्यूचर फोर्स के लिए चयनित विभिन्न क्षेत्रों के प्रोफेशनल्स को बीजेपी की रीति, नीति, काम करने की पद्धति का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

वर्कशॉप में सीएम यादव, केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, सांसद बांसुरी स्वराज, डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे, डॉ

अनिर्वान गांगुली, बीजेपी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, संसदीय कार्यमंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर सहित राज्य सरकार के चुनिंदा मंत्री सत्रों को संबोधित करेंगे।

एमपी से पायलेट प्रोजेक्ट की तर्ज पर शुरुआत

15 अगस्त 2024 को प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से कहा था कि राजनीति में ऐसे नए लोगों को अवसर मिलना चाहिए जिनके परिवारों का पहले से कोई राजनीतिक बैकग्राउंड न हो। पीएम मोदी के इस प्लान पर सबसे पहले एमपी ने अमल करना शुरू किया है। भोपाल में 29 और 30 मार्च को देश की पहली फ्यूचर लीडर्स वर्कशॉप होगी, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के सौ प्रोफेशनल्स को कुल 9 सत्रों में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

केन्द्रीय मंत्री और एक्सपर्ट देंगे अलग-अलग सत्रों में जानकारी

दो दिनों की इस वर्कशॉप में कुल 9 सत्र होंगे। पहले दिन 29 मार्च को तीन सत्र होंगे। जबकि 30 मार्च को 6 सत्र होंगे। इन सत्रों को सीएम डॉ. मोहन यादव, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, बीजेपी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, लोकसभा सांसद बांसुरी स्वराज, राज्यसभा सांसद डॉ विनय सहस्त्रबुद्धे, मप्र के संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, सहित तमाम विशेषज्ञ संबोधित करेंगे।

सिलेक्शन के पहले दी एसओपी

बीजेपी फ्यूचर फोर्स के लिए जिन 750 लोगों को शॉर्टलिस्ट किया गया। उनके चयन के लिए बीजेपी ने एक एसओपी बनाई। इसमें प्रोफेशनल क्वालिफिकेशन, आइडियोलॉजी, एक्सपीरियंस जैसे प्वाइंट्स पर नंबर दिए गए। इस एसओपी में इस बात को लेकर सख्त हिदायत थी कि जिन परिवारों के लोग राजनीति में हैं उन युवाओं को सिलेक्ट न किया जाए।

साधु-संत बोले- राक्षस प्रवृत्ति के विधायक का वध करेंगे

कांग्रेस विधायक के बयान का उज्जैन में विरोध, कहा था-ये सांड चर रहे हैं दूसरों का खेत

उज्जैन (नप्र)। सतना जिले के अमरपाटन से कांग्रेस विधायक डॉ. राजेंद्र कुमार सिंह के द्वारा साधु-संतों पर दिए गए विवादित बयान के बाद उज्जैन के महामंडलेश्वर, महंत और साधु-संत भड़क गए है। संतों ने विधायक के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विधायक का सिर काटने और दौड़ा-दौड़ा कर पीटने की बात कही है।

बुधवार को सतना के एक गार्डन में आयोजित कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में कांग्रेस विधायक राजेंद्र कुमार सिंह ने साधु-संतों को लेकर विवादित बयान दिया था। उन्होंने साधु-संतों और महामंडलेश्वरों की तुलना सांड से की थी। उन्होंने कहा भाजपा ने साधु-संत, संन्यासी, बाबा बैरागी और महामंडलेश्वरों को छोड़ दिया जनता के बीच। जाओ हिंदुत्व की बात करो, भाजपा का प्रचार करो, सनातन की बात करो। और ये सांड.. चर रहे हैं दूसरों का खेत। ये जो भारत की पहचान है, धर्म निरपेक्षता की, समाजवाद की, संवैधानिक संस्थाओं की मजबूती, सब कुछ चरमरा रही है।

विधायक द्वारा साधु-संतों, महामंडलेश्वरों की तुलना सांड से करने की खबर उज्जैन के अखाड़ों में

पहुंची तो यहां विधायक के खिलाफ नारेबाजी शुरू हो गई। कई साधु-संतों इस बात का विरोध करते हुए विधायक को दौड़ा दौड़ाकर पीटने सहित सबसे घटिया विधायक बताया। संतों ने कहा की ऐसे विधायकों के सर काटने का काम साधु करेंगे।

कार्यकर्ता सम्मेलन में दिया विवादित बयान

दरअसल मध्यप्रदेश के सतना जिले में कांग्रेस ने जिला स्तरीय कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम आयोजित किया था। इस कार्यक्रम में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी भी मौजूद थे। इसी कार्यक्रम में मंच से विधायक ने साधु-संतों और महामंडलेश्वरों को लेकर विवादित बयान दिया था।

राक्षस प्रवृत्ति के विधायक का वध करने का काम करेंगे साधु

अयोध्या से संत शिवदास त्यागी ने कहा कि साधु संतो को सांड बोला है। उन्होंने गलत बोला है। अगर हमारे महामंडलेश्वर आदेश करेंगे तो ऐसे राक्षस प्रवृत्ति के विधायकों के सर काटने के काम युवा साधु करेंगे। विधायक माफी मांगे नहीं तो युवा साधु वध करने का काम करेगा। कांग्रेस अपनी मानसिकता को सुधार ले। वर्ना परिणाम भयानक होंगे।

दौड़कर-दौड़कर पीटूंगा, जानवर जैसा बना दूंगा

उज्जैन में स्थानीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रामेश्वर दास ने कहा कि साधु इतना कमजोर नहीं है। उसे शास्त्र और शस्त्र भी चलना आता है। इस तरह के विधायक उज्जैन आ जाए तो इनकी दुर्गति हो जाएगी। इसकी हम निंदा करते है।

इधर साधु महावीर नाथ ने कांग्रेस विधायक राजेंद्र कुमार सिंह को सबसे घटिया विधायक बताया। उन्होंने कहा कि साधु संत को ये जानता नहीं है, कही मिल जाए तो दौड़कर दौड़कर पीटूंगा, जानवर जैसा बना दूंगा।